सूर्योदय 5:54 सूर्यास्त 6:52

आज का तापमान

शिमला	16 न्यू	23 अधि
धर्मशाला	21 न्यू	28 अधि

बाजार

सेंसेक्स	81,635.91
निफ्टी	24,967.75
सोना 1,00,345	चांदी 1,16,533

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

मनु भाकर महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में संयुक्त चौथे स्थान पर

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 26 अगस्त 2025 | 11 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 238, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

पीएम मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी की स्नातक की डिग्री से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने सीआईसी के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय की याचिका पर यह फैसला सुनाया। जिन्होंने 27 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। जानकारी के लिए बता दें कि नीरज नामक व्यक्ति ने आरटीआई आवेदन किया था। सीआईसी ने 21 दिसंबर 2016 को 1978 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दे दी थी। जिस वर्ष नरेंद्र मोदी ने भी यह परीक्षा पास की थी। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली की सीएम की जेड प्लस सिक्योरिटी वापस

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर, सीएम रेखा पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है। (अनंत ज्ञान)

स्कूल भर्ती घोटाला: टीएमसी विधायक साहा गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को स्कूल भर्ती घोटाले मामले में टीएमसी के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम रेड के लिए पहुंची थी, लेकिन विधायक को इसकी जानकारी मिल गई। वह दीवार फांदकर भागने की कोशिश करने लगे। इस दौरान साहा ने मोबाइल फोन भी नाले में फेंक दिया, जिसे ईडी ने बरामद कर लिया है। साहा मुर्शिदाबाद के बुरवान से विधायक हैं। ईडी की तरफ से दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग केस में विधायक साहा, उनके रिश्तेदार और सहयोगी आरोपी हैं। साहा को विशेष अदालत में पेश कर आगे की जांच के लिए उनकी हिरासत मांगी जाएगी। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- टौणीदेवी में आंगनबाड़ी केंद्रों में भरे जाएंगे वर्कर्स व सहायिकाओं के पद -पेज 2
- पेखुवेला विद्युत परियोजना पर उठा राजनीतिक तूफान -पेज 3
- एचपीसी लांचिंग के साथ हिमाचल शिक्षा बोर्ड बनेगा उदाहरण: डॉ. राजेश -पेज 5
- पर्यटन कार्यालय स्थानांतरित करने के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन -पेज 6
- दशहरा समिति ने 332 देवी-देवताओं को भेजे निमंत्रण पत्र -पेज 11

विधायक सुधीर ने दिया मुख्यमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

सीएम पर सदन में बार-बार गलत बयान देने का लगाया आरोप, विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप पठानिया को लिखा पत्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। विधायक सुधीर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इसकी जानकारी देते हुए स्पीकर कुलदीप पठानिया को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने सीएम पर सदन में बार-बार झूठ बोलने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

इस नोटिस में सुधीर शर्मा ने सीएम द्वारा दिए गए कई बयान और दावे गलत साबित करने वाले तथ्य बिंदुवार दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम ने बजट सत्र में 25 हजार युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, जबकि पिछले मानसून सत्र में 34 हजार रोजगार देने का दावा किया गया था। वहीं, इस बार स्वतंत्रता दिवस पर सरकार ने 23 हजार युवाओं को रोजगार देने की बात कही, जो असंगत और भ्रामक है।

इसके अलावा सुधीर ने अटल आदर्श स्वास्थ्य संस्थान, पैट स्कैन मशीन, बजट में डीए की घोषणा, बिजली बिल के आंकड़े और आपदा राहत के आंकड़ों को लेकर भी सीएम पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीबीआई जांच से जुड़े मामले में भी विरोधाभासी बयानों का हवाला दिया है।

ये आरोप लगाए

सुधीर ने सीएम पर अटल आदर्श स्वास्थ्य संस्थान, पैट स्कैन मशीन, बजट में डीए की घोषणा, बिजली बिल के आंकड़ों और आपदा राहत के आंकड़ों पर सदन को गुमराह करने के आरोप लगाए हैं।

नोटिस विधानसभा के पास विचाराधीन: विस अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि वह सोशल मीडिया पर नोटिस शेयर नहीं कर सकते। विधानसभा सचिवालय के पास यह नोटिस विचाराधीन है। पत्र पर विचार किया जा रहा। कौन से ऐसे तथ्य हैं, जिनका उन्होंने उल्लेख किया है, इसका पता लगाया जाएगा। अगर तथ्य सही नहीं हुए और बेबुनियाद पाए गए तो इसके खिलाफ भी कई प्रावधान है। हम देख रहे हैं कि विधायक ने क्या-क्या मामला उठाया है। इस बाबत उचित फैसला लिया जाएगा।

विधानसभा की 22वीं कार्यवाही रिपोर्ट में एचपीपीसीएल की लापरवाही हिमाचल के वित्तीय घाटे का कारण

सस्ती बिजली बेची, झेला नुकसान

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सत्ता के गलियारों में उस समय हलचल मच गई, जब सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र में विधानसभा की एक रिपोर्ट ने राज्य की सरकारी ऊर्जा कंपनी हिमाचल प्रदेश पावर निगम लिमिटेड (एचपीपीसीएल) की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। यह रिपोर्ट केवल प्रशासनिक गड़बड़ियों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि यह उस गहराते वित्तीय संकट की आहट सुना गई, जो सरकारी लापरवाही और रणनीतिक चूक के चलते हिमाचल को आर्थिक गर्त में धकेल रही है।

विधानसभा की 22वीं कार्यवाही रिपोर्ट वर्ष 2025-26 के अनुसार, एचपीपीसीएल की जलविद्युत परियोजनाओं में लगातार देरी, आर्थिक अनुशासन की कमी और नियामक प्रक्रियाओं की अनदेखी ने राज्य को करोड़ों का घाटा दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एचपीपीसीएल ने पावर ग्रिड निगम के साथ दीर्घकालिक पहुंच के लिए आवेदन करने से पहले अनिवार्य बिजली खरीद समझौतों पर हस्ताक्षर नहीं किए। इस लापरवाही के चलते न सिर्फ अनुमति रद्द हो गई, बल्कि 37 लाख 41 हजार रुपए की राशि भी जब्त कर ली गई, जिसे समिति ने एक परिहार्य हानि करार दिया। इतना ही नहीं, सितंबर 2010 में शुल्क जमा करने के बाद भी मामला मंत्रिमंडल तक दिसंबर 2013 में पहुंचा। यह लगभग 38 महीनों की देरी थी, जो स्पष्ट रूप से गंभीर प्रशासनिक निष्क्रियता को दर्शाती है। समिति ने इस देरी पर कड़ा ऐतराज जताया है और इसे निष्क्रियता की पराकाष्ठा बताया है।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि एचपीपीसीएल ने बार-बार अपनी उत्पादन लागत से कम दर पर बिजली बेची, जिससे लगातार घाटा होता रहा। उदाहरण के लिए सैंज परियोजना की उत्पादन लागत 7 रुपए 23 पैसे प्रति इकाई थी, लेकिन बिजली मात्र 4 रुपए 21 पैसे प्रति इकाई में बेची गई। इसी तरह सावड़ा-कुड्डू परियोजना की लागत 9 रुपए 41 पैसे थी, जबकि बिक्री 4 रुपए 79 पैसे प्रति इकाई में हुई। चौंकाने वाली बात यह है कि इन घाटों के बावजूद एचपीपीसीएल ने अभी तक हिमाचल प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के पास दर पुनरीक्षण के लिए कोई याचिका दायर नहीं की है। समिति ने इसे वित्तीय गैरजिम्मेदारी बताया है और चेतावनी दी है कि इससे निगम की दीर्घकालिक स्थिरता को भारी खतरा हो सकता है।

इसके अलावा, सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय प्रतिस्पर्धा से राजस्व पर क्या प्रभाव पड़ा। इस बारे में भी एचपीपीसीएल ने समिति को कोई ठोस उत्तर नहीं दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि निगम केवल वित्तीय नहीं, बल्कि रणनीतिक स्तर पर भी दिशाहीन है।

एचपीपीसीएल के इन प्रोजेक्टों में पाई गई गड़बड़ियां

रिपोर्ट में काशांग, सैंज और सावड़ा-कुड्डू परियोजनाओं के उत्पादन और विद्युत प्रवाह से जुड़ी भारी गड़बड़ियों को भी उजागर किया गया है। इन परियोजनाओं से उत्पन्न बिजली में से काफी इकाइयां खरीदारों तक पहुंचने से पहले ही क्षतिग्रस्त या व्यर्थ हो गईं, जिससे न सिर्फ राजस्व घटा, बल्कि राज्य की ऊर्जा दक्षता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया।

निगम की लापरवाहियां

- परियोजनाओं में देरी से हुआ भारी वित्तीय नुकसान
- विद्युत समझौतों में लापरवाही और नियामकीय उल्लंघन
- ट्रांसमिशन में भारी नुकसान और जवाबदेही से बचाव

कांगड़ा बस स्टैंड छेड़छाड़ केस में चार आरोपियों को सशर्त जमानत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने कांगड़ा बस स्टैंड में युवती से अश्लील हरकतों के मामले में चार आरोपियों विशाल, पवन कुमार, पंकज कुमार और अर्जुन राणा को 1 लाख के निजी मुचलके पर सशर्त जमानत दे दी है। न्यायाधीश राकेश कैंथला ने कहा कि पीड़िता द्वारा पुलिस के समक्ष की गई पहचान कानूनी रूप से स्वीकार्य साक्ष्य नहीं है। सभी पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है, लेकिन कोर्ट ने माना कि आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है और उनका उद्देश्य पीड़िता को परेशान करना नहीं था। सरकार ने जमानत का विरोध करते हुए गवाहों को धमकाने की आशंका जताई थी, जिसे कोर्ट ने शर्तों के साथ नियंत्रित किया।

बता दें कि एचआरटीसी बस स्टैंड कांगड़ा में 11 जुलाई देर रात को युवती ने अपने साथ सार्वजनिक रूप से अश्लील हरकतें करने और बदसलूकी की शिकायत पुलिस से की थी। इस पर पुलिस ने आरोपियों को अरेस्ट कर लिया था।

अवमानना मामले में न्यायाधीश को चेतावनी के साथ क्षमा

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने अवमानना के आरोपी नालागढ़ के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभय मंडयाल की क्षमा याचना स्वीकार कर ली है। न्यायाधीश बीसी नेगी ने कहा कि न्यायपालिका का धैर्य उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए और भविष्य में अदालत के आदेशों की अवहेलना होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हाईकोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर अपील का निपटारा करने पर जज के विरुद्ध अवमानना याचिका दायर की गई थी, जिसमें प्रथम दृष्ट्या न्यायालय की घोर अवमानना पाई गई। हालांकि अब क्षमा याचना स्वीकारते हुए कोर्ट ने मामले का निपटारा कर दिया, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि अदालत की गरिमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कुल्लू के काथी नाले में बादल फटा, दो पुल बहे

बाढ़ आने से ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ा, लोगों से नदी से दूर रहने की अपील

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। कुल्लू जिले के काथी नाले में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। नाले में बादल फटने से आई बाढ़ के कारण काथी कुकड़ी व कास्ता कुकड़ी को जोड़ने वाले पुल बह गए हैं। वहीं, लोगों की भूमि को भी भारी नुकसान पहुंचा है। नाले में बादल फटने के कारण आई बाढ़ से ब्यास नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। लगातार भारी बारिश से हलाण 2 में भूस्खलन और वाम तट नग्गर छाकी में पेड़ गिरने से मार्ग बाधित हो गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा दोनों क्षेत्रों में मशीनरी भेजी गई, जिससे छाकी में छोटे वाहनों के लिए मार्ग सुचारु कर दिया गया, वहीं हालाण 2 में सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर और मलबा आने से कार्य नहीं हो पाया।

डीसी तोरुल एस रवीश ने बताया कि सभी उपमंडल से एसडीएम से मिली रिपोर्ट के अनुसार भारी बारिश के चलते नदी-नाले भी उफान पर हैं। ऐसे में लोग नदी नालों के किनारों का रुख न करें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

प्रदेशभर में दो एनएच सहित 795 सड़कें बंद

प्रदेश में सोमवार शाम तक दो नेशनल हाईवे सहित 795 सड़कें बंद रहीं। इसके अतिरिक्त 956 बिजली ट्रांसफार्मर व 517 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हैं। मंडी, कुल्लू व चंबा जिले में सबसे अधिक सड़कें प्रभावित हैं।

इन जिलों में आज बच्चों को छुट्टी

मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए हिमाचल प्रदेश के मंडी, कांगड़ा, बिलासपुर और कुल्लू जिले के सभी स्कूलों में 26 अगस्त की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

मणिमहेश यात्रा : पंजाब के 3 श्रद्धालुओं की मौत

अनंत ज्ञान, भरमौर। मणिमहेश यात्रा के दौरान रविवार रात दो और सोमवार सुबह एक श्रद्धालु की मौत हो गई। तीनों श्रद्धालुओं की जान ऑक्सीजन की कमी से गई है। मृतकों की पहचान पंजाब के पठानकोट के अमन (18), रोहित (18) और गुरुदासपुर के अनमोल (26) के तौर पर हुई है। अमन और रोहित के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, अमन को बीती रात को कमल कुंड से रेस्क्यू किया गया और गौरीकुंड में मौत हो गई, जबकि रोहित की मौत कुगती ट्रैक पर ऑक्सीजन की कमी से हुई है। वहीं अनमोल की मौत धंचो में सोमवार सुबह 10 बजे हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

संस्थान में 3 साल से बीओजी चेयरमैन नहीं, कई माह से लटके प्रमोशन

मंत्रालय ने लावारिस छोड़ा एनआईटी हमीरपुर

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान ब्यूरो

हमीरपुर। लगता है सूबे के इकलौते हमीरपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) को मानव संसाधन मंत्रालय ने लावारिस छोड़ दिया है। तीन साल से संस्थान में बीओजी का अध्यक्ष नहीं है। संस्थान के डायरेक्टर को कार्यकारी तौर पर 2 साल तक अध्यक्ष नॉमिनेट किया गया था, लेकिन मार्च माह से नए स्टैचू के मुताबिक इस व्यवस्था को भी मंत्रालय ने खत्म कर दिया।

मार्च, 2025 में स्टैचू में जो बदलाव किया गया, उसी के तहत यह समस्या खड़ी हुई है। स्टैचू में बदलाव के लिए गजट अधिसूचना में कहा गया कि अब संस्थान के डायरेक्टर या कोई अन्य कार्यकारी अध्यक्ष नहीं होंगे। ऐसे में संस्थान में नई नियुक्तियां नहीं होंगी, प्रमोशन नहीं होगी और नए कोर्सेज भी शुरू नहीं होंगे।

आठ महीने से नहीं हुई बीओजी की बैठक

नियमों के तहत संस्थान में बीओजी की बैठक साल में चार मर्तबा होना लाजमी है। इस साल जनवरी में एक बैठक हुई थी। उसके बाद 8 महीने बीत गए हैं, लेकिन बीओजी की बैठक नहीं हुई। बोर्ड ऑफ गवर्नर की बैठक नहीं होने से लगता है कि मानव संसाधन मंत्रालय इस संस्थान से बेवजह नाइंसाफी कर रहा है।

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

मंत्रालय बार-बार करता है संस्थान की अनदेखी

मानव संसाधन मंत्रालय इससे पहले भी कई मर्तबा इस संस्थान की अनदेखी कर चुका है। मौजूदा रजिस्ट्रार से पहले करीब 10 सालों तक इस संस्थान को रेगुलर रजिस्ट्रार नहीं मिला। यही नहीं, विवादित होकर संस्थान से निकले तत्कालीन डायरेक्टर विनोद यादव के बाद भी तकरीबन ढाई सालों तक रेगुलर डायरेक्टर नहीं दिया गया था।

संस्थान में गत 8 माह से बीओजी की बैठक तो नहीं हुई, स्टैचू में बदलाव हो चुका है। मंत्रालय से गुहार की गई है कि संस्थान के लिए अध्यक्ष जल्दी नियुक्त किया जाए। मैं व्यक्तिगत रूप में मंत्रालय से मिलकर आई हूं। उम्मीद है कि इस पर जल्दी फैसला होगा।

-डॉक्टर अर्चना ननोटी, रजिस्ट्रार, एनआईटी हमीरपुर

बुलंदशहर में सड़क हादसे में नौ श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी, बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां-बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है। मृतकों में 6 साल का बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार देर रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मृतक विकास की गर्भवती पत्नी को हादसे के बारे में नहीं बताया गया है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने हादसे में मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक मदद देने के निर्देश दिए हैं। (अनंत ज्ञान)

मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद

अनदेखी: भाजपा की नई कार्यकारिणी में केवल 8 महिलाएं, एससी को 6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व भी नहीं

भाजपा में महिला भागीदारी पर भी उठे सवाल

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है, लेकिन प्रदेशभर में 25 प्रतिशत एससी आबादी को 65 की कार्यकारिणी में 25 प्रतिशत की जगह 6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व भी प्राप्त नहीं हो पाया है, जो सामाजिक समावेशिता पर सवाल खड़े कर रहा है। इस बार कुल 65 नियुक्तियां की गई हैं, जिसमें 24 प्रमुख पदाधिकारी, 7 मोर्चा अध्यक्ष, 4 सोशल मीडिया और आईटी प्रभार, 28 प्रवक्ता व सह प्रवक्ता, और 2 प्रकोष्ठ व सह प्रकोष्ठ शामिल हैं। यह नई टीम एक ओर संगठन में नई ऊर्जा भरने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर इससे क्षेत्रीय असंतुलन और सामाजिक समानता को लेकर बहस तेज हो गई है। सबसे अधिक प्रतिनिधित्व शिमला संसदीय क्षेत्र को मिला है, जहां से प्रदेश अध्यक्ष के साथ किसान मोर्चा, एससी मोर्चा, महिला मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष चुने गए हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से दो महामंत्रियों की नियुक्ति की गई है, जो अब तक की परंपरा में सीधा बदलाव दिख रहा है। मंडी संसदीय क्षेत्र, जो प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला है इस बार तीसरे स्थान पर सिमट कर रह गया है।

पहले एससी को मिलते थे 6 प्रमुख पद

हैरान की बात यह है कि हर बार कार्यकारिणी में एससी के 6 प्रमुख पद होते थे, लेकिन इस बार 3 पद से ही संतोष करना पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी सामाजिक समावेशिता को लेकर नित नए फैसलों को क्रियान्वयन कर रहे हैं, तो हिमाचल में नई कार्यकारिणी में मोदी सोच को पलीता लगाया हुआ साफ दिख है। दूसरी ओर कांग्रेस का एससी प्रकोष्ठ नित नए कार्यक्रम आयोजित कर पार्टी का वोट बैंक बढ़ा रहा है।

- शिमला को सबसे अधिक पद
- हमीरपुर को मिले दो महामंत्री
- मंडी तीसरे स्थान पर फिसला

कांगड़ा जिला भी दरकिनार

इतना ही नहीं महिला आरक्षण की वकालत करने वाली भाजपा ने केवल 8 महिलाओं को ही स्थान दिया है। यह संख्या कुल नियुक्तियों का लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि पार्टी 33 प्रतिशत आरक्षण की पैरवी करती रही है। इसके अलावा कांगड़ा जैसे बड़े और प्रभावशाली संसदीय क्षेत्र को नजरअंदाज किया गया है। वहीं, लाहौल जैसे दुर्गम क्षेत्र से किसी भी नेता को शामिल नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी की यह संरचना पार्टी के आंतरिक समीकरणों को दर्शाती है, लेकिन इससे जुड़े सवाल संगठन के समावेशी स्वरूप पर विचार करने को मजबूर कर रहे हैं। अब देखना होगा कि यह टीम आने वाले समय में प्रदेश भाजपा को किस दिशा में ले जाती है।

भारत और फिजी ने सात समझौतों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी, हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 अगस्त सोमवार को हैदराबाद हाउस में फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और फिजी के बीच लंबे पुराने रिश्तों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। यहां व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों नेताओं की बातचीत के बाद भारत और फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा, '2014 में 33 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिजी की धरती पर कदम रखा था। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि यह सौभाग्य मुझे मिला था। उस समय हमने 'फोरम फॉर इंडिया-पेसिफिक आइसलैंड कॉर्पोरेशन' यानी एफआईपीआईसी की शुरुआत की थी। उस पहल ने न केवल भारत-फिजी रिश्तों को, बल्कि पूरे पैसिफिक क्षेत्र के साथ हमारे जुड़ाव को नई ताकत दी है।' (अनंत ज्ञान)

बारिश से ल्हासे गिरने से जिले की कई सड़कें बंद, यातायात प्रभावित

मकानों के डंगे भी हुए क्षतिग्रस्त, पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी सड़क सुविधा सुचारु करने में जुटे

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। जिला में गत 24 घंटों के दौरान लगभग 22.55 लाख रुपए से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। वहीं जिला भर की सड़कों पर कहीं पेड़ गिर गए हैं तो कहीं पर लैंडस्लाइड की वजह दिन भर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। हालांकि लोक निर्माण विभाग बंद हो गई सड़कों को खोलने में जुटा रहा। इस मानसून सीजन में 20 जून के बाद जिला हमीरपुर में बारिश के कारण हो रहे नुकसान का आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इस दौरान जिला हमीरपुर में सरकारी और निजी संपत्ति के नुकसान का आंकड़ा 146 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

इस दौरान जिला में जल शक्ति विभाग को सर्वाधिक 75.23 करोड़ रुपए, लोक निर्माण विभाग को 64.80 करोड़, बिजली बोर्ड को 1.32 करोड़ और शिक्षा विभाग को 1.45 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। बागवानी विभाग ने विभिन्न फसलों को हुए 18.06 लाख रुपये और कृषि विभाग ने 1.15 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। इसके अलावा 26 कच्चे मकान और एक पक्का मकान ध्वस्त होने से लगभग 47.15 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। 153 अन्य कच्चे मकानों और 14 पक्के मकानों को आंशिक रूप से क्षति पहुंची है, जिससे 96.76 लाख रुपए से अधिक का नुक्सान हुआ है। 24 अन्य भवनों को भी लगभग 9.72 लाख रुपए की क्षति पहुंची है। जिले भर में 103 डंगे गिरे हैं, जिनमें लगभग 92.36 लाख रुपए की क्षति हुई है। 207 गौशालाओं के ध्वस्त होने से लगभग 99.15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

उपायुक्त ने सभी विभागों के फील्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में हुए नुकसान की रिपोर्ट तुरंत भेजें, ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके।

डीसी ने लोगों से की एहतियात बरतने की अपील

उपायुक्त अमरजीत सिंह ने भारी बारिश को देखते हुए जिलेवासियों से एहतियात बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से लगातार बारिश के कारण ब्यास नदी, खड्डों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे भूस्खलन, मकानों के क्षतिग्रस्त होने और सड़कों के बंद होने की सूचनाएं मिल रही हैं। लोगों को नदी-नालों व जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रहने, पेड़ों के नीचे आश्रय न लेने तथा आपात स्थिति में हेल्पलाइन 1077 पर संपर्क करने को कहा गया।

बड़सर में शुक्कर खड्ड के टापू पर फंसे प्रवासी व्यक्ति का 6 घंटे बाद हुआ रेस्क्यू

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

खड्ड के टापू पर फंसे प्रवासी का रेस्क्यू ऑपरेशन करते हुए।

बड़सर। जिला हमीरपुर के उपमंडल बड़सर की शुक्कर खड्ड के तेज बहाव में सोमवार को एक प्रवासी व्यक्ति बीच टापू पर फंस गया। लगभग 6 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घोड़ी धबीरी क्षेत्र में प्रवासी नितेश कुमार (निवासी जिला लखीसराय, बिहार) खड्ड को पार कर रहा था। इसी दौरान अचानक पानी का स्तर बढ़ गया और वह बीच में फंस गया। खड्ड के बीच बने एक छोटे टापू पर उसने शरण ली। किनारे से टापू की दूरी करीब 100 मीटर थी।

सूचना मिलते ही प्रशासन, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। समाजसेवी परमजीत ढटवालिया भी प्रशासन के साथ रेस्क्यू में जुटे। हमीरपुर से पहुंची एसडीआरएफ टीम ने नाव के जरिए व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के कारण नाव पलट गई। इसके बाद रस्सियों और चेन बनाकर पैदल खड्ड पार करने की भी कोशिश की गई, मगर पानी का तेज बहाव बाधा बना।

आखिरकार बिलासपुर साइड से स्थानीय लोगों की मदद से बहाव थोड़ा कम होने पर नितेश कुमार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एसडीएम बड़सर राजेंद्र गौतम ने बताया कि व्यक्ति सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि इस रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

भोटा में एनएच पर शुक्कर खड्ड के पास ल्हासा गिरा

एनएच पर शुक्कर खड्ड के पास ल्हासा गिरने के बाद जाम में फंसे वाहन।

संजीव, अनंत ज्ञान

भोटा। सोमवार को भारी बारिश के कारण एनएच पर शुक्कर खड्ड के पास अचानक ल्हासा गिर गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। इस दौरान एक निजी बस वहां से गुजर रही थी, लेकिन गनीमत रही कि वह बाल-बाल बच गई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

ल्हासे की चपेट में आने से एक कार और ट्राला सड़क पर फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना नेशनल हाईवे प्राधिकरण को दी। सूचना मिलते ही विभाग की जेसीबी मशीन मौके पर पहुंची और सड़क को बहाल करने का कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में मलबा हटाकर मार्ग यातायात के लिए खोल दिया गया। हालांकि, घटना के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गलोड़ में अचानक गिरीं मकान और पशुशाला की दीवारें

तहसीलदार केशव कुमार ने महिला को पास के ही एक सुरक्षित घर में दिलवाई शरण

अनंत ज्ञान, गलोड़

गलोड़ तहसील के अंतर्गत पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी दौरान 84 वर्षीय एकल नारी राजो देवी पत्नी ज्ञान चंद, गांव अगथान का पुस्तैनी कच्चा मकान और पशुशाला की दीवारें अचानक गिर गईं। राजो देवी का कच्चा मकान पहले से ही जर्जर अवस्था में था और लगातार हो रही वर्षा के कारण मकान का शेष हिस्सा भी गिरने की आशंका बनी हुई है। पिछले दिनों इस महिला को अपना आय प्रमाण पत्र बनाने के लिए भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी, लेकिन हरेटा पंचायत के उपप्रधान और सामाजिक कार्यकर्ता संजय शर्मा के सहयोग से यह संभव हो पाया।

तहसीलदार गलोड़ केशव कुमार ने महिला को पास के ही एक सुरक्षित घर में शरण दिलवाई। पटवारी सुरेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी। महिला का लगभग तीन लाख रुपये का नुकसान आंका गया है।

पुतडियाल में मकान ढहा, लाखों का नुकसान

वीरेंद्र गोस्वामी, अनंत ज्ञान, बड़ा। क्षेत्र में हो रही लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी-नाले उफान पर हैं और जगह-जगह हादसों की सूचनाएं मिल रही हैं। इसी कड़ी में पंचायत पुतडियाल के गांव बैरू निवासी जगदीश चंद उर्फ जग्गू का पुश्तैनी मकान बारिश के कारण ढह गया। पंचायत उपप्रधान संजीव कुमार ने बताया कि मकान के दो कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जबकि शेष दो कमरे भी गिरने के कगार पर हैं। इस घटना से पीड़ित को लगभग तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना तुरंत राजस्व विभाग के पटवारी को दे दी गई है।

सुजानपुर में मकान ढहा, बाल-बाल बचा बुजुर्ग

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। नगर परिषद सुजानपुर के वार्ड नंबर-8 में भारी बारिश के चलते एक बुजुर्ग व्यक्ति का मकान ढह गया। गनीमत यह रही कि मकान की दीवार का हिस्सा बाहर की ओर गिरा, वरना मकान के भीतर मौजूद बुजुर्ग मलबे की चपेट में आ सकते थे। स्थानीय निवासी 84 वर्षीय रवि कुमार मकान में अकेले रहते थे। हादसे की जानकारी मिलते ही उनके नजदीकी रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और नगर परिषद के रैन बसेरे में उन्हें ठहराया गया। बुजुर्ग के बेघर होने पर आसपास के लोग भी चिंतित दिखाई दिए। उधर, सुजानपुर के तहसीलदार प्रवीण ठाकुर ने बताया कि प्रभावित व्यक्ति को प्रशासन की ओर से 10,000 रुपए की फौरी राहत प्रदान की जा रही है। साथ ही प्रभावित मकान का राजस्व विभाग द्वारा मौका निरीक्षण करवाकर आगामी मदद उपलब्ध करवाई जाएगी।

नौहंगी पंचायत में पशुशाला बरसात की भेंट चढ़ी

शशि सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन। नौहंगी पंचायत में गांव बलाहर की सलोचना देवी पत्नी मेहर दास की पशुशाला लगातार हो रही बरसात के चलते गिर चुकी है, लेकिन पशुओं को परिजनों ने समय रहते बाहर निकाल लिया अन्यथा पशुओं का भी नुकसान हो सकता था। बताया कि पटवारी हल्का को सूचित कर दिया गया है। वहीं ग्राम पंचायत रंगस के गांव पनयाला में सुरेश कुमार व रमेश चंद के मकान के ऊपर लहासा गिर गया है जिससे मकान को खतरा पैदा हो गया है क्योंकि मकान के पीछे से स्लाइडिंग हो रही है

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि मौका देखकर डंगा लगाया जाए ताकि मकान के गिरने का खतरा टल सके। और परिवार राहत की सांस ले सके।

लठयाणी खूनी मोड़ के पास पत्थर गिरने से यातायात बंद

बिझड़ी में सड़क पर चीड़ का पेड़ गिरने से यातायात बंद हुआ।

अनंत ज्ञान, बड़सर

भारी बारिश से बड़सर उपमंडल में जनजीवन प्रभावित हो गया है। नेशनल हाईवे-503 ए पर बड़सर से लठयाणी खूनी मोड़ के पास पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर गिरने से यातायात पूरी तरह से बंद हो गया है। इसके चलते बिझड़ी-धोडी धबीरी, मैहरे-धनेटा, सलौणी, मक्कड़ और बड़सर-चम्बयाल सड़क मार्ग भी अवरुद्ध हो गए हैं। जगह-जगह वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और लोग भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

पीडब्ल्यूडी बिझड़ी अनुभाग के तहत बिझड़ी-घोडी धबीरी, बिझड़ी-धंगोटा और धंगोटा-उखली मार्गों के अवरुद्ध होने की सूचना है। कई जगहों पर पहाड़ी दरकने से मलबा गिरा है, वहीं कुछ मार्गों पर चीड़ के पेड़ गिरने से यातायात ठप हो गया है। सलौणी-कठियाणा, भोटा-रोपड़ी और झिरालड़ी-कसीरी सड़कें भी बंद पड़ी हैं। इसके अलावा शुक्रखड्ड-बैरी सड़क का करीब 100 मीटर हिस्सा बाढ़ में बह गया है। यहां केवल छोटे वाहन ही आवाजाही कर पा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

12 तक बंद रहेगी बराड़ा-बाकर खड्ड सड़क

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। टौणी देवी क्षेत्र में बराड़ा-पटनौण-बाकर खड्ड सड़क की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य के चलते इस सड़क पर यातायात 12 सितंबर तक बंद कर दिया गया है। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए डीसी अमरजीत सिंह ने बताया कि बराड़ा-पटनौण-बाकर खड्ड सड़क के सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत कार्य को सुचारू ढंग से जारी रखने तथा इसे अतिशीघ्र पूरा करने के लिए इस सड़क पर वाहनों की आवाजाही 12 सितंबर तक बंद की गई है। इस दौरान क्षेत्र के वाहन चालक समीरपुर-मतलाणा सड़क या उहल-परनाली सड़क से बाकर खड्ड तक आवाजाही कर सकते हैं।

हमीरपुर अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर आज

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड कंपनी जिला आयुर्वेदिक हॉस्पिटल हमीरपुर में 26 अगस्त को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगी। जिला के हड्डी रोग से जुड़े लोगों के लिए लगाए जा रहे इस शिविर में नि:शुल्क बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जिला आयुर्वेदिक हॉस्पिटल हमीरपुर के विशेषज्ञ सहित समस्त डाक्टरों की टीम इस शिविर में हड्डी रोगों की जांच कर उनका उपचार करेगी। शिविर में वह सभी लोग नि:शुल्क उपचार व टेस्ट का लाभ ले सकते है जिनकी पीठ में दर्द रहता है, थकान महसूस होती है, बार-बार हड्डी टूटती है या फिर डायबीटीज, उच्च रक्तचाप व थाइराइड की समस्या से जूझ रहे हैं।

बचत भवन की दुकान की नीलामी 11 सितंबर को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। उपायुक्त कार्यालय परिसर स्थित बचत भवन की प्रथम मंजिल पर बनी नई दुकान को आधे बरामदे सहित मासिक किराये पर देने के लिए 11 सितंबर को सुबह 11 बजे नीलामी होगी। एडीसी अभिषेक गर्ग ने बताया कि दुकान का क्षेत्रफल 190 वर्ग फुट और बरामदे का क्षेत्रफल 355 वर्ग फुट है। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक लोग अपने आवेदन पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड सहित 10 सितंबर शाम 5 बजे तक सहायक आयुक्त व जिला बचत विकास एवं सेवा समिति के सचिव के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। दुकान का न्यूनतम आरक्षित मासिक किराया 20 हजार रुपये तय किया गया है, जिस पर जीएसटी अतिरिक्त देय होगा। सफल बोलीदाता को तीन वर्ष के लिए दुकान दी जाएगी।

महिला कर्मियों को दी अधिनियम संबंधी जानकारी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हमीरपुर की ओर से सोमवार को बचत भवन में जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013 की जानकारी दी गई। अधिवक्ता सुनीता कुमारी, जिला लीगल चाइल्ड प्रोबेशन अधिकारी अंबिला शर्मा और चाइल्ड हेल्पलाइन की समन्वयक मनोरमा देवी ने प्रतिभागियों को अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस कानून में विशेष प्रावधान हैं और सभी कर्मचारियों को इसकी जानकारी होना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान संवाद सत्र भी हुआ, जिसमें महिला कर्मचारियों की शंकाओं का समाधान किया गया।

सांसद अनुराग ने निधन पर जताया शोक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने नादौन विधानसभा क्षेत्र के निवासी व जम्मू-कश्मीर राइफल्स की 8वीं बटालियन में तैनात सूबेदार मेजर राजेश कुमार के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। बीमारी के चलते उन्होंने 22 अगस्त को अंतिम सांस ली। राजेश कुमार तीन बहनों के सबसे छोटे भाई थे और अपने पीछे वृद्ध माता, पत्नी, एक बेटा व एक बेटी छोड़ गए हैं। अनुराग ठाकुर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राजेश कुमार का देश के प्रति समर्पण, साहस और सेवा भावना सदैव प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि वीर सैनिक का जाना अत्यंत पीड़ादायक है, लेकिन राष्ट्र उनकी वीरता और योगदान को हमेशा याद रखेगा। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

योगासन में निधि और शिवानी ने मारी बाजी

सुनील कुमार, अनंत ज्ञान, हमीरपुर। अस्मिता योगासन वूमेन सिटी लीग का आयोजन जिला योगासन खेल संघ द्वारा किया गया। जिसमें लगभग 300 महिलाओं ने भाग लिया। जिसमें जिला हमीरपुर योगासन खेल संघ की अध्यक्ष स्वाति शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जिला योगासन खेल संघ हमीरपुर के संरक्षक अजय शर्मा ने बताया कि योगासन भारत ने अस्मिता योगासन वुमन सिटी लीग की शुरुआत 2024 में की। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को योगासन के माध्यम से सशक्त बनाना है ताकि वे और उनके परिवार स्वस्थ और तंदुरुस्त रह सके।

जिला योगासन खेल संघ की सचिव परवीना शर्मा ने बताया कि इसमें कुल दो एज कैटेगरी में कंपटीशन हुए 18 वर्ष से नीचे और 18 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के लिए। 18 वर्ष से नीचे में निधि, सीखा और प्रियंका, ने क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान अर्जित किया तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिलाओं में शिवानी,रिया और दिशा ने क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान अर्जित किया अंत में मुख्य अतिथि स्वाति शर्मा ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया और आयोजकों का धन्यवाद किया। साथ-साथ यह संदेश भी दिया कि यदि महिलाएं सशक्त और तंदुरुस्त होगी तो वह परिवार को संभालने की जिम्मेदारियां को हंसते-हंसते और व्यवस्थित तरीके से करने में सक्षम होगी। जिससे घर का वातावरण शांतमय बना रहेगा।

टौणीदेवी में आंगनबाड़ी केंद्रों में भरे जाएंगे वर्कर्स व सहायिकाओं के पद

पात्र महिला उम्मीदवार 17 सितंबर तक कर सकती हैं आवेदन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

बाल विकास परियोजना टौणीदेवी के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में सहायिकाओं के रिक्त पद भरे जाएंगे। इनमें ग्राम पंचायत लम्बलू के आंगनबाड़ी केंद्र खनेऊ, ग्राम पंचायत धरोग के केंद्र कैहडरू-1, ग्राम पंचायत पंधेड का केंद्र पंधेड, ग्राम पंचायत डाडू का केंद्र दयोग नेगियां, ग्राम पंचायत दाड़ी का केंद्र डमूई, ग्राम पंचायत सिकांदर का केंद्र घलोट तथा ग्राम पंचायत कक्कड़ का केंद्र ज्याणा शामिल हैं।

पात्र महिला उम्मीदवार 26 अगस्त सुबह 10 बजे से 17 सितंबर शाम 5 बजे तक साधारण कागज पर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की अंतिम तिथि तक आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवार उसी आंगनबाड़ी केंद्र के संग्रहण क्षेत्र (फीडिंग एरिया) की निवासी हो तथा उसका नाम परिवार सर्वेक्षण रजिस्टर में दर्ज होना अनिवार्य है। आंगनबाड़ी केंद्र पंधेड के लिए दो प्रयास असफल रहने के बाद अब पूरा फीडिंग एरिया ग्राम पंचायत पंधेड ही रहेगा।

प्रार्थी न्यूनतम 10+2 पास हो और परिवार की वार्षिक आय ₹50,000 से अधिक न हो। आय प्रमाण पत्र केवल तहसीलदार/नायब तहसीलदार/कार्यकारी दंडाधिकारी द्वारा जारी होना चाहिए। भर्ती प्रक्रिया 25 अंकों पर आधारित होगी—शैक्षणिक योग्यता के लिए अधिकतम 10 अंक, अनुभव के लिए 3 अंक, दिव्यांगता पर 2 अंक, एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग के लिए 2 अंक, विधवा/ निराश्रित/ अनाथ/एकल नारी आदि के लिए 3 अंक, दो बेटियों तक सीमित परिवार के लिए 2 अंक और साक्षात्कार के लिए 3 अंक निर्धारित हैं।

दस्तावेज़ सत्यापन व चयन प्रक्रिया 22 सितंबर सुबह 10 बजे एसडीएम हमीरपुर के कार्यालय में होगी। उम्मीदवारों को मूल प्रमाणपत्रों सहित व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। इसके लिए कोई अलग से बुलावा पत्र जारी नहीं किया जाएगा। भर्ती से संबंधित जानकारी आंगनबाड़ी केंद्र, महिला मंडल, ग्राम पंचायत और खंड विकास समिति के सदस्यों से प्राप्त की जा सकती है।

अवैध शराब की 81 बोतलें पकड़ी

शशि सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन। एक्साईज एवं कराधान विभाग की टीम ने इंस्पेक्टर नितिन गुप्ता के नेतृत्व में 81 बोतल शराब की बिना बिल के पकड़ी है। जिसकी क्षेत्र में खासी चर्चा है। मिली जानकारी के अनुसार एक्साईज डिपार्टमैंट को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़ा का राजीव कुमार दो नंबर में शराब बेचता है। जिसके चलते विभाग की टीम ने इंस्पेक्टर नितिन गुप्ता के नेतृत्व में जाल बिछाया और एक कर्मचारी को ग्राहक बनाकर आरोपी के पास भेजा। जूही आरोपी शराब लाने पशुशाला में गया टीम ने दबिश दे दी। पशुशाला में रखी एक तिरपाल को उठाया तो वहां 81 बोतल शराब की तिरपाल के नीचे छिपाकर रखी थी। जिनमें देसी शराब ऊना नं. 1 की 27 बोतल और अंग्रेजी शराब की 54 बोतल थीं जब आरोपी से बिल आदि मांगा तो वह प्रस्तुत नहीं कर पाया। जिस पर टीम ने शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे 40 हजार का जुर्माना डाला है। इसकी पुष्टि करते हुए ईटीआई हमीरपुर नितिन गुप्ता ने बताया कि बड़ा के राजीव कुमार से 81 बोलत शराब की पकड़ी हैं। उसे 40 हजार रूपये जुर्माना डाला है।

नेत्रदान से दो लोगों को मिल सकती है रोशनी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा हर वर्ष की तरह इस बार भी 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक देशभर में मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करना है ताकि अधिक से अधिक लोग आगे आएं। उन्होंने कहा कि आंखें ईश्वर का अमूल्य वरदान हैं और मृत्यु के उपरांत किया गया नेत्रदान किसी अंधेरे जीवन में नई रोशनी भर सकता है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया नेत्रदान दो लोगों की जिंदगी रोशन कर सकता है। मृत्यु के छह घंटे के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करनी होती है, जिसमें मात्र 10 से 15 मिनट लगते हैं। डॉ. चौधरी ने बताया कि नेत्रदान में केवल कार्निया दान किया जाता है, जिसका कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है। किसी भी उम्र का व्यक्ति, चाहे वह चश्मा लगाता हो या आंखों का ऑपरेशन करा चुका हो, अपनी आंखें दान कर सकता है। नेत्रदान पूरी तरह निःशुल्क है और मृत्यु के बाद नेत्र संग्रह केंद्र घर पर ही डॉक्टर भेजकर यह प्रक्रिया पूरी करता है।

व्यापार मंडल के जिला सम्मेलन पर पूर्व अध्यक्ष सोनी का कटाक्ष

सोशल मीडिया पर कई तरह की टिप्पणियां, बैठक में नहीं खिलाया खाना

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। व्यापार मंडल हमीरपुर के रविवार को आयोजित किए गए जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष अनिल सोनी ने जोरदार कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा है कि यह जिला स्तरीय सम्मेलन नहीं, केवल खाना खाने के लिए जिला मुख्यालय के व्यापार मंडल के थोड़े से सदस्यों के अलावा बाहर के मंडलों के व्यापारियों को भीड़ जुटाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने अकाउंट के माध्यम से और भी कई तरह के कटाक्ष किए हैं। उन्होंने कहा है कि बहुत जल्दी चुनाव होगा। क्योंकि यह मंडल सभी व्यापारियों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इसके चुनाव चुपके से हुए थे और अब अचानक खाना खाने के बहाने स्ट्रैंथ शो कर रहे हैं।

जिन मुख्य अतिथि को बुलाया गया था उनका व्यापार मंडल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने अनंत ज्ञान को बताया कि बहुत जल्दी व्यापार मंडल के चुनाव होंगे और जिस तरीके से पिछले वर्ष उनके चुनाव हुए थे वह प्रक्रिया इसके नियमों के खिलाफ है। इस सम्मेलन में समस्याओं को दूर करना तो दूर की बात शहर के व्यापारियों ने भी बड़ी तादाद में इससे दूरी बनाए रखी। जो इस बात को इंगित करता है कि हमीरपुर व्यापार मंडल कुछ चुनिंदा लोगों का समूह है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली मर्तबा इन्होंने जब चुनाव करवाए थे, तब निवर्तमान कार्यकारिणी के 10 में से 6 सदस्यों का होना लाजिमी था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बहुत जल्दी हमीरपुर व्यापार मंडल के चुनाव होंगे और उसमें सारी स्थिति क्लियर हो जाएगी। मौजूदा व्यापार मंडल गैरकानूनी है।

बच्चों को छुट्टी और स्टाफ को बुलाना तर्कहीन: जगत राम

जर्जर भवनों में स्टाफ को बुलाना खतरनाक

अनंत ज्ञान, भोरंज। प्रदेश सरकार द्वारा आपदा के दौरान बच्चों को छुट्टी देकर सरकारी स्कूल बंद करने, लेकिन शिक्षकों व गैर-शिक्षण स्टाफ को स्कूल आने के आदेश पर सवाल उठने लगे हैं। आम आदमी पार्टी के मीडिया प्रभारी जगत राम ने इस निर्णय को पूरी तरह तर्कहीन और अव्यावहारिक बताया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकतर सरकारी स्कूल जर्जर भवनों में चल रहे हैं, जिनके पास लोक निर्माण विभाग का सुरक्षा प्रमाण पत्र तक नहीं है। ऐसे में कर्मचारियों को बुलाना खतरनाक है। जगत राम ने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होनी चाहिए, लेकिन गैर-जिम्मेदाराना फरमान जारी कर वह जिम्मेदारी से बच रही है। आप ने मांग की है कि आदेश वापस लिया जाए और स्कूल भवनों की सुरक्षा जांचकर मरम्मत की जाए।

आपदा में वर्क फ्रॉम होम की आज्ञा दे सरकार

टीजीटी कला संघ की मांग शिक्षकों को ऑनलाइन शिक्षण की मिले सुविधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश राजकीय टीजीटी कला संघ ने मांग की है कि आपदा की स्थिति में सरकार टीचिंग व नॉन-टीचिंग स्टाफ को वर्क फ्रॉम होम का सुरक्षित विकल्प उपलब्ध करवाए। शिक्षकों को ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा दी जाए।

राज्य कार्यकारिणी की गूगल मीट बैठक के बाद संघ ने प्रदेश सरकार और शिक्षा विभाग से अपील की है कि 2 जुलाई को जारी उस आदेश को तुरंत वापस लिया जाए, जिसके अनुसार आपदा के समय स्कूल बंद होने पर भी शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ को स्कूल आना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में संघ ने मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजा था, जिसे शिक्षा सचिव को अग्रेषित कर दिया गया है।

संघ का कहना है कि जब भूस्खलन, बाढ़, बादल फटना या सड़क बंद होने जैसी परिस्थितियों में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर स्कूल बंद किए जाते हैं, तो वही खतरा शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भी मौजूद रहता है। ऐसे में उनकी अनिवार्य उपस्थिति असुरक्षित है। सुप्रीम कोर्ट और कई हाई कोर्ट भी कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मान चुके हैं। कोविड-19 के समय भी शिक्षकों को घर से काम करने की सुविधा दी गई थी। आपदा की स्थिति में भी वही व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

संघ ने सुझाव दिया कि घोषित छुट्टियों को वार्षिक अवकाश कैलेंडर में समायोजित किया जाए। शिक्षा के अधिकार कानून के तहत प्राथमिक स्तर पर 200 और उच्च प्राथमिक स्तर पर 220 दिन पढ़ाई सुनिश्चित करनी होती है। आपदा के कारण अवकाश की भरपाई अतिरिक्त समय तक पढ़ाई कर या अन्य छुट्टियों में कटौती कर की जा सकती है। जिलाधीश अपनी स्थिति देखकर खंडवार निर्णय लें। संघ ने स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक रविवार या अन्य दिनों में पढ़ाने के लिए तैयार हैं।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, उपाध्यक्ष देशराज कालिया, महासचिव विजय हीर सहित कार्यकारिणी सदस्य संगीता शर्मा, रीता बल्याणी, रीता भारद्वाज, अंजु बाला, कमला चौधरी, स्टेट डेलीगेट्स संजय ठाकुर, सुरेश कुमार तथा विभिन्न जिला प्रधानों ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

31 अगस्त तक बढ़ाया जाए ज्वाइनिंग समय

संघ ने यह भी मांग उठाई कि 21 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के 642 टीजीटी शिक्षकों को प्रवक्ता पद पर 26 अगस्त तक नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर वर्तमान में प्रदेश में भीषण प्राकृतिक आपदाओं और प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण शिक्षकों का नए कार्यस्थल तक पहुँचना कठिन और जोखिमपूर्ण है। इसलिए पदोन्नत शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण करने के लिए 31 अगस्त 2025 तक का समय दिया जाए। इस संबंध में भी संघ ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा है, जिसे शिक्षा सचिव को भेज दिया गया है।

पेखुवेला परियोजना पर उठा राजनीतिक तूफान

भाजपा विधायक विक्रम सिंह ने लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, सीएम सुक्खू ने भी किया पलटवार

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र इस बार पेखुवेला विद्युत परियोजना पर गरम बहस का गवाह बना। विपक्ष और सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खूब दौर चला, जहां भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और जवाबदेही पर तीखे सवाल उठाए गए।

भाजपा विधायक बिक्रम सिंह ने पेखुवेला परियोजना का मुद्दा नियम 163 के तहत उठाते हुए कहा कि यह परियोजना पूरी तरह विफल रही है। उनका दावा था कि संयंत्र कभी अपनी क्षमता तक नहीं पहुंच पाया और 2 अगस्त को बारिश में जलमग्न हो गया।

उन्होंने कहा कि ठेकेदारों को बार-बार फायदा पहुंचाया गया, जबकि परियोजना की बुनियादी संरचना में कई खामियां नजर-अंदाज की गईं। परियोजना को 15-20 बार संशोधित किया गया। परफॉर्मेंस गिरती रही, पर किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। किसान अब भी लाभ से वंचित हैं।

पेखुवेला के डर से ग्रसित विपक्ष: सीएम

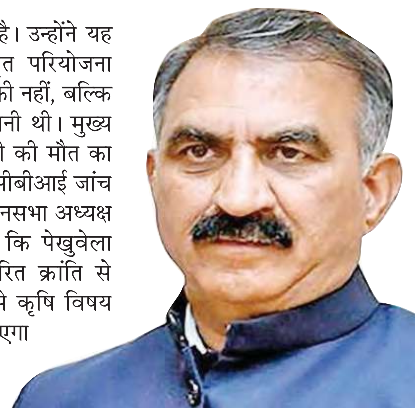

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि यह कहना गलत है कि परियोजना अभी भी पानी में डूबी हुई है। उन्होंने साफ किया कि साइट पर सौर पैनल चालू हैं और बिजली उत्पादन जारी है। अगर किसी के पास ठोस सबूत हैं तो वे सीबीआई या ईडी के पास जाएं। सुनी-सुनाई बातों पर सरकार को दोष देना उचित नहीं।

सुक्खू ने बताया कि इस परियोजना से जुड़ी कंपनी की बकाया राशि (करीब 44-50 करोड़ रुपए) रोक दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट राज्य सरकार की नहीं, बल्कि केंद्र की मंजूरी से बनी थी। मुख्य अभियंता विमल नेगी की मौत का मामला पहले से ही सीबीआई जांच के दायरे में है। विधानसभा अध्यक्ष ने यह निर्णय दिया कि पेखुवेला परियोजना चूंकि हरित क्रांति से जुड़ी है, इसलिए इसे कृषि विषय के अंतर्गत लिया जाएगा न कि निजी प्रस्ताव के तौर पर।

मणिमहेश यात्रा को प्रसाद योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केंद्र को भेजेंगे : सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विधायक जनकराज ने उठाया था मुद्दा

हिमाचल प्रदेश के भरमौर क्षेत्र में स्थित मणिमहेश यात्रा इस वर्ष लगातार मूसलाधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई है। यात्रा मार्गों के अवरुद्ध हो जाने से हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था बनी हुई है और वे भगवान शिव के पवित्र सरोवर की कठिन यात्रा जारी रखे हुए हैं।

विधानसभा में भरमौर के विधायक डॉ. जनकराज ने यह मुद्दा नियम 62 के तहत उठाया। उन्होंने कहा कि मणिमहेश यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और यह चंबा जिले की अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस यात्रा को प्रसाद योजना में शामिल करने की मांग करते हुए कहा कि इससे बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, सुविधाओं में सुधार होगा और डिजिटल प्रचार को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्वीकार किया कि जुलाई और अगस्त के महीनों में बदलते मौसम के कारण कई चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं।

प्रशासन और राहत दल मौके पर तैनात हैं तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। एक प्रस्ताव पहले ही 6 जून को केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है जिसमें मणिमहेश और आसपास के क्षेत्रों को प्रसाद योजना में शामिल करने की बात कही गई है। यदि यह प्रस्ताव स्वीकृत होता है, तो इसके अंतर्गत 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्त पोषण प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए बताया कि चंबा स्थित मणिमहेश यात्रा को केंद्र सरकार की प्रसाद योजना में सम्मिलित करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और शीघ्र ही केंद्र को भेजा जाएगा। यह निर्णय, प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं में व्यापक सुधार हेतु लिया गया है। वहीं विधायक जनक राज ने सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि मणिमहेश यात्रा मार्ग पर तीर्थ यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री ने एक विस्तृत आश्वासन प्रदान किया।

सीएम ने सड़क और शिक्षा क्षेत्र के लिए की 6 करोड़ की घोषणाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विस मानसून सत्र में बागा सराहन क्षेत्र को मिली विकास की सौगात

विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आनी विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने सदन में बताया कि उन्होंने हाल ही में बागा सराहन का दौरा किया, जहां की सड़कों की स्थिति का उन्होंने स्वयं निरीक्षण किया।

क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, बागी पुल से बागा सराहन तक सड़क निर्माण के लिए दो करोड़ रुपए तथा बागी पुल से निरमंड तक सड़क सुधार कार्य के लिए भी दो करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त, बागी पुल स्थित विद्यालय को उच्चीकृत करने के लिए दो करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

इन विकास कार्यों से आनी विधानसभा क्षेत्र में बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध होंगी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे।

सीआरएफ में पराला-नेरी-छैला सड़क को शामिल करने की मांग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री ने बागवानों की सुविधा के लिए केंद्रीय मंत्री को भेजा आग्रह

विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सेब सीजन में बागवानों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि बागवानों को सेब की पेटियां बड़ी गाड़ियों में एक साथ बिक्री केंद्रों तक पहुंचाने में सुविधा हो, इसके लिए उन्होंने पराला-नेरी-छैला सड़क को केंद्रीय सड़क निधि में शामिल करने हेतु केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी को आग्रह पत्र भेजा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेब उत्पादन के समय बागवान बड़ी गाड़ियां मंगवाते हैं ताकि अधिकतम पेटियां एक साथ भेजी जा सकें और उन्हें अतिरिक्त भाड़ा न देना पड़े।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही केंद्र से अनुमति प्राप्त होगी, इस वैकल्पिक सड़क का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा ताकि सेब बागवानों को सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध हो सके।

आरक्षित वर्गों की जनसंख्या के आंकड़े न होने पर रोके निकाय चुनाव

अनंत ज्ञान, शिमला

विधायक रणधीर शर्मा के प्रश्न पर विक्रमादित्य सिंह ने दी जानकारी

हिमाचल प्रदेश सरकार ने आरक्षित वर्गों की जनसंख्या के आंकड़े उपलब्ध न होने के चलते शहरी निकाय चुनाव को अस्थायी रूप से रोका है। चुनावों में आरक्षण व्यवस्था न्यायसंगत तरीके से लागू करने के लिए यह फैसला लिया गया है। सोमवार को विधानसभा में श्री नयनादेवी जी से विधायक रणधीर शर्मा के प्रश्न के लिखित उत्तर में शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने यह जानकारी दी।

सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आयोग गठित करने का निर्णय लिया है। आयोग पिछड़ा वर्ग की वास्तविक जनसंख्या पर रिपोर्ट देगा।

जब तक आयोग की रिपोर्ट नहीं आती, तब तक के लिए चुनाव प्रक्रिया स्थगित की गई है। राज्य चुनाव आयोग ने 24 मई 2025 को शहर के सभी शहरी निकायों वार्डों के परिसीमन और आरक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया था। प्रदेश के 70 शहरी निकायों के वार्डों का निर्धारण कर दिया गया है।

नमामि गंगे परियोजना में भेजी 5 डीपीआर, एक को भी मंजूरी नहीं

नमामि गंगे परियोजना के तहत हिमाचल प्रदेश ने 5 परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी थी, लेकिन कोई भी स्वीकृत नहीं हुई। नाहन से विधायक अजय सोलंकी के प्रश्न के लिखित उत्तर में मुकेश अग्निहोत्री ने सदन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत 4 योजनाएं पाइपलाइन में हैं। योजना के तहत दो डीपीआर 30 अक्तूबर 2024 को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन को इस स्पष्टीकरण के साथ दोबारा भेजी गई है कि लागत का बड़ा हिस्सा सीवर नेटवर्क में शामिल है और प्रदेश के पास इसके लिए पर्याप्त धनराशि नहीं है।

मानसून सत्र की झलकियां...

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए।

सदन की ओर जाते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उनके साथ कांग्रेस नेता व अन्य।

पच्छाद की विधायक रीना कश्यप।

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह।

आयुष मंत्री गोमा।

अपने साथी सदस्यों के साथ सदन की ओर जाते चुराह के भाजपा विधायक हंसराज व अन्य।

विधानसभा अध्यक्ष पठानिया का किया स्वागत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मानसून सत्र के छठे दिन विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया जब विधानसभा सचिवालय पहुंचे, तो उपमुख्य सचेतक, हिमाचल प्रदेश सरकार केवल सिंह पठानिया ने उनका स्वागत किया। यह स्वागत सत्र की कार्रवाई से पूर्व हुआ, जहां दोनों नेताओं के बीच संक्षिप्त भेंट भी हुई। इस अवसर पर सदन के सुचारु संचालन और सत्र से जुड़ी तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

उप मुख्य सचेतक विस अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया का स्वागत करते हुए।

सदन की कार्यवाही का संचालन

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने मानसून सत्र के छठे दिन की कार्यवाही का संचालन किया। अध्यक्ष ने निर्धारित एजेंडे के अनुसार सदन की बैठक का नेतृत्व करते हुए चर्चा को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया। सत्र के दौरान विभिन्न विषयों पर सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और मुद्दों पर विस्तार से विचार हुआ। अध्यक्ष ने सभी सदस्यों को निष्पक्ष रूप से बोलने का अवसर दिया और संसदीय मर्यादाओं का पालन सुनिश्चित किया। कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई।

कुलदीप पठानिया राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन की तैयारी बैठक में शामिल

अनंत ज्ञान ब्यूरो शिमला

सम्मेलन की रूपरेखा और संभावित विषयों पर हुई चर्चा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिए दिशा-निर्देश

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने नई दिल्ली स्थित लोकसभा एनेक्सी में आयोजित ब्रिफिंग मीटिंग में भाग लिया। यह बैठक आगामी 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन की तैयारियों के तहत आयोजित की गई थी, जो कि इस वर्ष सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में बारबाडोज (वेस्टइंडीज) में आयोजित होने वाला है। यह मीटिंग लगभग डेढ़ घंटे तक चली, जिसमें विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार और सचिव यशपाल शर्मा ने भी भाग लिया।

आवश्यक बैठक में भाग लेते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया।

बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत के चेयरमैन ओम बिरला ने की। इसमें विदेश मंत्रालय, युवा सेवाएं और खेल मंत्रालय, भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी साझा की। लोकसभा अध्यक्ष ने उपस्थित सभी पीठासीन अधिकारियों को सम्मेलन में प्रभावी प्रस्तुति की तैयारी करने को कहा। पठानिया इस सम्मेलन में भाग लेने बारबाडोज जाएंगे, उनके साथ उपाध्यक्ष विनय कुमार और सचिव यशपाल शर्मा भी रहेंगे।

मानसून सत्र

मुख्यमंत्री सुक्खू, उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने सदन में दी जानकारियां

दो साल में लगाए गए 35,240 पौधे : सीएम सुक्खू

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के छठे दिन सोमवार को कार्रवाई का शुभारंभ प्रश्नोत्तर काल से हुआ। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों द्वारा जनहित से जुड़े कुल 74 प्रश्न पूछे गए, जिनमें 60 तारांकित तथा 14 अतारांकित प्रश्न शामिल थे।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विधानसभा में जानकारी दी कि वन महोत्सव के दौरान पिछले दो वर्षों में 31 जुलाई 2025 तक कुल 35,240 पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों में से 1,050 पौधे एनजीओ, महिला मंडल और युवक मंडल द्वारा लगाए गए।

वहीं, स्कूल और आईटीआई जैसे संस्थानों ने 2,070 पौधे रोपे और वन विभाग ने 32,120 पौधे लगाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि वन महोत्सवों के आयोजन पर कुल 17,87,720 रुपए की धनराशि खर्च की गई है, जबकि पौधरोपण पर 14,92,050 रुपए खर्च हुए हैं। लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर 60 से 100 प्रतिशत के बीच है।

मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अपनी बात रखते हुए।

पांगी में शिक्षकों के कुल 426 पद रिक्त : रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि हिमाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्र भरमौर और पांगी में शिक्षकों के कुल 426 पद रिक्त हैं। इन क्षेत्रों में स्वीकृत पदों की संख्या 1,338 है, जिनमें से अब तक 912 पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में छात्रों की संख्या अच्छी है, इसलिए सरकार यहां शिक्षकों की नियुक्तियों को लेकर गंभीर है और शेष रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएगा।

हिमाचल विधानसभा में उठा शिमला अंतरराज्यीय बस अड्डा का मामला

उपमुख्यमंत्री ने दिए जांच के संकेत

विधानसभा कार्रवाई के दौरान कांग्रेस विधायक संजय अवस्थी ने शिमला स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डे के वाहन ठहराव तल पर अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर प्रश्न उठाया। विधायक ने पूछा कि क्या राज्य सरकार को इस बात की जानकारी है कि जहां केवल वाहनों की पार्किंग की अनुमति है, वहां निजी चिकित्सालय संचालित किया जा रहा है। उत्तर में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि आईएसबीटी शिमला के पार्किंग तल पर नगर तथा ग्राम नियोजन विभाग की अनुमति के बिना एक निजी चिकित्सालय चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नगर निगम द्वारा संपत्ति कर न चुकाने पर पहले ही संबंधित संस्था को नोटिस जारी किया जा चुका है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह मामला सरकार के संज्ञान में है और इसकी जांच करवाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।

हिमाचल हाईकोर्ट में एसपी संजीव गांधी की याचिका पर सुनवाई 6 अक्तूबर को

पुष्पेंद्र, अनंत ज्ञान

शिमला । हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में विमल नेगी मौत मामले से जुड़े एसपी शिमला संजीव गांधी की अपील अनुमति याचिका पर अगली सुनवाई अब 6 अक्तूबर को होगी।

सुनवाई मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश रंजन शर्मा की खंडपीठ के समक्ष हुई।

इस दौरान सीबीआई ने मामले की स्थिति से जुड़ी रिपोर्ट शपथपत्र के माध्यम से दाखिल की। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इसका उत्तर देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, सीबीआई और रिट याचिकाकर्ता किरण नेगी को केवल इस सीमित पहलू पर नोटिस जारी किया कि एकल पीठ द्वारा अतिरिक्त मुख्य सचिव और डीजीपी की रिपोर्ट के आधार पर की गई टिप्पणियों का एसपी संजीव गांधी के सेवाकाल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

गांधी ने कोर्ट को बताया कि उन्हें सीबीआई जांच से आपत्ति नहीं है, लेकिन जांच सीबीआई को सौंपने के आधार से वे व्यथित हैं।

शिक्षा अधिकारियों से मिला अध्यापक संघ, शिक्षकों की छुट्टी की रखी मांग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल राजकीय अध्यापक संघ का एक शिष्टमंडल प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान की अध्यक्षता में शिक्षा निदेशक आशीष कोहली और शिक्षा सचिव राकेश कंवर से मिला।

संघ ने हाल ही में मौसम खराब होने के कारण जिलाधीश द्वारा विद्यार्थियों के लिए घोषित छुट्टियों के बीच शिक्षकों को स्कूल आने के निर्देश पर नाराजगी जताई। अध्यापक संघ ने बताया कि कई शिक्षकों को खराब मौसम के बीच स्कूल पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कुछ को नदी-नालों को पार करना पड़ा, जिससे कई घायल भी हुए।

संघ ने अधिकारियों से आग्रह किया कि जब मौसम के कारण बच्चों की छुट्टी घोषित की जाती है, तो उसी दिन शिक्षकों को भी अवकाश दिया जाए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। शिष्टमंडल ने अधिकारियों को शिक्षकों की भावना से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की अपेक्षा जताई।

क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते।
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप॥

इसलिए हे अर्जुन! नपुंसकता को मत प्राप्त हो, तुझमें यह उचित नहीं जान पड़ती। हे परंतप! हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिए खड़ा हो जा॥

अनंत ज्ञान
www.anantgyaan.in
कांगड़ा | मंगलवार, 26 अगस्त 2025

मां महिषासुर मर्दिनी देवी दुर्गा को समर्पित मोहन शक्ति हेरिटेज पार्क

शिवालिक की हरित भुजाओं में, वादियों की नीलिमा और शांति के मध्य, हरत हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में फैला मोहन शक्ति हेरिटेज पार्क भारतीय सभ्यता की स्मृतियों का विराट पट है। इसी पट के केंद्रीय बिंदु पर विराजमान है मुख्य शक्ति मंदिर, एक ऐसा प्रांगण, जहां शिल्प, शास्त्र और साधना एक रस हो उठते हैं। यह धाम केवल दर्शनीय नहीं, बल्कि अनुभूति का स्थल है। यहां पग रखते ही मन परंपरा की गहन रश्मियों से आलोकित हो जाता है। इस मंदिर का लोकार्पण 1 दिसंबर 2002 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। परिकल्पना और निर्माण की प्रेरणा मोहन मीकिन समूह के संरक्षक नेतृत्व से निकली, जिनके सांस्कृतिक दृष्टिकोण ने इस स्थान को एक जीवित विरासत में रूपांतरित किया। उद्देश्य स्पष्ट था, देशज ज्ञान, पुराणकथाओं और धर्मदर्शन को एक समेकित सांस्कृतिक परिसर में निरूपित करना, ताकि आगंतुक श्रद्धा के साथ-साथ इतिहास का भी आस्वादन कर सकें। मुख्य मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है, यहां शक्ति के विविध स्वरूपों नवदुर्गा की प्रतिष्ठा दर्शक को साहस, करुणा और मर्यादा की शिक्षा देती है। महिषासुर मर्दिनी का उग्र-सुंदर विग्रह अन्य रूपों भुवनेश्वरी, बगलामुखी, मातंगी आदि के साथ मिलकर यह संकेत करता है कि धर्म का सार केवल उपासना नहीं, सजग नैतिकता भी है। मंदिर का नाम केंद्रीय 'शक्ति मंदिर' के रूप में प्रतिष्ठित है और वही इस पार्क का हृदय बनता है।

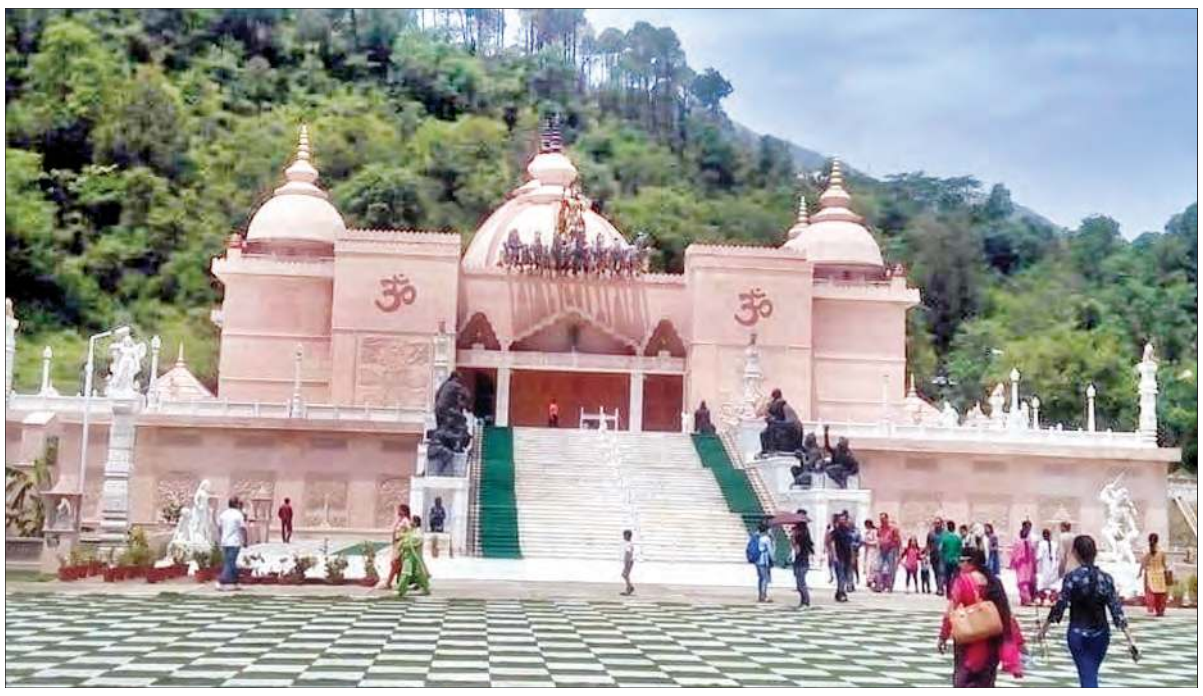

मंदिर का शिल्प अनूठा और हैरतअंगेज

शक्तिस्थली मोहन शक्ति धाम

परंपरा, दर्शन व शिल्प का **जीवंत संगम**

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था उद्घाटन

दूर-दूर तक फैली हरियाली

शिमला-सोलन मार्ग के समीप हरत में स्थित यह धाम पर्वतीय निस्तब्धता के साथ सुव्यवस्थित उद्यानों, जल-तटों और चौबारा-आकार के विरामस्थलों से घिरा है। दूर-दूर तक फैली हरियाली, पगडंडियों की कोमल ढलानें और छायादार वृक्ष दर्शक को विराम लेकर देखने, फिर देखने और फिर सोचने के लिए बुलाते हैं। यह वही भूभाग है, जहां स्थानीय भू-आकृति, सांस्कृतिक प्रतीक और शास्त्रीय शिल्प, तीनों का संगलन एक पूर्ण अनुभव रचता है।

शिल्प में संजोया सनातन सौंदर्य

लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर की सटीक संवितान पर उभरा स्थापत्य प्राचीन भारतीय शिल्पशास्त्र की स्मृति जगाता है। ऊर्ध्वमुखी शिखर के ऊपर सूर्यदेव का रथ-सात अश्वों सहित मानो प्रकाश, ऊर्जा और समय की अनवरत गति का रूपक बन खड़ा है। अग्रभाग में स्थापित दो विशाल चिह्न परिसर को मंत्रस्फुरण-सा वातावरण देते हैं। धूप के साथ ये चिह्न दीवारों पर छायापट्ट रचते हैं, जो दिन के प्रहरों को एक मौन संहिता में बदल देता है। मंदिर के गलियारों और प्रांगणों में शिल्पकथाएं सुचिक्कण रेखाओं में बोलती हैं। द्वार वेदिकाओं पर गंगा-यमुना के रूपांकन, स्तंभ-शीर्षों पर वन्यजीवन के प्रतीक, परकंठों में ऋषि-मुनियों की मुद्राएं और परिक्रमा पथ पर रामायण-महाभारत के निर्णायक प्रसंग सब मिलकर एक दृश्य-ग्रंथ रचते हैं। दुर्गा के करुण-वीर्य से लेकर कृष्ण-अर्जुन के धर्मसंवाद, दशावतार के रूप-विन्यास से लेकर लोक देवताओं के संकेत प्रत्येक मूर्ति केवल देखने की वस्तु नहीं, पढ़ने योग्य अध्याय है, जिसमें श्लोकों का अर्थ शिलाओं में उत्कीर्ण है।

सूर्यदेव के 7 अश्वों वाले प्रतिष्ठित रथ के अद्भुत दर्शन

यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है। केंद्रीय शिखर पर सूर्यदेव का सात अश्वों वाला रथ प्रतिष्ठित है। अग्रभाग में '' चिह्न परिसर की आध्यात्मिक ध्वन्यात्मकता को उभारते हैं, यह संपूर्ण रचना मोहन शक्ति हेरिटेज पार्क के रूप में एक ऐसे सांस्कृतिक आयाम का प्रतिपादन करती है, जो दर्शनीयता से बढ़कर अध्ययन और मनन का विषय बनता है, जहां श्रद्धा स्मृति से मिलती है और स्मृति कल के लिए अर्थ गढ़ती है।

विशेष रिपोर्टः सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।

श्रीराधाष्टमी का व्रत करने से मिलता एक हजार जन्माष्टमी के व्रत का फल

वृंदावन की तर्ज पर छोटी काशी मंडी में श्रीराधाष्टमी महोत्सव मनाया जाता है। श्रीराधाष्टमी के दिन अद्भुत और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। महंत राजेश्वरानंद सरस्वती के अनुसार एक हजार एकादशी व्रत करने से जो पुण्य फल की प्राप्ति होती है, वह एक जन्माष्टमी के व्रत करने से हो जाती है और एक हजार जन्माष्टमी के व्रत करने से जो पुण्य फल की प्राप्ति होती है, वह एक श्रीराधाष्टमी का व्रत करने से हो जाती है, इसलिए मनुष्य को अपने जीवनकाल श्रीराधाष्टमी का व्रत अवश्य करना चाहिए।

क्या फल मिलता है व्रत करने से

श्रीराधाष्टमी का व्रत उत्सव, पूजन करने से परिवार में ऐश्वर्य, सुख समृद्धि, सौभाग्य, आयु एवं श्रीराधा रानी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्रीराधा की कृपा होने से माधव की कृपा सहज ही प्राप्त हो जाती है। मोक्ष प्राप्ति और भक्ति के लिए श्रीराधाष्टमी का व्रत करना चाहिए।

अष्टमी को प्रकट हुई थी श्रीराधा

महोत्सव के दौरान श्रीराधाष्टमी को 56 भोग झांकी दर्शन, औषधियों और फलों द्वारा सामूहिक अभिषेक, विशेष हरिनाम संकीर्तन, ब्रज नृत्य, राधा माधव झांकी दर्शन व भंडारे का आयोजन किया जाता है। वहीं, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि श्रीराधाष्टमी पर्व के रूप में मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को श्रीराधा प्रकट हुई थी। पद्म पुराण में कहा है कि श्रीराधा राजा वृषभानु को यज्ञ भूमि से पुत्री रूप में प्राप्त हुई थी। वृंदावन, ब्रज और बरसाना क्षेत्र में श्रीराधाष्टमी बड़े त्योहार के रूप में मनाई जाती है।

-अनिल शर्मा, नौबाही, मंडी।

पूर्व जन्मों के पापों से मुक्ति दिलाए ऋषि पंचमी व्रत

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को ऋषि पंचमी मनाई जाती है। यह व्रत पापों का नाश करने वाला है। एक समय विदर्भ देश में उत्तक नाम का ब्राह्मण अपनी पतिव्रता पत्नी के साथ निवास करता था। इनके परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री थी। ब्राह्मण ने अपनी बेटी का विवाह कुंडली मिलाकर किया, लेकिन काल के प्रभाव स्वरूप कन्या के पति की अकाल मृत्यु हो जाती है और वह विधवा हो जाती है और अपने पिता के घर लौट आती है। एक दिन आधी रात में लड़की के शरीर में अज्ञात वस्तु उत्पन्न हो गई। अपनी कन्या के शरीर पर कीड़े देखकर माता पिता दुख से व्यथित हो जाते हैं और पुत्री को ऋषि के पास ले जाते हैं। उत्तक ऋषि ने अपने ज्ञान से उस कन्या के पूर्व जन्म का पूरा विवरण कहा कि कन्या पूर्व जन्म में ब्राह्मणी हो एक बार रजस्वला होने पर रसोई, खाद्य वस्तुओं को छू लिया था, जिस कारण यह पाप लगा है। इस कारण शरीर पर कीड़े पड़ गए हैं। शास्त्रों के अनुसार, रजस्वला स्त्री का कार्य करना वर्जित है। ऋषि कहते हैं कि यदि यह कन्या ऋषि पंचमी का व्रत कर क्षमा प्रार्थना करे तो उसे अपने पापों से मुक्ति मिल जाएगी। इस प्रकार कन्या की ओर से ऋषि पंचमी का व्रत करने से उसे अपने पाप से मुक्ति मिलती है।

आरोग्य का दाता सूर्य षष्ठी व्रत

भगवान सूर्य देव की आराधना एवं पूजा से संबंधित सूर्य षष्ठी व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। इस दिन विधि विधान से किए गए सूर्य भगवान के दर्शन पुत्र, आरोग्य और धन प्रदान करते हैं। सूर्य देव की शक्ति का उल्लेख वेदों, पुराणों और योग शास्त्र आदि में किया गया है। सूर्य की पूजा से सर्वदा शुभ फल मिलता है। अतः सूर्य षष्ठी के दिन जो भी व्यक्ति सूर्यदेव की पूजा करता है वह सदा दुःख एवं संताप से मुक्त रहता है। सूर्य षष्ठी के दिन सूर्योदय पूर्व दैनिक कर्म से निवृत्त घर या घर के घाट पर किसी भी प्रकार का स्नान, नदी, नहर में स्नान करना चाहिए। स्नान करने के बाद उगते हुए सूर्य की आराधना करनी चाहिए। भगवान सूर्य को निर्देश, नदी या नहर के अंतिम छोर पर अर्घ्य देना चाहिए। शुद्ध घी से दीपक जलाना चाहिए। कपूर, धूप, लाल पुष्प आदि से भगवान सूर्य का पूजन करना चाहिए। इस दिन अपाहिजों, गरीबों और ब्राह्मणों को अपनी प्राथमिकता के अनुसार दान देना चाहिए। स्नान के बाद सात प्रकार के फल, चावल, तिल, दूर्वा, चंदन आदि को मिलाकर जल में उगते हुए भगवान सूर्य को जल देना चाहिए।

भगवान विष्णु ने क्यों धारण किया था वराह अवतार

सृष्टि पालक भगवान विष्णु द्वारा धारण, अवतारों की संख्या 24 बताई जाती है, इनमें भी 10 तो मुख्य अवतार आ जाते हैं। वैसे 24 अवतारों के अतिरिक्त भी भगवान विष्णु के कई अवतार गिनाए जा सकते हैं। जब जब पाप बढ़ जाते हैं, अन्याय होने लगता है या किसी भी प्रकार की दुविधा आन पड़ती है, तो उस समय भगवान विष्णु ही समाधान के लिए आगे आते हैं और खुद किसी विशेष रूप में अवतरित हो, संकट को दूर करने का साधन बन जाते हैं।

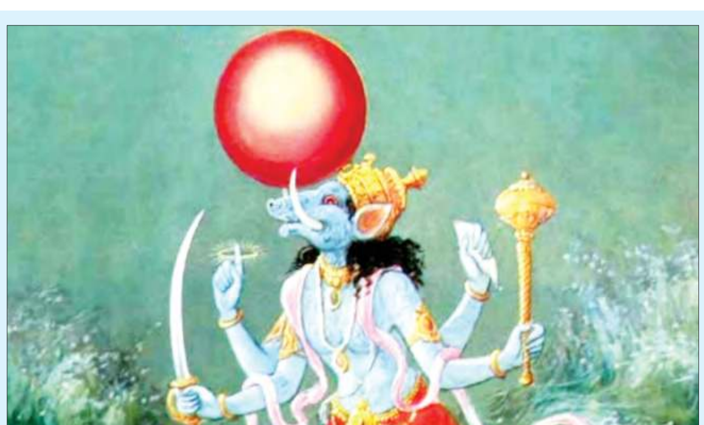

भगवान श्री कृष्ण जो कि विष्णु के 8वें अवतार बताए जाते हैं, वे स्वयं गीता के चौथे अध्याय के 7वें श्लोक में अर्जुन को ज्ञान देते हुए कहते हैं 'जब-जब अधर्म बढ़ता है व धर्म की हानि होती है अर्थात अन्याय होने या अत्याचार होने पर, मुझे खुद धर्म की स्थापना, सुरक्षा व बुराई के विनाश के लिए आना पड़ता है।' ऐसे ही सतयुग में, जिस समय कश्यप के पुत्र राक्षस हिरण्याक्ष जिसे देव ऋषि ब्रह्मा का वरदान प्राप्त था, ने अपने बाहुबल से सभी देवी देवताओं, ऋषि मुनियों व आमजन को सताना शुरू कर दिया था और फिर उसने पृथ्वी का अपहरण करके, उसे जाकर आदिम महासागर (रसातल)में छिपा दिया था।हिरण्याक्ष के व्यवहार से तीनों लोकों में भय छा गया चारों ओर त्राहि त्राहि मच गई। फिर वह उधर देव वरुण को भी अपने से मुकाबला करने को कहने लगा। वरुण ने अपनी असमर्थता बताते हुए उसे भगवान विष्णु के पास भेज दिया कि वे ही तेरा सामना कर सकते हैं। इतना सब कुछ देवताओं के साथ होते देखकर, दुखी मन से देव ब्रह्मा ने भगवान विष्णु को हिरण्याक्ष के बारे सब कुछ बताते हुए, उससे किसी भी प्रकार छुटकारा दिलाने को भगवान विष्णु से कह दिया। स्थिति को देखकर और उसके अत्याचारों के संबंध में जानकर भगवान विष्णु को हिरण्याक्ष पर गुस्सा आ गया और उन्होंने तुरंत देव ब्रह्मा के नाक से (छोटे से वराह रूप) अवतरित हो कर विशालकाय रूप में परिवर्तित हो गए और जल्दी से अपने दांतों की सहायता से पृथ्वी को ,आदित्य महासागर से निकाल कर ले आए।

डॉ.कमल के. प्यासा
लोअर समखेतर, मंडी

भगवान विष्णु को इसके लिए हिरण्याक्ष से कई वर्षों तक युद्ध लड़ना पड़ा और अंत में इसी युद्ध में उसका वध भगवान विष्णु के वराह रूप द्वारा कर दिया गया और सभी देवी-देवताओं को उस दुष्ट के अत्याचारों से मुक्ति मिल गई। हर वर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को वराह जयंती मनाई जाती है। वराह अवतार को भगवान विष्णु का तीसरा अवतार कहा जाता है। इस रूप में सिर वराह (जंगली सूअर) का व शेष शरीर मानव रूपी ही होता है। इस रूप को भगवान विष्णु को उद्धारक के रूप में जाना जाता है। इस दिन भगवान वराह के पूजा-पाठ के साथ ही साथ व्रत भी रखा जाता है। इसके लिए सुबह ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करके, साफ सुथरे वस्त्र धारण करके व पूजा स्थल को गंगा जल से शुद्ध करके वहीं पर भगवान वराह की प्रतिमा या चित्र स्थापित करते हैं। पूजा में पीले फूल, तुलसी दल, धूप, दीप, नैवेद्य आदि का प्रयोग करते हैं। इसके पश्चात 108 बार ' वराहाय नमः' या ' श्री वराहाय वैष्णवे नमः' का जाप करते हैं। इस बार जयंती का शुभ मुहूर्त 26 अगस्त दोपहर 1 बज कर 16 मिनट से 3 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:34 से दोपहर 12:25 तक का बताया गया है, अतः इस समय भी पूजा की जा सकती है। कुछ एक जगह तृतीय की तिथि 25 अगस्त दोपहर 12:35 से 26 अगस्त दोपहर 1:54 तक बताते हैं। पूजा का समय दोपहर 1:40 से 4:15 तक है। भगवान विष्णु के वराह अवतार के व्रत व पूजा पाठ से सुख शांति, स्वास्थ्य लाभ, संपति व भूमि आदि सुख की प्राप्ति होती है व भूत-प्रेत, भय आदि दूर होते हैं।

शास्त्रोक्त तिथि पर करें हरितालिका व्रत

हरितालिका व्रत भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत में द्वितीया तिथि के साथ यदि तृतीया तिथि का संयोग हो तो वह व्रत के लिए निषेध मानी जाती है। जिस दिन तृतीया तिथि के साथ चतुर्थी तिथि का संयोग हो, वह व्रत के लिए उत्तम मानी जाती है, क्योंकि चतुर्थी तिथि गणेश जी की और तृतीया माता गौरी की और द्वितीया तिथि परमपिता ब्रह्मा की होती है। इस हेतु माता गौरी की पूजा गणेश जी के साथ होती है ना कि ब्रह्मा जी के साथ होती है। जो स्त्री इस व्रत को चतुर्थी के साथ तृतीया का संयोग योग होने पर करती है, वह अनेक प्रकार के सुख संपत्तियों से परिपूर्ण होकर अंत में भगवती मां गौरी के चरणों में स्थान पाती है। जो स्त्री इस व्रत को द्वितीय के दिन आने वाली तृतीया के दिन करती है, वह स्त्री विधवापन को प्राप्त करती है और अनेक प्रकार के कष्टों का भोग करती है। यह प्रमाण व्रत राज और निर्णय सिंधु, पंचांग हरितालिका व्रत पुस्तक में दिया गया है और इस वर्ष यह व्रत 26 अगस्त को मनाया जाएगा, क्योंकि 25 अगस्त की तृतीया तिथि द्वितीय से युक्त है। अतः इस दिन इस व्रत के करने का निषेध है।

पुरुषोत्तम शर्मा, नौबाही।

न्यूज ब्रीफ

लंज कॉलेज में निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं शुरू

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। लंज कॉलेज में सोमवार को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं का शुभारंभ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से हुआ। इस पहल का उद्घाटन उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह अवसर ग्रामीण युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। प्राचार्य संजय शर्मा ने बताया कि इन कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक विद्यार्थियों को नियमित मार्गदर्शन देंगे, जिससे उनकी तैयारी सुदृढ़ होगी और वे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

एचआरटीसी उपाध्यक्ष के समक्ष रखी मांगें

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। एचआरटीसी टेक्निकल यूनियन हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों ने एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा से मुलाकात कर कार्यशालाओं से संबंधित विभिन्न मांगों को उठाया। बैठक में धर्मशाला, नगरोटा, बैजनाथ, देहरा, हमीरपुर, जसूर और पठानकोट के कर्मचारी शामिल हुए। प्रदेश के 74 पीस मिल कर्मचारियों को कांट्रेक्ट पर लाने की मांग की। वहीं, मशीनों के कलपुर्जे, स्पेयर पार्ट और कार्यशालाओं को दुरुस्त की भी मांग रखी। बैठक में नगरोटा से टेक्निकल प्रधान संजीव कुमार, पठानकोट से विवेक गुलरिया, हमीरपुर से अश्वनी, देहरा से मनु वीरेंद्र, पालमपुर से नेकचंद, धर्मशाला से मनीष व कुंज और बैजनाथ से राजेश सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। सभी ने मिलकर अपनी समस्याएं उपाध्यक्ष के समक्ष रखीं।

नाग नगुली मंदिर में गणेश महोत्सव कल से

नरेंद्र डोगरा, अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। उपमंडल के नाग नगुली मंदिर मुगल में दूसरा गणेश महोत्सव का आयोजन 27 अगस्त से 6 सितंबर तक किया जाएगा। मूर्ति स्थापना 27 अगस्त को सुबह 11 बजे होगी। पूजा और आरती रोजाना सुबह 8 से 10 बजे और सांस्कृतिक भजन संध्या में हिमाचल के मुख्य कलाकार के साथ लोकल भजन मंडल भी अपनी प्रस्तुति देंगे। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्यार चंद राणा बताया कि विभिन्न उत्कर्ष कार्य करने वाले लोगों के सम्मानित किया जाएगा।

खटेहड़ में हनुमान चालीसा, राम स्तुति का गायन

अनंत ज्ञान, गगल। महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के तहत महर्षि विद्या मंदिर स्कूल खटेहड़ धर्मशाला में महर्षि संस्थान के अध्यक्ष ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश का जन्मदिन मनाया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य अरुण कुमार और शिक्षक एवं स्कूल के सभी कर्मचारियों ने मिलकर हनुमान चालीसा, राम स्तुति का गायन किया। वहीं, समस्तजनों ने विश्व कल्याण की कामना करते हुए सद्भावना एवं शांति का संकल्प लिया। अंत में प्रसाद वितरित किया गया।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। उपमंडल धीरा के तहत पुड़वा सनबाड में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा संपन्न हो गई। भागवत कथा में चार वेद, पुराण, गीता एवं श्रीमद्भागवत महापुराण की व्याख्या पुरोहित संदीप शर्मा मुखारवृंद से उपस्थित भक्तों ने श्रवण किया। उन्होंने कहा कि जो काम प्रेम के माध्यम से संभव है, वह हिंसा से संभव नहीं हो सकता है। समाज में कुछ लोग ही अच्छे कर्मों द्वारा सदैव चिर स्मरणीय होते हैं, इतिहास इसका साक्षी है।

कोना में 'एक पेड़ मां के नाम' पर पौधरोपण

अनंत ज्ञान, डरोह। नाबार्ड कांगड़ा के जिला विकास प्रबंधक हिमांशु साहू की ओर से कोना गांव में 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक सुरक्षा पर बल दिया गया। ग्रामीणों ने पौधरोपण कर सतत विकास व बीमा सुरक्षा से जुड़ने का संकल्प लिया। वहीं, डॉ. देवेश ठाकुर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सहकारिता एक-दूसरे के पूरक हैं।

पंचरुखी में तृतीय गणेश महोत्सव कल से

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। दक्षता फाउंडेशन पंचरुखी की ओर से तृतीय गणेश महोत्सव का आयोजन अपर बाजार पंचरुखी में स्थित प्राचीन शिव मंदिर के पास 27 अगस्त से 6 सितंबर तक किया जाएगा। 27 को सुबह 11 बजे मूर्ति की स्थापना की जाएगी। हवन, विशेष भंडारा और विसर्जन 6 सितंबर को सुबह 9 बजे हवन, उसके बाद दोपहर 11:30 बजे से 2:30 बजे तक विशाल भंडारा और दोपहर 3:30 बजे मूर्ती विसर्जन किया जाएगा।

विधायक कमलेश ने दी विकास कार्यों को गति: इंद्र

अनंत ज्ञान, नगरोटा सूरियां। देहरा विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व जिला महासचिव इंद्र शर्मा ने विधायक कमलेश ठाकुर की सराहना की है। प्रेस बयान में कहा कि कमलेश ने अल्प समय में ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे क्षेत्र के 30 वर्षों का पिछड़ापन दूर हो रहा है। विधायक बनने के बाद देहरा को नया आरटीओ कार्यालय, आबकारी विभाग का जिला कार्यालय और नियमित बीएमओ की सुविधा मिली है। साथ ही बीडीओ कार्यालय भी पंचायतों की सेवा में सक्रिय है। कमलेश ने अपने वादों से अधिक कार्य कर जनता का विश्वास जीता है और विकास को गति दी है।

कृषि विवि में तीसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

अनंत ज्ञान, पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में भारतीय सशस्त्र बलों के जूनियर कमीशंड अधिकारियों और समकक्ष रैंक के कर्मियों के लिए कृषि वानिकी, मशरूम, मधुमक्खी व बकरी पालन पर आधारित 16 दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हुआ, जो 12 दिसंबर तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल सत्यजीत अहलावत ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सैन्य कर्मियों के पुनर्वास के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस कार्यक्रम में कुल 20 प्रतिभागी सेना से 12, वायुसेना से 5 और नौसेना से 3 भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. नवीन कुमार ने विश्वविद्यालय की इस पहल को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव की तैयारियां तेज

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। भगवान वाल्मीकि मंदिर परिसर में प्रधान वाल्मीकि सभा कांगड़ा किरण कुमार सहोंत्रा की अध्यक्षता में भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव को लेकर बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया कि भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव 7 सितंबर को भगवान वाल्मीकि मंदिर कांगड़ा में मनाया जाएगा।

बारिश से 231 बस सेवाएं प्रभावित

चंबा जिले में 132 बस रूट प्रभावित, धर्मशाला डिपो के 30 रूट निलंबित

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान

धर्मशाला। प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने प्रदेश में परिवहन सेवाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। परिवहन विभाग के अनुसार, सोमवार को कुल 231 बस सेवाएं बाधित रहीं। इनमें से 159 सेवाएं पूरी तरह से निलंबित करनी पड़ीं। 29 बसें रास्ते में फंसी रहीं और 43 बस सेवाओं को बीच में ही सीमित करना पड़ा।

सबसे ज्यादा असर चंबा डिपो में देखने को मिला, जहां 202 में से 132 बस सेवाएं प्रभावित हुईं। धर्मशाला में 116 सेवाओं में से 30 को रद्द करना पड़ा। नगरोटा बगवां में 21, जोगिंदरनगर में 21, पठानकोट में 13, बैजनाथ में 10 और पालमपुर में 4 बस सेवाएं प्रभावित रहीं। डीएम एचआरटीसी धर्मशाला डिवीजन पंकज चड्डा ने बताया कि बारिश और सड़क मार्गों में आई रुकावटों की वजह से यह स्थिति बनी है। वहीं, अगले 24 घंटों तक बारिश होने की संभावना के चलते चालकों और परिचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कांगड़ा जिले को अब तक 380 करोड़ की चपत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कांगड़ा जिले में बरसात के दौरान अब तक 380 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जल शक्ति विभाग का करीब 155 करोड़, लोक निर्माण विभाग का 200 करोड़ रुपए के नुकसान का आकलन किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग को 9.56 करोड़ रुपए के नुकसान का आकलन है। नगर निगम धर्मशाला का सवा पांच करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जिलेभर में इस अवधि के दौरान 56 कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिसकी एवज में 83.50 लाख रुपए के नुकसान का आकलन है। 156 मवेशियों के रूप में 21 लाख के लगभग नुकसान हुआ है। जिले के शाहपुर, इंदौरा, देहरा व ज्वालामुखी उपमंडल के अंतर्गत कई संपर्क मार्ग भूस्खलन व अन्य कारणों से बंद व बाधित हैं, जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग को सबसे अधिक 200 करोड़ रुपए का नुकसान

उधर, एडीएम जिला कांगड़ा शिल्पी बेक्टा ने बताया कि जिले में अब तक बरसात के दौरान 380 करोड़ रुपए के नुकसान का आकलन किया गया है। सबसे अधिक 200 करोड़ रुपए का नुकसान लोक निर्माण विभाग को आंका गया है। जिले के कुछ उपमंडलों में कुछ संपर्क मार्ग बंद है, जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मोहटली मार्ग बहा, यातायात बंद

अनंत ज्ञान, इंदौरा। इंदौरा मार्ग मोहटली के पास यातायात के लिए बंद हो गया है। इसी मार्ग से सैकड़ों वाहन मोहटली में स्थित औद्योगिक क्षेत्र में होकर गुजरते हैं। रविवार को भी औद्योगिक क्षेत्र मोहटली में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ था। देर शाम तक हालात फिर से सामान्य होने लगे थे, एक बार फिर भारी बारिश होने से मोहटली के समीप इंदौरा मोहटली मार्ग बह जाने से रास्ता पूरी तरह से यातायात के लिए बंद हो गया। इससे लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

चक्की खड्ड में समाया पठानकोट एयरपोर्ट रोड

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के तहत पठानकोट एयरपोर्ट जाने वाली डांगू माजरा सड़क चक्की खड्ड में समा गई है, जिससे एयरपोर्ट और पठानकोट का संपर्क टूट गया है। यह सड़क 10 से 12 गांवों को पठानकोट से जोड़ती है। 21 जुलाई को भी चक्की खड्ड में बढ़ते पानी के कारण इस सड़क का आधा हिस्सा बह गया था। लोगों ने बताया कि सड़क का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सड़क पूरी तरह चक्की खड्ड में समा जाने के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं,

एयरपोर्ट और पठानकोट का संपर्क टूटा

हिमाचल पुलिस ने बैरियर लगाकर लोगों की आवाजाही रोक दी है। लोगों ने अपील की है कि पंजाब सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार मिलकर लोगों की समस्या का समाधान निकालें।

लाहड़ में भारी बारिश से कच्चा मकान ढहा

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। भारी बारिश से हारसी पंचायत के वार्ड नंबर एक लाहड़ में सुनीता देवी स्व. राज कुमार का कच्चा मकान भारी बारिश से गिर गया। मलबे में सामान दब जाने से काफी नुकसान हुआ। पीड़ित सुनीता देवी अपने दो बेटों सहित महिला मंडल के बने भवन में रहने को मजबूर है। पंचायत प्रधान और पटवारी ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया और दस हजार फौरी राहत राशि के साथ तिरपाल मुहैया करवाई है।

पौंग बांध से छोड़े पानी से मंड क्षेत्र जलमग्न

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। लगातार बारिश से खड्डें और नाले उफान पर हैं। पौंग बांध से छोड़े गए पानी के चलते मंड क्षेत्र में फसलें और घर जलमग्न हो गए हैं। वहीं, जिले में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सोमवार को देहर खड्ड, देहरी खड्ड, गज खड्ड, गुहन, मंजुही व बूहल खड्ड का जलस्तर सामान्य से काफी ऊपर रहा। पिछले 20 दिनों से लगातार पौंग के गेट खुले हुए हैं। सोमवार को दोपहर 12 बजे जलस्तर और बढ़कर 1385.21 फुट तक पहुंच गया। झील में पानी की आमद 1,37,520 क्यूसिक रही, जबकि निकासी बढ़ाकर 59,539 क्यूसिक कर दी गई। डाउनस्ट्रीम एसएनबी पर बहाव 47,814 क्यूसिक दर्ज हुआ। एसडीएम फतेहपुर विश्रुत भारती ने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है।

बैदी में गोशाला चढ़ी बारिश की भेंट

अनंत ज्ञान, गगल। भारी बारिश के चलते सोमवार को गांव बैदी के अनिल कुमार पुत्र रोशन लाल वार्ड-4 की गोशाला ढह गई। बैदी पंचायत के प्रधान हरमिंदर सिंह उर्फ गोरा ने बताया कि सुबह भारी बारिश के चलते अनिल की गोशाला बरसाती पानी की भेंट चढ़ गई। गोशाला के अंदर पशु भी थे, लेकिन समय रहते उन्हें बाहर निकाल लिया। अंदर रखी तूड़ी खराब हो गई। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को सहायता प्रदान की जाए।

कांगड़ा जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में आज रहेगा अवकाश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कांगड़ा जिले में मंगलवार को रेड अलर्ट के पूर्वानुमान को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। इस बाबत डीसी हेमराज बैरवा ने उपमंडलाधिकारियों, तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों को फील्ड में डटे रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर राहत तथा पुनर्वास के कार्यों में किसी भी तरह की कमी न रहे।

डीसी ने कहा कि रेड अलर्ट के चलते मंगलवार को जिले के सरकारी तथा निजी शैक्षणिक संस्थानों, महाविद्यालयों, विवि तथा तकनीकी शिक्षण संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश रहेगा, ताकि विद्यार्थियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। उपशिक्षा निदेशक, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस को आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए कहा गया है। डीसी ने सोमवार को बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा की तथा राहत पुनर्वास के कार्यों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। ब्यास नदी में जलस्तर स्थिति को लेकर जिला प्रशासन ने पौंग डैम प्रबंधन के साथ भी संपर्क साधा है। उन्होंने कहा कि इंदौरा उपमंडल में किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमें तैनात कर दी गई हैं।

टेट जेबीटी क्वालीफाई उम्मीदवारों को ट्रेनी जेबीटी पद पर नियुक्ति पत्र जारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला प्राथमिक शिक्षा उपनिदेशक अजय संबयाल ने बताया कि कार्यालय की ओर से अक्तूबर, 2024 में आयोजित काउंसिलिंग प्रक्रिया के आधार पर चयनित टेट (जेबीटी) क्वालीफाइड उम्मीदवारों को ट्रेनी जूनियर बेसिक टीचर (वार्ड ऑफ एक्स सर्विसमैन) के पद पर नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह नियुक्तियां जिला चयन समिति की अनुशंसा तथा प्रदेश सरकार की पूर्व स्वीकृति के बाद की गई हैं। नियुक्त अभ्यर्थियों को नियत मानदेय 17,820 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा, जो नियमित कर्मियों के पे मैट्रिक्स लेवल-8 की प्रथम सेल का 60 फीसदी है। सभी चयनित अभ्यर्थियों को आदेश जारी होने की तिथि से 7 दिन के भीतर संबंधित खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ज्वॉइन करना होगा। ज्वॉइनिंग से पूर्व उम्मीदवारों को गैर-न्यायिक स्टांप पेपर पर अनुबंध निष्पादित करना अनिवार्य होगा। ज्वॉइनिंग के समय बीईईओ संबंधित अभ्यर्थियों से आयु, शैक्षणिक व प्रोफेशनल योग्यता संबंधी प्रमाणपत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, वार्ड ऑफ एक्स-सर्विसमैन प्रमाण पत्र, एससी/एसटी व ओबीसी प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत या नगर परिषद से जारी सत्यापन पत्र तथा शपथ पत्र अनिवार्य रूप से सत्यापित करेंगे। यदि किसी भी उम्मीदवार के दस्तावेज असत्य पाए जाते हैं, तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाएगी।

दिल्ली से कांगड़ा एयरपोर्ट नहीं आया एक भी विमान

अनंत ज्ञान, गगल। खराब मौसम के चलते सोमवार को गगल एयरपोर्ट पर दिल्ली से एक भी विमान लैंड नहीं हो पाया। यह जानकारी कांगड़ा एयरपोर्ट के टर्मिनल मैनेजर रसिक और वरिष्ठ प्रबंधक शैलेश कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के चलते दिल्ली से एक भी विमान कांगड़ा एयरपोर्ट पर नहीं पहुंचा। सोमवार को चार विमान दिल्ली से कांगड़ा एयरपोर्ट आने थे, लेकिन खराब मौसम के चलते नहीं पहुंच पाए। उन्होंने बताया कि चार विमानों में से तीन इंडिगो के और एक स्पाइस जेट का विमान था, जो अपनी सेवाएं नहीं दे सके।

हैप्पी बर्थडे

जालग के अमन डोगरा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

एचपीसी लांचिंग के साथ हिमाचल शिक्षा बोर्ड बनेगा दूसरे राज्यों के लिए उदाहरण: डॉ. राजेश

होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड लांचिंग से पहले धर्मशाला मंथन शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड को लांच करने के साथ ही हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड पहाड़ी राज्यों सहित देशभर के शिक्षा बोर्डों के लिए एक उदाहरण बन जाएगा। यह बात शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने सोमवार को बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (एचपीसी) पर मंथन के लिए आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में शिक्षक सीखेंगे और शिक्षा क्षेत्र में देशभर में हिमाचल पांचवें से पहले स्थान पर पहुंचेगा। 30 अगस्त तक चलने वाली कार्यशाला में 27 अगस्त तक होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पर चर्चा की जाएगी, जबकि 28 से 30 अगस्त तक कम्पीटेंसी बेस्ड प्रश्नों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के लिए फंडिंग का प्रावधान समग्र शिक्षा अभियान के तहत किया गया है। कार्यशाला के लिए प्रदेशभर से 200 शिक्षकों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही निजी स्कूलों की भी इसमें भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कार्यशाला का आयोजन निदेशक समग्र शिक्षा, एनसीईआरटी और परख के सहयोग से किया जा रहा है।

धर्मशाला में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पर मंथन के लिए आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा।

16 सितंबर को दिया जा सकता अंतिम रूप: डॉ. विशाल

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि 9वीं से 12वीं कक्षा के बच्चों के बनाए जाने वाले एचपीसी में बच्चों की शैक्षणिक, पर्यावरण, खेलकूद गतिविधियों में प्रदर्शन सहित प्राप्त अंकों का भी डाटा उपलब्ध रहेगा। 16 सितंबर तक एचपीसीए को अंतिम रूप दिया जा सकता है। एचपीसी को फिजिकल के बजाय डिजिटल रूप में लांच किया जाना है, जिससे हर साल बच्चों के प्रदर्शन का डाटा उसमें दर्ज किया जा सके।

डिजिटल फॉर्म में उपलब्ध होगा स्टूडेंटस का डाटा

होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के माध्यम से बच्चों का समग्र डाटा अब डिजिटल फार्म में उपलब्ध होगा। इसमें बच्चे के स्वास्थ्य से लेकर यहां तक यह दर्ज होगा कि वह किस विषय में कमजोर है। इससे शिक्षकों और अभिभावकों को विद्यार्थियों की प्रगति का स्पष्ट और त्वरित आकलन करने में आसानी होगी। इसका उद्देश्य छात्रों को केवल रटने तक सीमित न रखकर विषय की गहराई से समझ विकसित करना है।

डाइट संस्थानों में रिक्त सीटों के लिए काउंसिलिंग 28 से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड सरकार द्वारा दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलिमेंटरी एजुकेशन (डीएलएड)-2025-27 के लिए सरकारी और निजी डाइट संस्थानों में रिक्त सीटें भरने के लिए दूसरे चरण की काउंसिलिंग 28 अगस्त से शुरू होगी। यह चार दिवसीय काउंसिलिंग पहली सितंबर तक आयोजित होगी। शिक्षा बोर्ड ने 45 फीसदी तक अंक हासिल करने वाले 1825 के करीब अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट किया है।

बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि दूसरे चरण की काउंसिलिंग के पहले दिन 28 अगस्त को 350, 29 अगस्त को 500, 30 अगस्त को 600 और पहली सितंबर को 375 अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है।

काउंसलिंग के लिए अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर मूल प्रमाण पत्रों, हिमाचल प्रमाण पत्र, आरक्षित श्रेणी के प्रमाण पत्र और भरे हुए बायो डाटा फॉर्म के साथ आना होगा। सीटें मेरिट व वांछित संस्थान में उपलब्धता के आधार पर एक बार ही आवंटित होंगी।

प्रदेश के स्टूडेंट्स को सशक्त बनाने की पहल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश में डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगरोटा बगवां कॉलेज, पंडित संत राम कॉलेज बैजनाथ और ठाकुर जगदेव चंद मेमोरियल कॉलेज सुजानपुर टीहरा ने आईबीएम स्किल्स बिल्ड और सीएसआरबीओएक्स के साथ एलओयू पर हस्ताक्षर किए। इस पहल के अंतर्गत 1000 से अधिक छात्रों ने आईबीएम स्किल्स बिल्ड प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण किया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन रीतु ठाकुर ने एआई और प्रोफेशनल स्किल्स पर इंटरैक्टिव सत्र लिए। उन्होंने तकनीकी युग में आधुनिक कौशलों की उपयोगिता और करियर में उनके महत्व को रेखांकित किया। कॉलेज प्रिंसिपल, एचओडी, संकाय सदस्य और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। छात्रों ने सत्रों में भाग लेकर प्लेटफॉर्म के लाभों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

छात्रों के लिए बेसिक ट्रॉमा कोर्स की शुरुआत

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। देश में पहली बार पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़ ने पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए बेसिक ट्रॉमा कोर्स की शुरुआत की है। सिटी हॉस्पिटल कांगड़ा के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. मोहम्मद साजिद को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने छात्रों को ट्रॉमा केयर की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया और अपने चिकित्सकीय अनुभव साझा किए। डॉ. साजिद ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भावी डॉक्टरों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे वे आपात स्थिति में आत्मविश्वास से भरकर मरीजों को बेहतर उपचार दे सकें।

स्पेस मॉडल स्पर्धा में नयन ने मारी बाजी

जीजीडीएसडी कॉलेज राजपुर में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

अनंत ज्ञान, पालमपुर

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय (जीजीडीएसडी) राजपुर में भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की थीम टचिंग लाइफ व्हाइल टचिंग द मून: इंडिया स्पेस सागा थी। महाविद्यालय के निदेशक और प्रधानाचार्य ने कहा कि युवा पीढ़ी में जो रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण है, उसे प्रोत्साहित करना महाविद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। स्पेस मॉडल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस से संबंधित मॉडल बनाकर भारत की उपलब्धियों और अपनी रचनात्मकता को प्रस्तुत किया। स्पेस मॉडल स्पर्धा में नयन आर खावला प्रथम, अंशुल रिजुल द्वितीय और तृतीय स्थान पर अमीषा संदल रहे। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अंशिका प्रथम, साहिल द्वितीय और महक और रागिनी तृतीय रहे। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम बीबीए, द्वितीय बीएससी और तृतीय बीकॉम विभाग रहे। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के समन्वयक अरविंद कुमार ने विजेताओं की घोषणा की।

कार्यक्रम डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज में राज्य स्तरीय चिकित्सा सम्मेलन

स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने पर मंथन

मेडिकल छात्रों के लिए आजीवन सीखने और नए कौशल हासिल करने के अवसर : डॉ. मैत्रे

अनंत ज्ञान, धर्मशाला/कांगड़ा

डॉ राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज में आयोजित प्रथम राज्यस्तरीय चिकित्सा सम्मेलन में नवाचार के साथ उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए गहन मंथन किया। सम्मेलन में बतौर मुख्यातिथि पद्मश्री डॉ. क्षमा मैत्रे ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में तीव्र विकास के कारण, मेडिकल छात्रों के लिए आजीवन सीखने और नए कौशल हासिल करने के अवसर बढ़ रहे हैं।

नवाचार से जुड़े कौशल और ज्ञान मेडिकल छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने युवा डॉक्टरों से भौतिकवादी से परे देखने और जमीनी स्तर पर समस्याओं की पहचान करकेसमाज की सेवा करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। प्रशिक्षु चिकित्सकों की ओर से वैज्ञानिक पेपर, क्लीनिक केयर पर प्रेजेंटेशन भी दी तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में आए तकनीकी बदलाव पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि टांडा मेडिकल का कॉलेज में पहली बार प्रशिक्षु चिकित्सा सम्मेलन आयोजित किया गया है, ताकि प्रशिक्षुओं को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सके। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मोनिका पठानिया ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु छात्रों में समस्या समाधान कौशल को विकसित करना तथा नवाचार के माध्यम से नए उपचारों और नैदानिक तरीकों में योगदान सुनिश्चित करना रहा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा राज्य के पहले स्नातक चिकित्सा सम्मेलन सफलतापूर्वक मेजबानी की है। इस कार्यक्रम ने एमबीबीएस छात्रों को विचारों का आदान-प्रदान करने और ज्ञान प्राप्त करने के अवसर प्रदान किया है।

युवा डॉक्टरों से जमीनी स्तर पर समस्याओं की पहचान करके समाज की सेवा करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध से आएगी साइबर ठगी मामलों में कमी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर फर्जी गेमिंग ऐप में निवेश करवाकर लोगों को ठगने जैसे मामलों में अब कमी आने की संभावना है, क्योंकि केंद्र सरकार ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग को प्रतिबंधित करने का बिल संसद में पास किया है। ऐसे में साइबर क्राइम के मामलों में भी कमी आने की उम्मीद है।

शातिर कई लोगों को लगा चुके हैं चपत

गौरतलब है कि साइबर ठगी के अधिकतर ममालों में ऑनलाइन गेमिंग का लिंक कहीं न कहीं सामने आता था। शातिर ठग लोगों को ऑनलाइन गेंमिंग का झांसा देकर पैसा कमाने के साथ फर्जी गेमिंग ऐप के निवेश करवाकर खासा चूना लगा रहे थे। साइबर थाना नॉर्थ जोन धर्मशाला से मिली जानकारी के अनुसार, जबसे थाना की स्थापना हुई है, तब से लेकर अब तक करोड़ों रुपए की ठगी की शिकायतें आ चुकी हैं। इनमें से अधिकतर ऑनलाइन गेमिंग व उससे संबंधित ऐप के जरिए की गई ठगी की थी। ऐसे में केंद्र की ओर से लिए गए प्रभावी निर्णय से लोग ऑनलाइन गेमिंग के झांसे में आकर अपनी कमाई को लुटाने से बच पाएंगे।

> **संसद** में ऑनलाइन गेमिंग को भारत में प्रतिबंधित करने को लेकर पास बिल, साइबर अपराधों में कमी लाएगा। साइबर थाना में ऑनलाइन ठगी की अधिकतर शिकायतों में ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में फर्जी ऐप के निवेश करवाकर ठगी के मामले सामने आए हैं।
> **-प्रवीण धीमान, एएसपी, साइबर थाना नॉर्थ रेंज धर्मशाला।**

पर्यटन कार्यालय स्थानांतरित करने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन

शिमला में पर्यटन से जुड़े विभिन्न संगठन हुए एकजुट, सरकार के निर्णय को बताया गैर-व्यवहारिक

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का मुख्यालय शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने के निर्णय के खिलाफ शिमला में सैकड़ों लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। पर्यटन से जुड़े व्यवसायों से जुड़े होटल संचालकों, टैक्सी ऑपरेटरों, टूर गाइडों, रेस्तरां संचालकों, हस्तशिल्प विक्रेताओं और कुली सहित कई वर्गों के लोग भारी बारिश के बावजूद सड़कों पर उतर आए। यह प्रदर्शन 'शिमला पर्यटन बचाओ संघर्ष समिति' के नेतृत्व में चौड़ा मैदान से विधानसभा तक आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कारोबारियों, मजदूरों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पर्यटन निगम का शिमला से धर्मशाला जाना, न केवल शिमला बल्कि पूरे प्रदेश के पर्यटन व्यवसाय पर विपरीत प्रभाव डालेगा। शिमला

शिमला से पर्यटन कार्यालय को धर्मशाला स्थानांतरित करने को लेकर पर्यटन से जुड़े कारोबारी शिमला में प्रदर्शन करते हुए।

निगम के संचालन और कर्मचारियों के लिए बढ़ी जटिलताएं

एक ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन स्थल है, जिससे राज्य को होने वाले राजस्व का बड़ा हिस्सा आता है। यहां से निगम कार्यालय स्थानांतरित करने से हजारों लोगों की आजीविका पर असर पड़ेगा, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन पर निर्भर हैं।

यह निर्णय न तो प्रशासनिक दृष्टि से उचित है और न ही व्यावहारिक जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया प्रतीत होता है। प्रदर्शन में यह भी कहा गया कि निगम के संचालन में शामिल वरिष्ठ अधिकारी जैसे मुख्य सचिव, वित्त सचिव और पर्यटन निदेशक सभी शिमला में कार्यरत हैं।

कार्यालय के धर्मशाला चले जाने से निर्णय प्रक्रिया बाधित होगी और संचालन में जटिलता बढ़ेगी। इसके अलावा निगम के कर्मचारी ईपीएफ से जुड़े हुए हैं, जिसका कार्यालय शिमला में है। इससे पहले उन्हें अपने कार्यों के लिए बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते थे, लेकिन अब उन्हें दोनों स्थानों के बीच लंबे सफर में समय और धन की हानि उठानी पड़ेगा।

निर्णय को तुरंत रद्द करने की मांग

संघर्ष समिति और प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से अपील की है कि वह यह निर्णय तुरंत रद्द करे और पर्यटन निगम का कार्यालय शिमला में ही यथावत बनाए रखे। उनका कहना है कि यह निर्णय न केवल जनता और व्यवसायियों के हितों के खिलाफ है, बल्कि इससे सरकार की अपनी कार्यप्रणाली और पर्यटन नीति पर भी सवाल उठते हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेताया कि यदि इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा।

आखिर अभी तक सराहन में क्यों नहीं लग पाई पूर्व सीएम स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा?

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक और पर्यटन स्थल सराहन, जो राजा साहब का पैतृक क्षेत्र भी है, में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा को लेकर अब कई सवाल खड़े हो गए हैं। जनता सवाल पूछ रही है कि अभी तक सराहना में क्यों नहीं लग पाई है पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा। रामपुर युवा कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रतिमा की स्थापना 8 जुलाई, 2025 को करने का जोरदार प्रचार किया गया था, लेकिन अब तक प्रतिमा स्थापित न होने से स्थानीय लोगों में चर्चा तेज हो गई है। करीब 6 महीने पहले उनके पुत्र एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुशहर स्पोर्ट्स, कल्चरल और पर्यावरण एसोसिएशन के सदस्यों के साथ प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया था तथा प्रतिमा स्थापित करने के लिए स्थान चिन्हित किया था।

यह स्थान मां भीमाकाली मंदिर के सामने स्थित है, ताकि श्रद्धालु और पर्यटक आसानी से दर्शन कर सकें।

क्षेत्र की जनता पूछ रही यही सवाल

बुशहर स्पोर्ट्स, कल्चरल और पर्यावरण एसोसिएशन के प्रधान व युवा नेता ने प्रतिमा स्थापना के लिए गांव-गांव की पवित्र माटी एकत्र करने के लिए क्षेत्र में भारी उत्साह के साथ कलश यात्रा निकाली और प्रचार किया। उल्लेखनीय है कि इस कलश यात्रा का हर ग्रामीण ने तहे दिल से स्वागत किया तथा आर्थिक सहयोग भी दिया, लेकिन अभी तक पूर्व मुख्यमंत्री की प्रतिमा नहीं लग पाई है, जबकि इसके लिए गत 8 जुलाई तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन अब जनता सवाल कर रही है क्या यह यात्रा प्रतिमा स्थापना के लिए थी या व्यक्तिगत प्रचार और वाहवाही लूटने का जरिया?

अगर योजना के अनुसार प्रतिमा लगती, तो 8 जुलाई 2025 तक इसे क्यों नहीं लगाया गया। रथ यात्रा के दौरान कितना धन एकत्रित हुआ और उसका उपयोग कहां हुआ, इस पर भी पारदर्शिता क्यों नहीं? स्थानीय लोग अब स्पष्ट जवाब की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि वीरभद्र सिंह जैसी महान शख्सियत की प्रतिमा जल्द से जल्द स्थापित की जाए। दबी जुबान से लोग यह भी कहने लगे हैं कि यदि तीव्र इच्छा शक्ति होती तो अभी तक प्रतिमा लगाई जा चुकी होती। यह भी कहां जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नजदीकी एवं जिला शिमला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष अतुल शर्मा ने राजा साहब के प्रति निष्ठा दिखाते हुए अपने निजी संसाधनों से प्रदेश में सबसे पहले सेंज में उनकी प्रतिमा स्थापित कर दी थीख जिससे भी सबक लेना चाहिए।

पहले शिमला में लगेगी प्रतिमा : राहुल सोनी

इस बारे में बुशहर स्पोर्ट्स और कल्चरल पर्यावरण संगठन के अध्यक्ष राहुल सोनी ने कहा कि पहले शिमला में प्रतिमा की स्थापना की जाएगी, उसके बाद सराहन में प्रतिमा लगाने का विचार किया गया है।

रामपुर क्षेत्र में बारिश का कहर जारी

कई सड़कों पर गिरा मलबा, तकलेच के सेरी पुल मार्ग पर हो रहा कछुआ गति से काम

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर

अब बरसात का मौसम जाने वाला है, लेकिन रामपुर क्षेत्र में लगातार बारिश का कहर जारी है। बीते करीब एक सप्ताह से रुक-रुककर हल्की से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। कल रात हुई बारिश से रचोली में मुख्य मार्ग पर मलबा आ जाने से कई घंटे तक जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वाहनों की रफ्तार थम गई।

इसी प्रकार डाकोल्ड के पास चट्टान खिसकने से एनएच 5 को वनवे करना पड़ा। सिंगला डंसा के जीरो प्वाइंट पर चट्टान गिरने से उपरोक्त मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिसे सोमवार शाम मशीनरी लगाकर वाहन योग्य किया गया। बताते चलें कि सबसे अधिक चिंताजनक स्थिति तकलेच के पास सेरी पुल की है, जहां पर मार्ग धंसने से 12/20 क्षेत्र की चार पंचायतों का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। गौर हो कि उपरोक्त क्षेत्र में सेब की हजारों पेटियां फंसी हैं, जिससे बागवान खासे परेशान हैं।

आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया गया।

चार पंचायतों के सेब की फसल हो रही खराब

पूर्व भाजपा प्रत्याशी कॉल सिंह नेगी ने भी आज इस स्थान का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बागवानों द्वारा यहां पर सेब ढुलाई के लिए स्पेन लगाने की मांग की गई थी, लेकिन मौजूदा समय में जो स्पेन लगाई गई है, वह नाकाफी साबित हो रही है। उन्होंने मार्ग को बहाल करने बारे तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा में जिस तेजी के साथ विभागों को काम करना चाहिए, वैसा कार्य नहीं हो रहा है। लोक निर्माण विभाग कछुआ गति से काम कर रहा है। यदि इसी प्रकार काम चलता रहा तो चार पंचायतों के बागवानों का सेब खराब होने की संभावना है। इसलिए विभाग को संपर्क मार्ग खोलने में तेजी लानी होगी। इसके अलावा एक अदद स्पेन और लगाई जानी चाहिए।

मणिमहेश यात्रा में दो श्रद्धालुओं की मृत्यु पर सीएम ने जताया शोक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को जिला चंबा में चल रही मणिमहेश यात्रा के दौरान दो श्रद्धालुओं के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

बारिश के चलते दिए जरूरी दिशा-निर्देश : प्रदेश में जारी भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री ने नागरिकों से नदियों और नालों के पास न जाने की सख्त अपील की है ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से बचा जा सके। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वे भूस्खलन, सड़क अवरोध या अचानक बाढ़ की स्थिति में तुरंत प्रभावी कार्रवाई करें ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और आवश्यक सेवाओं का प्रवाह सुचारु रूप से जारी रहे। उन्होंने लोगों से प्रशासन द्वारा जारी किए गए सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की भी अपील की है।

राज्यपाल ने सिपुर में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वन विभाग और रेडक्रॉस के पौधरोपण कार्यक्रम में देवदार का पौधा लगाकर निभाई सहभागिता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा शिमला जिले के मशोबरा विकास खंड के सिपुर क्षेत्र में आज पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने देवदार का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरणीय समृद्धि के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन हाल के वर्षों में प्रदेश ने भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है।

उन्होंने कहा कि भू-स्खलन, बादल फटना और अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाएं हमें यह सिखाती हैं कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन नहीं बनाएंगे तो इसका दुष्परिणाम हमें भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वनों की अंधाधुंध कटाई, जल स्त्रोतों का प्रदूषण और असंतुलित विकास जैसे कारण हमारी धरती को असुरक्षित बना रहे हैं। ऐसे में पौधरोपण एक पर्यावरणीय जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि एक आवश्यक जीवन रक्षा अभियान बन चुका है। जब हम एक पौधा लगाते हैं, तो वह भविष्य में न केवल पर्यावरण को शुद्ध करता है, बल्कि जल संरक्षण और मिट्टी के क्षरण को रोकने में भी सहायक होता है।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल सिपुर क्षेत्र में देवदार का पौधा लगाते हुए।

पौधरोपण कार्यक्रम में राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, मशोबरा के विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य अनिता गुप्ता के नेतृत्व में लगभग 120 पौधे रोपे। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी, स्थानीय निवासी और रेडक्रॉस के सदस्य भी शामिल हुए। इससे पूर्व राज्यपाल ने सिपुर में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वन संरक्षक के. तिरूमल ने राज्यपाल का पारंपरिक तौर पर स्वागत किया और उन्हें शॉल व टोपी भेंट कर सम्मानित किया।

ये रहे उपस्थित : राज्यपाल के सचिव सीपी वर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन नेगी, जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी, रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सिमरन ने मिनर्वा स्टडी सर्किल का चमकाया नाम

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। बिलासपुर स्थित मिनर्वा स्टडी सर्किल की छात्रा सिमरन ठाकुर पुत्री शेर सिंह, ने दस जमा दो विज्ञान संकाय की बोर्ड परीक्षा में प्रदेश भर में सातवां स्थान प्राप्त कर संस्थान, अपने माता-पिता, शिक्षकों और जिला का नाम रोशन किया है। सिमरन पिछले दो वर्षों से संस्थान में नियमित रूप से कोचिंग ले रही थीं। उनकी यह सफलता कठोर परिश्रम और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। संस्थान के प्रबंधक राकेश चंदेल ने सिमरन और उनके परिवार को बधाई दी और बताया कि संस्थान में नीट का क्रैश कोर्स चल रहा है, साथ ही नियमित कक्षाएं भी जारी हैं। जून से ड्रॉपर बैच भी शुरू किया जाएगा। संस्थान ने पहले भी IIT और MBBS में चयनित विद्यार्थी दिए हैं, जो इसकी गुणवत्ता का प्रमाण है।

मंडी में 'हिम क्वेस्ट' का धूमधाम से आगाज

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। मिनर्वा स्टडी सर्किल, घुमारवीं ने शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है। संस्थान ने गत 10 जुलाई को 'हिम क्वेस्ट' नाम से एक छात्रवृत्ति टेस्ट की शुरुआत की, जिसमें कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं (साइंस) के छात्र भाग ले सकते हैं। यह टेस्ट 21 सितंबर को हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। प्रबंध निदेशक राकेश चंदेल ने बताया कि इस टेस्ट के माध्यम से छात्रों को 100 तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी ताकि पैसे की कमी कोई बाधा न बने। प्रदेश स्तर पर प्रथम आने वाले छात्रों को 1 लाख रुपए नकद अथवा अन्य आकर्षक पुरस्कार मिलेंगे, साथ ही जिला स्तर पर भी टॉप 5 विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस समय मिनर्वा की टीम मंडी जिले में सक्रिय है और बच्चों का पंजीकरण जोरों पर है। इससे पहले टीम सोलन, ऊना और हमीरपुर जिलों में भी सफलता प्राप्त कर चुकी है। टेस्ट में 1.5 करोड़ रुपए की छात्रवृत्तियां शामिल होंगी।

पेंशनर्स की देनदारियां शीघ्र दे सरकार : रामलाल

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। हिमाचल प्रदेश की राज्य विद्युत परिषद की बैठक प्रधान इंजीनियर रामलाल शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में चीफ इंजीनियर अरविंद शर्मा व एचएस चंदेल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने संघ द्वारा अब तक की गतिविधियों, मांगों और भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा संगठन को और मजबूत करने पर बल दिया। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी उपाध्यक्ष सुखराम, वरिष्ठ उपप्रधान गंगा राम प्रसाद, मंच चालक महासचिव केएल शर्मा, दिलेराम, सुभाष चंद्र, गुरुदेव कौशल, लेख राम, रूप लाल शर्मा ने पेंशनरों की लंबित पड़ी मांगों और समस्याओं को शीघ्र हल करने का सरकार से आग्रह किया। प्रदेश सरकार से लंबित पड़े 11 प्रतिशत मंहगाई भत्ते को शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। डीए न मिलने से पैंशनर्ज व कर्मचारियों में भारी रोष है। पहली जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के मध्य तक सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को संशोधित लिव इन केसमेंट, ग्रेजुएटी, कम्यूटेशन के लाभ नहीं मिल रहे हैं, डीए भी जारी नहीं किया जा रहा है।13 डीए की किस्त लंबित पड़ी है। सभी पेंशनरों ने लंबित पड़ी देनदारियों का सरकार से शीघ्र भुगतान करने का आग्रह किया।केंद्र सरकार से सभी पेंशनर्स को आय के दायरे से बाहर करने का आग्रह किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान इंजीनियर रामलाल शर्मा ने सभी सेवारत कर्मचारियों को भी पुरानी पेंशन को बहाल करने का और आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए स्थाई नीति बनाने का आग्रह किया। बिजली बोर्ड में खाली पड़े पदों को शीघ्र भरे ताकि प्रदेश की जनता को बेहतरीन सेवाएं मिल सके ।बोर्ड में युक्तीकरण की प्रक्रिया से पदों की समाप्त करने पर तुरंत रोक जाए। इस बैठक में प्रेम सिंह, सतीश कुमार ,रमेश चंद ,बृजलाल ,कृष्ण, प्रकाश चंद, जगदीश राम, हरनाम सिंह ,भीष्म राम, श्री राम ठाकुर, जीतराम ,नारायण दास, राम प्रकाश, टीकाराम ,ध्यान सिंह, भगवान दास ,दलेर सिंह ,रूपलाल दीनानाथ ,देवराज, रामप्यारी सहित 67 पेंशनरों ने भाग लिया।

भाखड़ा बांध का जलस्तर चढ़ा, खतरा बढ़ा

बीबीएमबी ने शुरू की एशिया के सबसे बड़े भाखड़ा बांध की कड़ी निगरानी, अलर्ट जारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर। सतलुज नदी पर बने एशिया के सबसे बड़े बांध भाखड़ा बांध का जलस्तर लगातार हो रही भारी बारिश के बीच खतरनाक स्तर की ओर बढ़ रहा है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने बताया कि वर्तमान में झील का जलस्तर 1667.55 फुट दर्ज किया गया। भाखड़ा बांध की गोबिंदसागर झील में पानी की आवक 50008 क्यूसिक दर्ज की गई और भाखड़ा बांध से टरबाइनों और फ्लड गेटों के माध्यम से नंगल डैम झील के लिए करीब 39500 क्यूसिक पानी छोड़ा गया।

भाखड़ा बांध की जल स्तर की क्षमता 1680 फुट तक है और अब जल स्तर खतरे के निशान से करीब 12.50 फुट दूर है। आज नंगल हाईडल नहर में 12350 क्यूसिक और श्री आनंदपुर साहिब हाईडल नहर में 10150 क्यूसिक पानी छोड़ने अलावा नंगल डैम से सतलुज दरिया में 16850 क्यूसिक पानी छोड़ा गया।

भाखड़ा बांध से जल छोड़े जाने का एक दृश्य।

भाखड़ा के फ्लड गेट दो साल बाद खुले

बीबीएमबी ने स्थिति को देखते हुए 19 अगस्त को फ्लडगेट दो साल बाद पहली बार खोले, जिनसे लगातार 7,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। फिलहाल इन्हें बंद करने की कोई योजना नहीं है क्योंकि झील में प्रतिदिन 48,000 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है।

जलस्तर की वृद्धि हुई धीमी

बीबीएमबी के आंकड़ों के अनुसार, एक हफ्ते पहले तक झील का स्तर प्रतिदिन 2 फुट तक बढ़ रहा था, लेकिन फ्लडगेट खोलने के बाद अब यह वृद्धि घटकर 0.24 फुट प्रतिदिन रह गई है।

पिछले वर्ष से झील का जलस्तर 32 फुट अधिक

बीबीएमबी अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल इसी दिन झील का जलस्तर 1635 फुट था, जो वर्तमान स्तर से 32 फुट कम था।

भारी बारिश के चलते प्रशासन अलर्ट पर

प्रशासन ने निचले क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया है और ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतलुज किनारे न जाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बारिश का क्रम ऐसे ही जारी रहा तो झील का स्तर अगले कुछ दिनों में खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच सकता है।

एसपी की यातायात नियंत्रण पर पहल प्रशंसनीय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। भूस्खलन के कारण किरातपुर-मनाली फोरलेन मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इस आपदा से निपटने के लिए एसपी संदीप धवल ने मोर्चा संभाला और प्रभावित मार्ग का दौरा कर तुरंत स्थिति सुधार के निर्देश जारी किए। उन्होंने डीएसपी विक्रांत बोसरा के साथ मिलकर पुलिस बल को तैनात कराकर पुराने राजमार्ग के माध्यम से यातायात सुचारू रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की। न केवल मलबा हटवाने की कार्रवाई चल रही है, बल्कि पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक विस्तार योजना पर तेजी से अमल भी शुरू कर दिया है। भूस्खलन स्थल पर पुलिस का समन्वय और यातायात को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने की तत्काल पहल प्रशंसनीय रही।

बिलासपुर जिले के शिक्षण संस्थान आज बंद रहेंगे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जिला बिलासपुर के लिए 26 अगस्त को भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने आदेश जारी किए हैं कि 26 अगस्त को जिले के सभी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे।

आपदा के बीच हिमाचल पेट्रोलियम डीलरों ने मांगा विशेष राहत पैकेज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल में प्राकृतिक आपदा के चलते हिमाचल पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने केंद्र सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री और मुख्यमंत्री सुक्खू से विशेष राहत पैकेज की मांग की है। संघ का कहना है कि लगातार हो रहे भूस्खलन, बाढ़ और राज्य राजमार्गों को हुए बड़े पैमाने पर नुकसान के चलते प्रदेश के कठिन भौगोलिक क्षेत्रों तक आवश्यक ईंधन पहुंचाने वाले पेट्रोलियम डीलर भी गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं और संचालन जारी रखना उनके लिए चुनौती बन गया है।

हिमाचल पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुकुमार सिंह ने राज्य सरकार से यह भी आग्रह किया है कि पेट्रोलियम डीलरों को आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने वाले अग्रिम पंक्ति के साझेदार के रूप में मान्यता दी जाए और उन्हें समयबद्ध राहत उपलब्ध करवाई जाए।

गुग्गा मेला उत्सव में पुलिस बैंड की धुनों पर झूम उठा बरमाणा

बरमाणा गुग्गा मेला उत्सव की रजत जयंती की अंतिम संध्या में पुलिस बैंड ने जादू बिखेरा।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बरमाणा में आयोजित गुग्गा मेला उत्सव की रजत जयंती का समापन हिमाचल पुलिस के आर्केस्ट्रा बैंड 'हारमनी ऑफ द पाइंस' की शानदार प्रस्तुतियों के साथ हुआ। बारिश के बावजूद, भारी संख्या में दर्शकों ने मेले में भाग लिया।

दोपहर बाद बारिश शुरू होने से आयोजन पर संकट के बादल छा गए थे, लेकिन समिति की अरदास के बाद मौसम खुल गया और संध्या सात बजे जैसे ही पुलिस बैंड मंच पर पहुंचा, पंडाल तालियों से गूंज उठा। पुलिस बैंड ने देशभक्ति और सांस्कृतिक गीतों से माहौल को जोशीला बना दिया। दर्शक सुरों में डूबे रहे और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज सुनाई दी।

मुख्य अतिथि के रूप में एसीसी अडानी सीमेंट ग्रुप के सीएमओ मुकेश सक्सेना और उनकी धपत्नी मौजूद रहीं। उन्होंने मेला समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र को नई पहचान दिलाएंगे। उन्होंने लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि उच्च न्यायालय के एडवोकेट जनरल शिवपाल मनहंस, एचआर हेड पदम् नाभ शर्मा, सीएसआर हेड हितेंद्र कपूर भी मौजूद रहे।

गुड न्यूज बिलासपुर को मिलेगी बड़ी सौगात, बिलासपुर में जिला फॉरेंसिक यूनिट के लिए जमीन भी तय

सितंबर में पहुंचेगा अत्याधुनिक फोरेंसिक लैब वाहन

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में अपराध जांच को वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक से सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बिलासपुर में जिला फॉरेंसिक यूनिट के लिए जमीन भी तय कर ली गई है और शीघ्र ही इसका अपना भवन भी तैयार हो जाएगा। इसी कड़ी में सितंबर माह में जिले को अत्याधुनिक फोरेंसिक लैब वाहन मिलने जा रहा है। इस सूची में बिलासपुर भी शामिल है।

भारतीय न्याय संहिता (BNS) में गंभीर अपराधों में घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम का मौजूद रहना अनिवार्य किया गया है। अब तक बिलासपुर में किसी बड़े अपराध की स्थिति में शिमला या अन्य जिलों से फोरेंसिक टीम बुलानी पड़ती थी, जिससे जांच में देरी होती थी और कई बार साक्ष्य नष्ट होने का खतरा बना रहता था] लेकिन नए वाहन के मिलने से जिले की पुलिस घटनास्थल पर ही तुरंत वैज्ञानिक जांच कर सकेगी और सटीक साक्ष्य जुटा पाएगी। टाटा कंपनी द्वारा तैयार किए जा रहे इस वाहन की कीमत लगभग 60 से 65 लाख रुपए बताई जा रही है। इसे एक चलती-फिरती मिनी फोरेंसिक लैब कहा जा सकता है।

मिनी फॉरेंसिक लैब वाहन का एक फाइल चित्र।

वाहन में ड्रग डिटेक्शन किट, एक्सप्लोज़िव किट, फिंगरप्रिंट और फुटप्रिंट किट, डीएनए किट, हाई-टेक वीडियो कैमरा, साइबर सुरक्षा से संबंधित सॉफ्टवेयर, साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज और बिजली आपूर्ति के लिए जनरेटर जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। बिलासपुर में इस वाहन की उपलब्धता से न केवल पुलिस को राहत मिलेगी, बल्कि आम जनता को भी यह भरोसा मिलेगा कि अपराध की जांच अब तेजी और पारदर्शिता से होगी।

हत्या, बलात्कार, नशा तस्करी, विस्फोटक बरामदगी और साइबर अपराध जैसे मामलों की जांच पहले से अधिक सटीक और न्यायसंगत तरीके से हो पाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिलासपुर में इस सुविधा के आने से अपराधों की जांच में देरी खत्म होगी। कई बार साक्ष्य समय पर एकत्रित न होने से न्याय प्रक्रिया प्रभावित होती थी, लेकिन अब ऐसी दिक्कत नहीं रहेगी। युवाओं का मानना है कि इससे अपराधियों में भी भय का माहौल बनेगा और कानून व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। वहीं वरिष्ठ नागरिकों ने इसे सरकार की सराहनीय पहल बताया है, जिससे बिलासपुर को बड़ी राहत और सुरक्षा का अहसास मिलेगा।

मामलों की जांच में आएगी तेजी : एसपी

एसपी बिलासपुर संदीप धवल ने कहा कि फोरेंसिक लैब वाहन मिलने से पुलिस की कार्यक्षमता और बढ़ेगी। अब अपराध स्थल से साक्ष्य तुरंत एकत्रित कर उनका मौके पर ही परीक्षण किया जा सकेगा। इससे न केवल मामलों की जांच तेज होगी, बल्कि अदालत में पेश किए जाने वाले सबूत भी और अधिक मजबूत होंगे। उनका कहना है कि यह कदम बिलासपुर की कानून-व्यवस्था को नई दिशा देगा और आम जनता का विश्वास पुलिस पर और बढ़ेगा।

चंबा में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित

भूस्खलन से जिले में कई सड़कें बंद होने से यातायात बंद, नदी-नालों ने किया रौद्र रूप धारण

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ियों में झमाझम बारिश के चलते नदी-नालों ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। कई स्थानों पर जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। नागरिकों को पानी और कीचड़ से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कई जगहों पर आवागमन मुश्किल हो गया है।

बारिश के चलते कुछ क्षेत्रों में भूस्खलन की भी खबरें सामने आई हैं। इससे मुख्य सड़कों और ग्रामीण मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर सड़कें बंद होने और पहाड़ी से मिट्टी व पत्थर गिरने की घटनाओं से लोगों की आवाजाही बाधित हुई है। प्रशासन ने कहा है कि संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है और अवरुद्ध मार्गों को जल्द बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन टीम और स्थानीय पुलिस लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। राहत एवं बचाव दल अलर्ट मोड पर हैं और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और आवश्यकता पड़ने पर बचाव दल के संपर्क में रहें। **लोगों से सतर्क रहने की अपील:** प्रशासन ने स्थानीय निवासियों और पर्यटकों से अनुरोध किया है कि वे मौसम विभाग के अलर्ट को गंभीरता से लें और अनावश्यक यात्रा से बचें। अगले 24 से 48 घंटे बेहद अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि बारिश का सिलसिला अभी थमने के कोई आसार नहीं दिख रहा। लोगों को नदी-नालों के किनारे जाने और भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है।

चंबा-जोत मार्ग पर लगातार भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

चंबा-जोत मार्ग पर बहाली का कार्य जारी

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा-जोत मार्ग पर लगातार भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। पीडब्ल्यूडी डिवीजन चंबा की टीम कठिन परिश्रम और युद्धस्तरीय प्रयासों के साथ सड़क को बहाल करने में लगी हुई है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि रास्ता जल्द ही पूरी तरह खुल जाएगा, लेकिन यात्रियों से सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

लांगेन में भूस्खलन से खतरे में घर

अनंत ज्ञान, चंबा

ग्राम पंचायत सनवाल के लांगेन गांव में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के चलते एक परिवार का घर गंभीर खतरे में आ गया है। मकान के नीचे स्थित ढाबे की ओर मलबा गिर रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने अपील की है कि परिवार को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए और घर की स्थिति का तुरंत निरीक्षण किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। प्रशासन से आग्रह है कि आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं और प्रभावित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

राडी में यातायात मार्ग अवरुद्ध

अनंत ज्ञान, धरवाला। पिछले तीन दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने चूड़ी से राडी को जोड़ने वाले जनसंपर्क मार्ग को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। रविवार देर रात हुई बारिश के बाद कई जगह सड़क पर पहाड़ी दरक गई, जिससे बड़े-बड़े पत्थर बीच सड़क पर आ गिरे। स्थानीय निवासियों रामलाल, बालकृष्ण, सोनू ठाकुर, अमरजीत, सुरेंद्र शर्मा, निकुराम और आत्माराम भारद्वाज का कहना है कि कुमलाहडी और ब्रेहगा नामक स्थान पर मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो चुका है। इससे राडी पंचायत को जोड़ने वाला यह एकमात्र रास्ता बंद हो गया है और लोगों को खाने-पीने की वस्तुओं सहित आपातकालीन सेवाओं में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

छोटे वाहनों के लिए बहाल मार्ग

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा-खज्जियार मार्ग लगातार भारी बारिश और भूस्खलन के कारण दो दिनों से बंद था, जिससे आम लोगों और यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सोमवार को प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की टीमों ने युद्धस्तरीय प्रयासों के बाद मार्ग को साफ करने का काम पूरा किया और यातायात के लिए इसे आंशिक रूप से बहाल किया। कनिष्ठ अभियंता भास्कर सेहगल ने बताया कि मार्ग पर अब छोटी गाड़ियों (एलएमवी) के लिए आवाजाही की अनुमति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि जेसीबी और लोक निर्माण विभाग की टीम ने लगातार काम कर सड़क पर फंसे मलबे और पत्थरों को हटाया, जिससे यातायात सुचारू रूप से बहाल हो सका।

मणिमहेश यात्री भूस्खलन में फंसे ग्रामीणों ने मदद के दरवाजे खोले

वार्ड सदस्य विजय कुमार ने यात्रियों का किया ठहराव व व्यवस्था सुनिश्चित।

अनंत ज्ञान, चंबा

लगातार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से मणिमहेश यात्रा पर निकले श्रद्धालु मुश्किल में फंस गए। जिला मंडी और ज्वालामुखी के श्रद्धालु जोत से लगभग 9 किलोमीटर पहले दुनाली में फंस गए। आगे और पीछे दोनों तरफ से सड़कें बंद हो जाने के कारण यात्रियों को दो दिन तक वहीं रुकने पर मजबूर होना पड़ा। भलोली पंचायत के रठियार गांव के ग्रामीणों ने इस संकट में मदद का हाथ बढ़ाया।

गांववालों ने यात्रियों के खाने-पीने और रहने की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की। यात्रियों ने बताया कि दो दिन तक उन्हें भरपूर भोजन और सुरक्षित ठहराव मिला, जिससे उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। ग्रामीणों की सेवा भावना ने श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। वार्ड सदस्य विजय कुमार ने करीब 40 यात्रियों को अपने घर में ठहराया और खाने-पीने की व्यवस्था खुद देखी। उन्होंने कहा कि जब तक रास्ते बंद हैं, यात्रियों की पूरी जिम्मेदारी उनकी है। सुरक्षित और सम्मानजनक ठहराव मिलने पर सभी श्रद्धालुओं ने गांववासियों का आभार व्यक्त किया। इस अनुभव को वे जीवनभर याद रखेंगे। ग्रामीणों की सेवा भावना ने साबित किया कि हिमाचल सिर्फ देवभूमि ही नहीं, बल्कि मानवता की भूमि भी है।

बट्ट नर्सिंग कॉलेज बोंखरी मोड़ में मणिमहेश यात्रियों के लिए राहत सुविधा

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा में मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने पवित्र मणिमहेश यात्रा को स्थगित कर दिया है। हालांकि, इस समय कई मणिमहेश यात्री जिले के विभिन्न स्थानों पर मौजूद हैं। लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण कई सड़कों पर यातायात बाधित हो गया है, जिससे यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में बट्ट कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं आईटीआई बोंखरी मोड़ (बनीखेत) ने यात्रियों की सहायता के लिए आगे आने का निर्णय लिया है। संस्थान अपने परिसर में मणिमहेश यात्रियों के लिए निशुल्क ठहराव और खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इच्छुक यात्री, जो ठहराव या भोजन की व्यवस्था चाहते हैं, वे शाम 8 बजे से पहले अपने आने की सूचना संस्थान को दे सकते हैं।

सहयोग और जानकारी के लिए यात्रियों को मोबाइल नंबर 80917-54019 (विनय) और 82196-23907 (विजय) पर संपर्क करने का निर्देश दिया गया है। इस पहल से यात्रियों को सुरक्षित ठहराव और भोजन की सुविधा प्राप्त होगी और वे मौसम की कठिनाइयों के बावजूद यात्रा में राहत महसूस करेंगे।

ओडा पंचायत के उपप्रधान पर भ्रष्टाचार और गरीबों के पैसे न देने का आरोप

अनंत ज्ञान, चंबा

किशोरी लाल व बजरो राम डीसी को शिकायत देने जाते हुए।

ग्राम पंचायत ओडा के गांव कंदारा के ग्रामीण किशोरी लाल और बजरो राम ने पंचायत उपप्रधान पर भ्रष्टाचार और गरीबों के पैसे न देने का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर (डीसी) से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि पंचायत प्रधान सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहा है। ग्रामीणों से काम कराया जाता है, लेकिन जब उन्हें पैसे की मांग होती है, तो प्रधान बहाना बनाकर भुगतान टाल देता है। इस बारे में उन्होंने पहले पंचायत प्रधान और ब्लॉक विकास अधिकारी चंबा को भी शिकायत दी, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी।

किशोरी लाल और बजरो राम ने डीसी से आग्रह किया कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाए और भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाए। उनका कहना था कि गरीब और जरूरतमंद लोगों के पैसे की हानि होने से उनका जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने डीसी से यह भी अपील की कि भविष्य में ऐसे मामलों में पारदर्शिता और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामीणों का मानना है कि प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई से पंचायत में भ्रष्टाचार कम होगा और जनता का भरोसा मजबूत होगा। ज्ञापन सौंपने के बाद उन्होंने डीसी से मामले की निगरानी और निष्पक्ष जांच की अपील की।

चंबा में सैम्फिया फाउंडेशन की पहल दिव्यांग बच्चों के लिए नि:शुल्क थैरेपी

अनंत ज्ञान, चंबा

चंबा एनएचपीसी परिसर में सैम्फिया फाउंडेशन की विशेष वैन खड़ी देखी गई, जो बच्चों को थेरेपी सेवाएँ प्रदान कर रही थी। जानकारी लेने पर पता चला कि यह वैन केवल परिसर में ही नहीं बल्कि लगातार हो रही भारी बारिश के बीच भी दिव्यांग बच्चों के घर-घर जाकर नि:शुल्क थेरेपी उपलब्ध करवा रही है।

यह पहल पहाड़ी क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील मानी जा रही है। सैम्फिया फाउंडेशन की समर्पित टीम बिना किसी बाधा की परवाह किए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्यरत है। समाज में ऐसे कार्य न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं बल्कि यह भी सिखाते हैं कि समर्पण और सेवा भाव के साथ किसी भी कठिन परिस्थिति में बदलाव संभव है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे मानवता एवं समाज सेवा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह मुहिम निरंतर जारी है और इसके सकारात्मक प्रभाव से बच्चों के माता-पिता भी उत्साहित हैं। यदि जिला चंबा में कोई भी दिव्यांग बच्चा पाया जाता है, तो उसके अभिभावक संघर्ष संस्थान (मो. 98168-32677) से संपर्क कर सकते हैं अथवा सीधे थेरेपी ऑन व्हील्स चंबा के मैनेजर सूरज (मो. 96252-76242) से संपर्क कर सकते हैं। यह पहल नि:संदेह चंबा जिले में दिव्यांग बच्चों के लिए आशा और सहयोग की एक मिसाल है।

मत्स्य पालन विभाग के राज्यव्यापी पौधरोपण अभियान का सफल आयोजन

विवेक चंदेल ने नालागढ़ में रोपा सफेद चंदन का पौधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश मत्स्य विभाग ने निदेशक एवं प्रारंभी मत्स्य विवेक चंदेल के नेतृत्व में एक राज्यव्यापी वृक्षारोपण अभियान का सफल आयोजन किया। इस अभियान के अंतर्गत विभाग की 19 मत्स्य फार्मों और राज्य में 9 सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालयों सहित सभी कार्यालय परिसरों में पौधारोपण किया गया, जिससे पूरे प्रदेश में यह अभियान प्रभावशाली रूप से संपन्न हुआ। निदेशक एवं प्रारंभी मत्स्य विवेक चंदेल अभियान में शामिल होते हुए उन्होंने कार्प फिश फार्म, नालागढ़ जिला सोलन में सफेद चंदन (संतलम एल्बम) का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक मत्स्य, सोलन डॉ. सोम नाथ और विभागीय कर्मचारी भी सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर विवेक चंदेल ने कहा कि पौधरोपण केवल पर्यावरण की रक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जल संरक्षण, वायु शुद्धि और भूमि अपरदन रोकने का प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल हरित क्षेत्र का विस्तार करना मात्र नही है, बल्कि प्रदेश में बढ़ती भूस्खलन की समस्या को भी कम करना है। वृक्ष भूमि को स्थिर करते हैं, मिट्टी कटाव रोकते हैं और जलस्रोतों की रक्षा करते हैं। विवेक चंदेल ने कहा कि इस अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में पर्यावरणीय अनुकूल पौधे लगाए गए, जिनमें औषधीय गुणों वाले पौधे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के लिए पौधों को स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुरूप चुना गया, ताकि प्राकृतिक संतुलन और जैव विविधता को सुदृढ़ किया जा सके। रोपे गए प्रमुख पौधों में आंवला, नीम, अर्जुन, पीपल, मोरिंगा, देवदार, अमरुद, लीची, नींबू, आम, गोल्डन शावर, बिलपत्र, अखरोट और खुमानी शामिल हैं उन्होंने कहा कि यह वृक्षारोपण अभियान मत्स्य विभाग की दीर्घकालिक विकास रणनीति का हिस्सा है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण को मत्स्य पालन विकास के साथ जोड़ा गया है। इस प्रकार के प्रयास हिमाचल प्रदेश को स्वच्छ, हरित, टिकाऊ और पर्यावरण-संवेदनशील राज्य बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने सभी विभागीय कर्मियों और आम नागरिकों से भी इस पुनीत कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसे निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

सफेद चंदन का पौधा लगाते निदेशक विवेक चंदेल।

जांगल पंचायत में रास्ते का काम बना सिरदर्द

शिबू ठाकुर, अनंत ज्ञान

कोटला। उपतहसील कोटला के तहत पंचायत जांगल वार्ड नंबर पांच के ग्रामीण रास्ते के बीच से शुरू हुए कार्य के कारण भारी परेशानी झेल रहे हैं। सड़क में डिस्पेंसरी के पास बरसात के दिनों में पानी जमा हो जाता है, जिसमें पैदल निकलना तो दूर वाहन भी बड़ी मुश्किल से निकल रहे। जगह-जगह जलभराव से साथ लगते घरों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और संक्रमण फैलने का डर सताने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस लापरवाही के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासी सूबेदार कुलवीर सिंह चौधरी के गेट के आगे तो तालाब बन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बीडीओ नगरोटा सूरियां को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। कुलवीर सिंह चौधरी ने बताया कि गेट के आगे पानी खड़ा होने की वजह की जनजीवन प्रभावित हो गई है। गंदगी और पानी से बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी बीमारियों की चपेट में आने का डर हैं। ग्रामीणों ने डीसी कांगड़ा व एसडीएम से गुहार लगाई है कि इस मामले पर उचित जांच की जाए। रास्ते का निर्माण जल्द किया जाए।

जलभराव से फैली गंदगी, बीमारी फैलने का खतरा

सूडोकू नवताल- 7533						**** मध्यम		
	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7532 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

एक दशक से कई परिवारों से विभाग नहीं ले पाया पानी के बिल

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान

बैजनाथ। बैजनाथ-पपरोला नगर परिषद के तहत आने वाले वार्ड नंबर 4 चिरथोली में जल शक्ति विभाग को लाखों का चूना लग रहा है। उक्त वार्ड में तीन दर्जन से ज्यादा घरों में जल शक्ति विभाग पानी के बिल उगाही करने में पिछले एक दशक से असमर्थ है।

लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार इस बाबत विभाग को बताया, लेकिन विभाग लोगों को उक्त घरों का डाटा देने की बात कहता है। लोगों को इस बात का भी डर सता रहा है कि कहीं विभाग उन्हें भारी मात्रा में बिलों की उगाही करने को न कह दे। वार्ड के मदनलाल, सुनील कुमार, रमेश कुमार, रमेश चंद, विनोद कुमार, माया देवी, अमृता, मंजू देवी, राय सिंह, अनुरूप, लेख राज आदि ने बताया कि विभाग ने लोगों से उनके आधार कार्ड भी लिए थे, जिसके बाद कहा था कि उनके पानी के बिल आ जाएंगे, लेकिन लंबे अंतराल बीत जाने के बावजूद उनके पास अभी तक पानी के बिल नहीं आ रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय पहले जल शक्ति विभाग की ओर से लोगों को पानी के भारी भरकम बिल थमा दिए गए थे, जिसका विरोध लोगों ने विभाग के कार्यालय में जाकर भी किया था, लेकिन यहां खुद विभाग पिछले एक दशक से लोगों से पानी के बिल लेने में रुचि नहीं दिखा सका है। इस बारे विभाग के एक्सईएन राहुल ने कहा कि विभाग के पास प्रभावित परिवार कोई पत्र दे गए हैं, तो उसमें उन घरों का पता लगाया जाएगा। विभाग उक्त वार्ड में अवैध पानी के कनेक्शन की जांच करेगा।

अनंत Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, अरूण सिंह पटियाल उम्र 49 वर्ष पुत्र श्री भागमल पटियाल, निवासी गांव चुमख़ा, डाकघर सिहली, तहसील सुंदरनगर, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश घोषणा करता हूं कि मैंने अपना नाम अरूण पटियाल से बदलकर अरूण सिंह पटियाल रख लिया है। सभी संबंधित कृपया ध्यान दें।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

मंगलवार, 26 अगस्त 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** भाद्रपद, **तिथि** शुक्ल त्रितीया (12:38) : **नक्षत्र** उत्तर फाल्गुनी (27:45), **पक्षः** शुक्ल, **योग :** सिद्ध (12:00), **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11:57-12:48)। **राहुकाल** (07:35-09:10)।

विशेष दिन

- 26 अगस्त: हरितालिका तीज व्रत आज।
- 26 अगस्त: केवड़ा तीज व रोठ तीज आज।

मेष निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

वृषः अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाएंगे।

मिथुनः अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है।

कर्क: दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

सिंहः चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कन्याः निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतोषजनक सफलता मिलेगी। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

तुलाः परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

वृश्चिक: संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है।

धनु: शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

मकरः मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है।

कुंभः महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

मीनः प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

चोलथरा में टूटने की कगार पर कलवर्ट

रितेश, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। राष्ट्रीय उच्च मार्ग 3 की गुणवत्ता अपने आप आए दिन, बाहर आ रही है। चोलथरा कल्वर्ट के ऊपर फिर से बड़ी बड़ी अतिरिक्त दरारें आ गई हैं, तथा पुल के लिए खड़ी की गई दीवार भी बाहर की तरफ़ आ रही है, जिससे पुल के गिरने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पुल के निचली तरफ़ जल शक्ति विभाग का कार्यालय है तथा स्कूली बच्चों सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चोलथरा के कर्मचारियों सहित ग्रामीणों का भी ये आम रास्ता है, जिनकी सबकी सुरक्षा खतरे में दिख रही हैं।

स्थानीय लोगों ने व्यापार मंडल, चोलथरा, ग्राम पंचायत प्रधान मेहर चन्द गारला, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश चन्द भारद्वाज, जल शक्ति विभाग के कर्मचारियों सहित ग्रामीणों ने केंद्र सरकार से तुरंत इस पुल को गिरा कर, गुणवत्ता सहित नए पुल का निर्माण करवाने की मांग की है तथा इस पुल के गिरने की वजह से होने वाले जानमाल की जिम्मेवारी सड़क परिवहन मंत्रालय को लेने की मांग की हैं। साथ ही ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन से संबंधित कंपनियों और अधिकारियों के ऊपर, लोगों को मारने की साज़िश रचने पर, कारवाई करने की मांग की हैं। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता व आर टी आई एक्टिविस्ट, रमेश चन्द भारद्वाज ने बीजेपी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर इत्यादि के माध्यम से सड़क परिवहन मंत्री, नितिन गडकरी को मौके पर तुरंत आने और उनके पास मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट एग्रीमेंट की कॉपी को, जनता हित में बदलने की मांग की हैं।

क्रमांक संख्या 5759 दिनांक 25/8/25

कार्यालय खंड विकास अधिकारी विकास खंड आनी जिला कुल्लू

सूचना

सर्व सधारण को अवगत करवाया जाता है कि विकास खंड आनी एंव पंचायत में समिति आनी को निम्न सामान व पौधा रोपण हेतू पौधों की आवश्यकता है।

विवरण निम्न प्रकार से है-

A. पंचायत समिति हेतू ।

1-Water cooler 40 Ltr, 60 Ltr, 80 Ltr. along with installation at site. 2-Water storage 1000Ltr, 2000Ltr, along with installation at site. 3-Computer. 4-Furniture Desk for GPS/Middle School/High school. 5-Library table, chair -FOR at site. 6-LED 52". 7-Mike System with Lecture mike. 8-Carton. 9-Visiting meeting chairs.

B. खण्ड कार्यालय हेतू -	**Qty./Nos.**
1. देवदार के पौधे 2 वर्ष	6000
2. रमिनिया के पौधे 1 वर्ष	4200
3. अखरोट के पौधे 1 वर्ष	8000

उपरोक्त (A) हेतू निविदादाता GST निविदादाता पंजीकृत होना चाहिए तथा व्यवहारिक रुप से उस सामान की आपूर्तित व installation का अनुभव साथ लगाना होगा ।

इसकी अदायगी फर्म को एक मुश्त नहीं होगी 3 चरणों में अदायगी होगी 3 बार Geo Tag करने के बाद ही होगी ।

मद (B) में पौधों की मांग संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा की जाएगी तथा सप्लाई व अदायगी उहीं के द्वारा की जाएगी ।

इच्छुक निविदादाता अपनी मोहर बन्द निविदा दिनांक 04-09-2025 तक समय 1 बजे तक दें जो उसी दिन 2 बजे कमेटी द्वारा खोली जाएगी ।

कमेटी को निविदा रद्द करने व स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा ।

हस्ता./-
खंड विकास अधिकारी
विकास खंड आनी जिला कुल्लू। फोन न0 01904-253346

> एक मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी होती हैं, जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना। -चाणक्य

संपादकीय

भारत-चीन संबंधों की नई धुरी

अमेरिकी टैरिफ नीति के बाद भारत की विदेश और आर्थिक नीति में अचानक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। लंबे समय तक अमेरिका को भारत का रणनीतिक साझेदार माना जाता रहा, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत पर जिस तरह से दबाव की राजनीति की जा रही है, उसने भारत को विकल्प तलाशने के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि अब भारत और चीन के बीच तीन व्यापारिक रास्तों-हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में शिपकी-ला, उत्तराखंड के लिपुलेख और सिक्किम के नाथू-ला से सीमा व्यापार शुरू करने पर सहमति बनी है। यह घटनाक्रम भारत-चीन संबंधों के बदलते परिदृश्य को दर्शाता है। दरअसल, अमेरिका ने अपने हित साधने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध का बहाना बनाकर टैरिफ की मार पूरी दुनिया पर डाली है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत और चीन रूस से तेल न खरीदें, जिससे रूस की अर्थव्यवस्था कमजोर हो और अमेरिका अपने शर्तों पर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करता रहे, लेकिन भारत जैसे देश अब एकतरफा दबाव में झुकने के बजाए अपने हितों को केंद्र में रखकर नीतियां तय कर रहे हैं। यहां यह भी याद रखने की जरूरत है कि अमेरिका ने भारत का कभी बहुत बड़ा भला नहीं किया। इंदिरा गांधी के दौर में 1971 के युद्ध के समय अमेरिका ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था। तब इंदिरा गांधी ने अपने दम पर फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ को कमान सौंपी और पाकिस्तान को परास्त कर बांग्लादेश का निर्माण कराया।

इतिहास गवाह है कि अमेरिका उस समय भी भारत की राह में रोड़े अटका रहा था। ऐसे अनुभव भारत को यह सिखाते हैं कि अमेरिका से आंख मूंदकर दोस्ती करना किसी भी लिहाज से सुरक्षित विकल्प नहीं है। अब जबकि शिपकी-ला से व्यापार शुरू होने जा रहा है, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू का इसमें विशेष योगदान माना जा रहा है। उन्होंने पहले इस दर्रे को पर्यटकों के लिए खोला और अब केंद्र सरकार को व्यापार के लिए राजी कर लिया। शिपकी-ला और इंदिरा प्वाइंट पर पर्यटक पहले सिर्फ सीमा को निहारने के लिए 20 मिनट तक ही रुकते थे, लेकिन अब जब यहां व्यापार का मार्ग प्रशस्त होगा तो क्षेत्र में चहल-पहल और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। स्थानीय लोगों के लिए यह एक बड़ा अवसर साबित हो सकता है। भारत और चीन के रिश्तों का इतिहास हालांकि भरोसे से ज्यादा अविश्वास का रहा है। 1962 का युद्ध, गलवान घाटी की झड़पें और बार-बार सामने आते सीमा विवाद दोनों देशों के बीच गहरी खाई का सबूत हैं। चीन एक ऐसा पड़ोसी है, जो अपनी रणनीति और चालों के लिए मशहूर है। इसलिए भारत को यह समझना होगा कि सीमा व्यापार की सहमति का मतलब स्थायी दोस्ती नहीं है। चीन की मजबूरी यह है कि अमेरिका ने उस पर भी भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं और उसका व्यापार वहां घाटे का सौदा साबित हो रहा है। ऐसे में भारत, जो दुनिया का बड़ा बाजार है, उसके लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि स्वदेशी और मेक इन इंडिया का क्या होगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादन की बात करते रहे हैं। ऐसे में चीन से बड़े पैमाने पर आयात भारत की घरेलू उत्पादन क्षमता को कमजोर कर सकता है। भारत को यह संतुलन साधना होगा कि जहां चीन के साथ व्यापारिक अवसरों का फायदा लिया जाए, वहीं घरेलू उद्योगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। चीन का माल भारतीय बाजार में हमेशा हाथोंहाथ लिया जाता रहा है, लेकिन यह भी सच है कि वही चीन सबसे पहले हमारे उद्योगों की रीढ़ पर चोट करता है। हिमाचल प्रदेश को यदि शिपकी-ला से व्यापार का अवसर मिलता है तो यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। सीमांत क्षेत्रों के लोगों को रोजगार मिलेगा, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी। पांच साल बाद इस मार्ग से व्यापार की बहाली एक नई शुरुआत होगी, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि व्यापारिक अवसरों की आड़ में सुरक्षा और कूटनीतिक चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। सीमा पर चीन के इरादों पर हमेशा संदेह बना रहता है। भारत की विदेश नीति आज एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। एक ओर चीन के साथ नए अवसर खुल रहे हैं, दूसरी ओर अमेरिका जैसा महाशक्ति देश नाराज भी नहीं होना चाहिए। चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने के साथ-साथ भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अमेरिकी संबंध बिगड़ें नहीं। दोनों मोर्चों पर संतुलन साधना ही आज की कूटनीति की असली चुनौती है। भारत के लिए यही रास्ता सबसे सही है कि वह अपने पड़ोसियों से व्यापारिक और सांस्कृतिक रिश्ते बनाए, लेकिन किसी भी दबाव या आकर्षण में अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता न करे। हिमाचल के शिपकी-ला से लेकर सिक्किम और उत्तराखंड तक खुलने वाले व्यापारिक मार्ग भारत-चीन संबंधों की नई धुरी तो हैं, लेकिन इस धुरी पर भारत को पूरी सतर्कता और संतुलन के साथ ही आगे बढ़ना होगा। यही संतुलन भारत की आर्थिक ताकत और कूटनीतिक साख को लंबे समय तक मजबूती प्रदान करेगा। ■

सिंधु की पुकार : संप्रभुता की वापसी और गौरव की बहाली

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचूर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

अर्जुन राम मेघवाल
केंद्रीय विधि व न्याय राज्यमंत्री

संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन, ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार-विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया। देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति-उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया।

यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे,

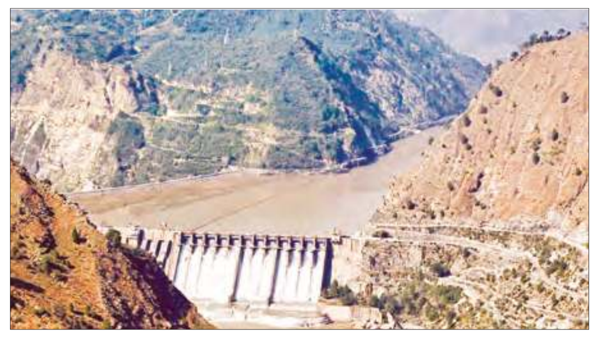

जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी। मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है।

इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए, जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी। हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन इसे दो महीने बाद नवंबर में संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं।

अनंत ज्ञान

इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी। संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी। अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। कुल मिलाकर, इस संधि को 'एकतरफा, न कि लेन-देन पर आधारित' कहा जा सकता है।

इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, 'मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को... एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है... इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है।' इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण-दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। अब, मोदी सरकार इस ऐतिहासिक भूल को सुधारने की दिशा में एक और निर्णायक एवं साहसिक कदम उठा रही है।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को तब तक के लिए स्थगित कर दिया है, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अंतिम रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना छोड़ नहीं देता। प्रधानमंत्री मोदी जी का स्पष्ट आह्वान राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने वालों के लिए एक कड़ी चेतावनी है कि 'आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते; पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते।' यह कदम पिछली नीतियों से अलग हटकर एक साहसिक और ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह एक ऐसा साहसिक कदम है, जो आत्मनिर्भरता, स्थिरता और समावेशी विकास के मिशन के साथ गहराई से जुड़ा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

क्या खुशी के लिए उम्रभर मेहनत करना गलत है?

साधन-संपन्न हम इसलिए होना चाहते हैं क्योंकि कहीं न कहीं हम ये मानते हैं कि साधन-संपन्न होने से ही हम खुश हो सकते हैं। फिर हम वे सारे संपन्न जुटाने लगते हैं, जो साधन-संपन्न होने के द्योतक हैं। सारी जिंदगी हम इन साधनों को जुटाने में अपनी जिंदगी तबाह कर देते हैं और इनके चक्कर में हम खुश होना भूल जाते हैं।

डॉ. दमन आहूजा
माइंडफुलनेस थैरेपी के एक्सपर्ट

सोचते हैं कि एक बार जब संपन्नता के साधन जुटा लेंगे तो आराम से खुश होंगे। पहले अपने लिए इन्हें जुटाते हैं, फिर अपने बच्चों के लिए लग जाते हैं। इन सबको करते हुए जब हमारे बच्चे हमें देखते हैं तो वे भी इसी दुश्चक्कर में फंस जाते हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था और समाजिक व्यवस्था में भी ये सब प्रतिष्ठित होने लगा है। इतने साधन जुटाने में हमारा ज्यादातर समय मकान, दुकान, नौकरी, व्यापार में ही निकल जाता है, शरीर हमारा बेचारा बार बार हमें संकेत देता रहता है कि कुछ ठीक नहीं हो रहा है, कुछ समय अपने लिए भी निकालो और एक संवाद हमारे भीतर भीतर चलता रहता है कि 'भाई तुम्हारे लिए ही तो कर रहा हूं सब!' खुश हम सब साधन जुटाने के बाद भी नहीं रह पाते।

हाल ही में कर्नाटक में एक नेता के घर से करोड़ों रुपए कैश, देश विदेश में केसिनो के जरिए जुआ खिलाने के चलते रेड में तमाम जानकारियां हतप्रभ

करने वाली हैं, बिजनस टाइकून अनिल अंबानी के फर्जीवाड़े की खबरें खूब छप रही हैं। ये सब लोग संपन्न होने के बावजूद क्या खुश हैं? अक्सर लोगों को जब पता लगता है कि रिटायर होने की उम्र आ गई है, तो उनका दिल मानता ही नहीं, कुछ और दिनों तक और काम मिल जाए तो ठीक होगा।

मैंने अक्सर लोगों को कहते हुए सुना है कि यदि हम बैठ गए तो फिर जल्द बूढ़े हो जाएंगे। पुराने लोग रिटायर नहीं होंगे, तो युवाओं को रोजगार कहां से मिलेगा, रोजगार तो वैसे भी सीमित हैं। अक्सर रिटायरमेंट के बाद बहुत से लोग, हाई ब्लड प्रेशर, शुगर और घुटनों के दर्द से परेशान होकर जो साधन उन्होंने उम्रभर इकट्ठे किए थे, उनसे सुख लेते हुए खुश नहीं रह पाते। डॉक्टर कहता है, वॉक किजिए, शुगर मत लीजिए, उबला हुआ खाना खाइए, फ्राई तो बिलकुल नहीं। कहां गलती हो गई, क्या बच्चों के लिए साधन जुटाना गलत है?

अनंत ज्ञान

क्या उम्रभर मेहनत करना गलत है? हो न हो हमने सुख के साधनों के साथ अपनी खुशी को जोड़ कर देखा है। मैं नहीं कहता कि जिंदगी जीने के लिए मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना गलत है, लेकिन उसके लिए हमारा स्वयं के साथ एवं हमारी आसपास की प्रकृति के साथ समन्वय ध्वस्त हो जाए, हमारे भीतर और बाहर के पंच धातु, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु आकाश के साथ-साथ जीव-जंतु एवं अंतरिक्ष के साथ हमारा संबंध टूट जाए तो साधन जितने भी इकट्ठे कर लें, खुश नहीं रह पाएंगे।

वास्तव में खुशी तो हमारे भीतर और बाहर की प्रकृति के संतुलन से स्वयं ही घटती है। आज जो हम घर घर में एक्स्ट्रा मैरिटल रिलेशनशिप की एवं बच्चों के संस्कारित न होने की समस्या से जूझ रहे हैं, उसके पीछे भी अतिरिक्त साधनों को इकट्ठा करने की होड़ में परिवार को उचित समय न देना भी बड़ा कारण है। खुशी और संतोष हमारी अपनी सांस्कृतिक पद्धति में मौजूद है, जरूरत है उसे समझ कर अपने व्यवहार में उतारने की।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

ज्यादा बारिश होने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहला कारण है भौगोलिक स्थिति-कुछ स्थान जैसे पहाड़ी क्षेत्र या समुद्र के पास के इलाके प्राकृतिक रूप से अधिक वर्षा प्राप्त करते हैं। दूसरा मुख्य कारण है मानसूनी हवाएं, जो समुद्र से नमी लेकर आती हैं और जमीन से टकराकर बारिश करवाती हैं। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे बादल अधिक बनते हैं और तेज बारिश होती है। वनों की कटाई, तेजी से होता शहरीकरण और प्रदूषण भी बारिश के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ते हैं। कभी-कभी चक्रवात या अवदाब (डिप्रेशन) जैसे मौसमी तंत्र एक ही क्षेत्र में कई दिनों तक लगातार बारिश ला सकते हैं। इन सभी कारणों से कहीं-कहीं बहुत ज्यादा बारिश होती है।

-शिवाय अवस्थी, जंडपुर

आत्मनिर्भर भारत के लिए तैयार करने होंगे स्वदेशी विकल्प

जब भी आत्मनिर्भर भारत की बात आती है, मेरे मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या हमें इसकी चर्चा आज की परिस्थितियों से शुरू करनी चाहिए या इसके इतिहास को समझने से? मैं मानता हूं कि किसी भी विषय को समझने और आगे बढ़ाने से पहले उसके इतिहास को जानना जरूरी होता है। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब हमारी स्थिति इतनी दयनीय थी कि एक छोटी सी सुई तक हमें विदेशों से मंगवानी पड़ती थी। उस समय देश पूरी तरह से आर्थिक, तकनीकी और औद्योगिक रूप से निर्भर था। ऐसे में आत्मनिर्भर भारत की कल्पना कर पाना आसान नहीं था।

विकर्ण डोगरा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

विदेशी वस्तुओं का त्याग करना भी व्यावहारिक नहीं था, क्योंकि उनके विकल्प हमारे पास उपलब्ध नहीं थे। यदि हम किसी वस्तु को त्यागते, तो उसकी जगह लेने के लिए हमारे पास कोई समाधान नहीं होता और हमें फिर से उसी वस्तु को अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ता। समय के साथ हमने अपने देश में उद्योग-धंधों को बढ़ावा दिया। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, कृषि और रक्षा क्षेत्रों में हम आत्मनिर्भर बनने लगे। समाचार पत्रों, टेलीविज़न और बुजुर्गों की बातों से हमने जाना कि भारत ने धीरे-धीरे कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल की, लेकिन जैसे-जैसे विदेशी वस्तुएं सुलभ, सस्ती और गुणवत्ता में बेहतर लगीं, वैसे-वैसे हमने स्वदेशी वस्तुओं का त्याग करना शुरू कर दिया।

इससे हमारी घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा और हम फिर से विदेशी कंपनियों पर निर्भर होते चले गए। आज हम देख सकते हैं कि हमारे जीवन में कितनी विदेशी

चीजें शामिल हैं-गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, मोबाइल फोन, लैपटॉप, कोका कोला, पेप्सी आदि। मैं खुद जिस मोबाइल फोन से यह लेख लिख रहा हूं, वह भी पूरी तरह से विदेशी है। जब मैं यह सोचता हूं कि क्या भारत में कोई पूर्णतः स्वदेशी मोबाइल कंपनी है, तो इसका उत्तर 'नहीं' मिलता है।

इसका मतलब है कि हम अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर नहीं बन पाए हैं और अगर हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है तो सबसे पहले इन क्षेत्रों में स्वदेशी विकल्प तैयार करने होंगे।

अनंत ज्ञान

यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के वैश्विक युग में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो सकता। अमेरिका, चीन जैसे शक्तिशाली देश भी कई आवश्यक वस्तुएं दूसरे देशों से आयात करते हैं। लेकिन इन देशों की सरकारें अपने देश में बनी चीजों को प्राथमिकता देती हैं और जनता भी उन उत्पादों को गर्व से अपनाती है। हम भारतीय भी यदि पूर्ण आत्मनिर्भर नहीं बन सकते, तो कम से कम विदेशी निर्भरता को जरूर कम कर सकते हैं। इसके लिए हमें केवल सरकार पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। देश के हर नागरिक को अपने स्तर पर योगदान देना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की शुरुआत की है। सरकार ने 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' जैसी योजनाओं के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया है, लेकिन जब तक देशवासी विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार नहीं करेंगे और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक यह सपना अधूरा ही रहेगा। हमें अपने युवाओं को नवाचार, तकनीकी विकास और उद्यमिता की ओर प्रेरित करना होगा। शिक्षा व्यवस्था में भी ऐसे बदलाव लाने होंगे जो आत्मनिर्भरता की सोच को बढ़ावा दें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की संस्थापक

मदर टेरेसा रोमन कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने सन 1948 में स्वेच्छा से भारतीय नागरिकता ले ली थी। उन्होंने 1950 में कोलकाता में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। 45 सालों तक गरीब, बीमार, अनाथ और मरते हुए लोगों की मदद की और साथ ही 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के प्रसार का भी मार्ग प्रशस्त किया। मदर टेरेसा ने जिस आत्मीयता से भारत के दीन-दुखियों की सेवा की, उसके लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। मदर टेरेसा का वास्तविक नाम एग्नेस गोनक्शा बोजाक्शिहउ था। मदर टेरेसा का जन्म यूगोस्लाविया में हुआ। मदर टेरेसा को पीड़ित मानवता की सेवा के लिए विश्व के अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें पद्मश्री 1962, नोबेल पुरस्कार 1979, भारत का सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' 1980 में। ■

मदर टेरेसा
जन्म : 26 अगस्त,1910
मृत्यु : 5 सितंबर,1997

कविता

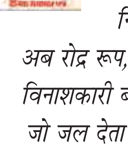

फटते बादल सहज नहीं

बचन सिंह घटवाल, मस्सल (कांगड़ा) हिमाचल प्रदेश

तेवर बदल-बदल बरसे जल कण, बादल भटके, भय व्याप्त हुआ।
खोकर नियंत्रण, दल-बल सहित, तबाही का खेल पर्याप्त हुआ।।
पहाड़ों पर बरस बरसकर अब गरज रहा बादल मतवाला।
तोड़े घर, फोड़े पहाड़, मारे दहाड़, बह निकला मलबे संग नाला।।
आफत बनकर जल का रेला, बहा रहा घर मकान और दुकान।
लाखों टन पानी एक साथ, बना रहा सबकुछ शमशान।।
निर्मल हृदय सदैव तत्पर, करते हो प्रकृति निर्माण।
अब रोद्र रूप, प्रलयकारी बन, मत दो ऐसे विकट प्रमाण।।
विनाशकारी बनकर न बरसो, जीवन लय को दे दो सहारा।
जो जल देता जीवन सबको, वह नहीं हो सकता हत्यारा।।
फटते बादल सहज नहीं है, असंतुलित पर्यावरण का रूप।
क्रुद्ध है मानव पर, ये बादल, जिसने बदला भू का स्वरूप।।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

उफ! यह बरसात, सपनों की नाव और सच्चाई का सैलाब

बरसात, एक ऐसा नाम है, जिसे सुनते ही मन के भीतर एक अजीब-सी हलचल उठती है। कहीं यह बचपन की मासूम किलकारियों का स्मरण कराती है, कहीं प्रेमियों के रोमांस की रिमझिम बन जाती है, तो कहीं पहाड़ों की वादियों में त्रासदी का चेहरा ओढ़ लेती है। खिड़की के शीशों पर टप-टप करती बूंदें हों या मिट्टी की सोंधी खुशबू, बारिश का हर रूप दिल को छू लेने वाला होता है।

रजनीश रांगड़ा
प्रधानाचार्य, टौणी देवी स्कूल

हिमाचल की गोद में तो बरसात मानो कोई चित्रकार बनकर आती है। हरे-भरे जंगल, धुंध में छिपे देवदार और चीड़, गूंजते झरने और बादलों से भरे आसमान। यह मौसम हमें जीवन की तरलता, नमी और ताजगी का अनुभव कराता है। मगर इसी में भय और असुरक्षा का एक साया भी छुपा रहता है। बरसात का नाम आते ही बचपन की यादें भी अनायास ही ताजा हो जाती हैं। वह वक्त जब हम कागज की नाव बनाकर नालियों और छोटी-छोटी धाराओं में तैराया करते थे। बरसाती पानी के साथ बहती वह नाव जैसे हमारे सपनों की छोटी-सी यात्रा होती थी। कभी वह नाव किसी पत्थर से अटक जाती, तो कभी लहरों के संग दूर वह निकलती। बरसात में खेलते-खेलते भीगना, छतरी से बच्चकर भी बारिश में भीगने की जिद करना, पेड़ों की पत्तियों से गिरती बूंदों को हथेली पर पकड़ना यह सब कुछ जीवन की सबसे मासूम यादों में शामिल है। शायद यही कारण है कि आज भी बारिश की पहली बूंदें हमें बचपन के उन्हीं दिनों की गोद में ले जाती हैं।

बरसात केवल मासूमियत और रोमांस का नाम नहीं है, बल्कि यह पहाड़ों में रहने वालों के लिए डर और सतर्कता की एक गहरी सीख भी है। हिमाचल प्रदेश में हर साल जब मानसून दस्तक देता है, तो साथ ही बाढ़, भूस्खलन और सड़क धंसने जैसी त्रासदियां भी दस्तक देती हैं। झरनों का

सौंदर्य कई बार खौफनाक रूप ले लेता है। नदियों का उफान गांवों और शहरों की जिंदगी को अस्त-व्यस्त कर देता है। बारिश जहां खेतों को सींचती है, वहीं खेतों को बहाकर भी ले जाती है। पहाड़ों में रहने वाले लोग इस सच्चाई से अनजान नहीं हैं कि बरसात का रोमांस कई बार जानलेवा साबित हो सकता है। फिर भी, इंसान का मन बारिश की बूंदों से जुड़ी सकारात्मकता और सौंदर्य को पहले याद करता है।

अनंत ज्ञान

कितनी ही कहानियों और कविताएं बरसात की मस्ती पर लिखी गई हैं। किसी के लिए यह प्रियतमा के संग बैठकर चाय पीने का मौसम है, तो किसी के लिए यह बूंदों में गुनगुनाने का। किसी कवि ने लिखा था कि 'बरसात दिलों को जोड़ती है' पर शायद उन्होंने यह नहीं कहा कि कई बार यही बरसात रिश्तों की कसौटी भी बन जाती है। पहाड़ों की सच्चाई यही है कि हर घर में बरसात के दिनों में एक डर छुपा होता है कि कहीं रास्ता बंद न हो जाए, कहीं पुल टूट न जाए, कहीं भूस्खलन से घर खतरे में न पड़ जाए। बच्चे जब कागज की नावों के साथ खेलते हैं तो उनके माता-पिता मन ही मन यही दुआ करते हैं कि यह बरसात केवल खेल बनकर रह जाए, कोई अनहोनी साथ न लाए।

बरसात हमें यह भी सिखाती है कि जीवन कितना अस्थायी और असुरक्षित है। एक ओर यह जीवन का संचार करती है, तो दूसरी ओर यह पल भर में सब कुछ बहा भी ले जाती है। पहाड़ों में यह द्वंद्व हर साल देखने को मिलता है। यही वजह है कि बरसात का जिक्र आते ही मन में दो भाव एक साथ जन्म लेते हैं, एक तरफ बचपन की मस्ती और रोमांस, तो दूसरी ओर भय और सतर्कता। संतुलन ही वह नाव है जो हमारे सपनों को सैलाब से बचाकर सुरक्षित किनारे तक पहुंचा सकती है।

बरसात हमें यह भी सिखाती है कि प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा कितना खतरनाक हो सकता है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों के किनारे निर्माण और पहाड़ों को कमजोर करने वाले काम, बरसात के दौरान होने वाली त्रासदियों को और भी भयानक बना देते हैं। अगर हमने पर्यावरण की रक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ियां केवल कागज की नाव की यादों में ही बरसात का आनंद खोजेंगी, वास्तविकता में नहीं। हिमाचल की वादियों में बरसात का आनंद तभी सुरक्षित है, जब हम सतर्क रहें। यात्राओं से पहले मौसम की जानकारी लेना, जोखिम भरे रास्तों से बचना, नदी-नालों के पास न ठहरना और प्रशासन की चेतावनियों का पालन करना ये सब सावधानियां आवश्यक हैं। आज आवश्यकता है कि हम इस बरसात को केवल गीत और कविताओं तक सीमित न करें, बल्कि इससे जुड़ी गंभीर सच्चाइयों को भी समझें। अगर हमें आने वाली पीढ़ियों को बरसात की मस्ती और मासूमियत लौटानी है तो हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाना होगा। आखिरकार, बरसात हमें यह संदेश देती है कि जीवन में हर चीज दो पहलुओं के साथ आती है खुशी और चुनौती, रोमांस और त्रासदी, सपनों की नाव और सच्चाई का सैलाब। हमें बस इतना करना है कि इन दोनों पहलुओं को समझकर संतुलन बनाना है, तभी बरसात हमें डराने के बजाए जीने का असली सबक सिखा पाएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

बारिश से गध्याणी में गिरा मकान

परिवार का सारा सामान मलबे में दबा, मदद को आगे आई सेवा भारती संस्था

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत बकारटा के गांव ऊपरी गध्याणी में भारी बारिश ने कहर बरपाया। गांव निवासी धर्मवीर पुत्र हरिराम शर्मा का दो कमरों का कच्चा मकान रविवार देर रात करीब साढ़े नौ बजे अचानक ढह गया। गनीमत यह रही कि हादसे के समय धर्मवीर, उनकी पत्नी और बच्चे अपने भाई के घर पर थे, अन्यथा कोई बड़ा जानी नुकसान हो सकता था।

धर्मवीर ने बताया कि बीते दिनों से लगातार बारिश के कारण मकान में दरारें आ गई थीं। बरसात के चलते परिवार केवल दिन में वहीं खाना पकाने और आवश्यक कार्य करने आता था, जबकि रात को भाई के घर

बारिश के कारण गिरा मकान।

सोने चला जाता था। रविवार रात आई तेज बारिश के कारण पूरा मकान

राजस्व अधिकारी ने नुकसान का जायजा लेकर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी

ध्वस्त हो गया और उसमें रखा सामान जैसे गैस सिलेंडर, बर्तन, कपड़े, बिस्तर और खाने-पीने की सामग्री मलबे में दब गई। धर्मवीर के अनुसार इस घटना से उन्हें करीब तीन लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। और परिवार बेघर हो गया है बच्चे छोटे छोटे है। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लेकर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है। वहीं स्थानीय पंचायत प्रधान सुमन ठाकुर भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने प्रभावित परिवार को ढांढस बंधाया और प्रशासन से शीघ्र राहत व सहायता प्रदान करने की मांग की।

गांव में हुए इस हादसे से लोगों में भारी दुख है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से अपील की है कि बरसात के मौसम में ऐसे प्रभावित परिवारों की तुरंत मदद सुनिश्चित की जाए ताकि वे सुरक्षित जीवन यापन कर सकें।

उधर, धर्मवीर के मकान गिरने की सूचना सोशल मीडिया पर आने के बाद सेवा भारती सरकाघाट के सचिव ललित जमवाल घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावित को आटा चावल दालें रजाई दरी कंबल गद्दे पहनने के कपड़े और रसोई का सामान उपलब्ध करवाया।

नदी-नालों से दूर रहें यात्रा से बचें: डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा 25 अगस्त दोपहर बाद से 26 अगस्त प्रात: तक भारी बारिश व बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए मंडी जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी किया है। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने नागरिकों व पर्यटकों से अपील की है कि वे ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों, नदी-नालों व भूस्खलन संभावित स्थलों की ओर न जाएं। उन्होंने कहा कि अत्यावश्यक स्थिति में ही यात्रा करें और निकलने से पहले मौसम व सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें। उपायुक्त ने बताया कि जलाशयों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में समय-समय पर पानी छोड़ा जाता है। लोगों से अपील है कि वे नदी-नालों के किनारे न जाएं और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में लोग टोल फ्री हेल्पलाइन 1077 या जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 01905-226201, 226202, 226203, 226204 पर संपर्क कर सकते हैं।

नेला में मलबा हटाने व जलस्रोत बदलने की मांग

नगर निगम मंडी की बैठक में उठे कनेक्टिविटी और भू-संरक्षण जैसे अहम मुद्दे

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। नगर निगम मंडी की हालिया साधारण बैठक में तीन प्रमुख एजेंडों पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ड नंबर 4 (नेला) के पार्षद राजेंद्र मोहन ने क्षेत्र में बन रहे जंक्शन तथा एनएचएआई द्वारा की गई कटिंग से फैले मलबे को हटाने, जलस्त्रोत को स्थानांतरित करने और नालियों की मरम्मत की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नेला क्षेत्र को कुल्लू-मनाली और अप्पर भ्यूली से बेहतर जोड़ने की मांग भी रखी।

वार्ड नंबर 3 के पार्षद सोमेश उपाध्याय ने अप्पर भ्यूली क्षेत्र में पठानकोट-मनाली मार्ग के सुचारू संचालन व बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता जताई। साथ ही उन्होंने आइआरआईटी क्षेत्र को भी इस कनेक्टिविटी में शामिल करने पर जोर दिया।

इसी प्रकार वार्ड नंबर 1 की पार्षद अलकनंदा हांडा ने छिपणू, बिजनी और हमग्राम क्षेत्रों को फोरलेन मार्ग से जोड़ने और आवागमन सुगम बनाने हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की।

अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

बैठक के उपरांत महापौर वीरेंद्र भट्ट शर्मा की अध्यक्षता में नगर आयुक्त रोहित राठौर, सहायक अभियंता नरेश तथा एनएचएआई अधिकारियों ने विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जंक्शन, अप्पर भ्यूली की निर्माणाधीन टनल तथा वार्ड 4 में स्थित बावड़ी का जायजा लिया गया।

शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन: निरीक्षण के बाद अधिकारियों को मलबा हटाने और सुरक्षा दीवार लगाने के निर्देश दिए गए, जिस पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन मिला। साथ ही भीमाकाली मंदिर से खलियार तक सड़क पर पड़े गड्ढों और नालियों की मरम्मत हेतु भी निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी और सुरक्षित यातायात ही नगर निगम की प्राथमिकता है, जिससे समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

बामन देव ने सीएम को सौंपा आपदा पर ज्ञापन

कविता, अनंत ज्ञान, पधर। भारी बरसात से उत्पन्न आपदा के कारण द्रंग विधानसभा क्षेत्र में व्यापक नुकसान को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्रंग के पूर्व अध्यक्ष बामन देव ठाकुर ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि इस बार प्रदेश में बरसात ने कहर ढाया है, लेकिन जिला मंडी और विशेषकर द्रंग क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुआ। बामन देव ठाकुर ने पत्र में सड़कें, पुल, पेयजल और सिंचाई योजनाओं, बागबानी, आवासीय भवनों और धार्मिक स्थलों को हुए नुकसान का विवरण दिया। कई घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, कुछ मकान जमींदोज हुए और भूस्खलन के कारण कई परिवार बेघर हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र का दौरा कर राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए। उपायुक्त मंडी को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर मौके पर राहत कार्यों का जायजा लेने और प्रभावित परिवारों को आवश्यक मदद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बामन देव ठाकुर ने मुख्यमंत्री के त्वरित संज्ञान को द्रंग क्षेत्र की जनता के लिए राहत बताया और राज्य सरकार के सहयोग की उम्मीद जताई।

ढोल से वाया ठाणा सड़क बेहाल, मुश्किलें बढ़ीं

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट की ढोल से वाया ठाणा सड़क पिछले वर्ष 2024 की बरसात से बुरी तरह क्षतिग्रस्त पड़ी है। नालियों में मिट्टी भर जाने से बरसात का पानी लोगों के घरों और खेतों में घुस रहा है। यह सड़क ढोल, नैण, ठाणा, गोपालपुर, बडाल, कोटलू, स्वाडी और चमैणू गांवों को जोड़ती हुई फतेहपुर और चंदैश तक जाती है। खराब हालत के कारण यहां से छोटी गाड़ियां, बाइक, टैक्सी और स्कूल वाहन तक जोखिम उठाकर गुजरते हैं। ग्रामीण विजय कुमार, ज्ञान चंद, नरेश कुमार सहित कई लोगों ने सरकार और विभाग से बार-बार गुहार लगाई, लेकिन अब तक सुधार नहीं हुआ। लोक निर्माण विभाग सरकाघाट के अधिशासी अभियंता अनिल कुमार ने कहा कि सड़क विभाग की प्राथमिकता में है और मौसम अनुकूल होते ही बहाली का कार्य शुरू किया जाएगा।

लॉर्ड्स के 3 विद्यार्थी एनआईटी हमीरपुर में चयनित

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। लॉर्ड्स कान्वेंट स्कूल सरकाघाट के तीन होनहार छात्रों ने जेईई मेंस जैसी कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। महक ठाकुर ने 93 परसेंटाइल हासिल कर एनआईटी हमीरपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्रवेश पाया है। सुरभि नेगी ने भी 93 परसेंटाइल स्कोर कर बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर में प्रवेश लिया, जबकि अभिजय राणा ने 97 परसेंटाइल प्राप्त कर एनआईटी हमीरपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में दाखिला हासिल किया। विद्यालय की प्रिंसिपल सपना बराड़ी ने बताया कि यह गौरव की बात है कि तीनों ही छात्र न केवल पढ़ाई में बल्कि सह-पाठयक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। स्कूल प्रबंधक कर्नल बलवंत सिंह बराड़ी ने सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिवा गांव के मोहित बने डॉक्टर, क्षेत्र में खुशी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। द्रंग विधानसभा क्षेत्र की बदार घाटी के गांव शिवा के मोहित ठाकुर ने डॉक्टर बनकर इतिहास रच दिया है। दुर्गम क्षेत्र से आने वाले मोहित इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले युवक बने हैं। उनके पिता हेम राज जेबीटी अध्यापक और माता गीता देवी कला अध्यापिका हैं। मोहित ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय प्राथमिक पाठशाला सूमा शिकारी से प्राप्त की और जमा दो जवाहर नवोदय विद्यालय से 94 अंकों के साथ उत्तीर्ण किया। नीट की परीक्षा पहले ही प्रयास में पास कर उन्होंने नाहन मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। हाल ही में लोक सेवा आयोग की परीक्षा व छंटनी परीक्षा में भी सफलता पाई और अब वे बतौर चिकित्सा अधिकारी सेवाएं देंगे। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

जोगिंद्रनगर की 11 पंचायतों ने पानी संकट पर सौंपा ज्ञापन

26 करोड़ की एडीबी पेयजल योजना पूरी करने की उठी मांग

अभिषेक, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र की 11 पंचायतों में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों ने सोमवार को बड़ा कदम उठाया। पंचायत प्रतिनिधियों, जिला परिषद सदस्य ममता भाटिया तथा पूर्व जिला परिषद सदस्य संजीव शर्मा ने एसडीएम जोगिंद्रनगर को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 26 करोड़ रुपये की पेयजल योजना को तुरंत पूरा किया जाए।

प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि यह योजना पूरी हो जाती है तो क्षेत्र की लगभग 20 हजार से अधिक आबादी को पानी की समस्या से स्थायी राहत मिल सकती है। उनका आरोप है कि योजना का आधे से

20 हजार से ज्यादा आबादी को मिल सकती है स्थायी राहत

आधे से ज्यादा काम पूरा विभागीय लापरवाही से अटका शेष कार्य

ज्यादा कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है, लेकिन राजनीतिक कारणों और विभागीय लापरवाही के चलते शेष कार्य वर्षों से अधर में लटका हुआ है।

उहल होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जिला परिषद सदस्य ममता भाटिया ने कहा कि आम जनता इस लापरवाही का खामियाजा भुगत रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि योजना को जल्द पूरा नहीं किया गया तो प्रभावित पंचायतों के लोग आंदोलन छेड़ने पर मजबूर होंगे।

पूर्व जिला परिषद सदस्य संजीव शर्मा ने कहा कि गर्मियों के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है। लांगणा व खडिहार पंचायतों में व्यास नदी से आने वाला सोर्स हर साल मानसून में बाढ़ व भूस्खलन से नष्ट हो जाता है, जिससे संकट और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि एडीबी योजना ही इस क्षेत्र की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान है। ज्ञापन सौंपने के दौरान तुलाह, खडिहार, कोंलग, लांगणा, खुडी, कथोन, त्रैम्बली, कुठेहडा, पीपली, धार, बघैर और रकतल पंचायतों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। ग्रामीणों ने सरकार से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है।

निरंतर बारिश से मंडी में पेयजल आपूर्ति बाधित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। लगातार हो रही भारी बारिश से मंडी शहर की पेयजल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो गई है। जल शक्ति विभाग के सहायक अभियंता रोहित गुप्ता ने बताया कि ब्यास नदी में सिल्ट बढ़ने और जल स्तर ऊंचा होने से पड्डल पंप हाउस से पानी की आपूर्ति रुक गई है। वहीं उहल पेयजल योजना भी उहल नदी में आई फ्लैश फ्लड के कारण प्रभावित हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि आगामी दो दिनों तक शहर में नियमित आपूर्ति बहाल नहीं हो पाएगी। विभाग ने लोगों से पानी का संयमित उपयोग करने और सहयोग बनाए रखने की अपील की है। विभागीय अधिकारी और कर्मचारी लगातार पेयजल लाइनें दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। विषम परिस्थितियों के बावजूद विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द शहरवासियों को पानी उपलब्ध कराया जाए।

सरकाघाट में एक ही दिन दो पूर्व सैनिकों का निधन, क्षेत्र में शोक

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

तहसील सरकाघाट में सोमवार को दो पूर्व सैनिकों का निधन होने से पूरा क्षेत्र शोक में डूब गया। सधोट पंचायत के गांव बाहरु निवासी 86 वर्षीय भूतपूर्व सैनिक व एथलीट कैप्टन बाली राम का लंबी बीमारी के बाद चंडीगढ़ में देहांत हो गया। इसी दौरान जब भूतपूर्व सैनिक लीग के सदस्य उन्हें श्रद्धांजलि देने जा रहे थे, तो सीएसडी कैंटीन सरकाघाट के बाहर हवलदार सुशील कुमार (60) को हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी भी मौत हो गई।

हवलदार सुशील कुमार ग्राम पंचायत बसंतपुर के गांव हरलोट के निवासी थे और वर्तमान में सैनिक रेस्ट हाउस सरकाघाट में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। दोनों सैनिकों के निधन से क्षेत्र में गहरा शोक है। इस मौके पर

लीग के सीनियर वाइस चेयरमैन कैप्टन हुक्कम चन्द, सचिव कैप्टन बलदेव राज, सलाहकार कैप्टन रघवीर सिंह, सूबेदार मेजर विजय कुमार, सूबेदार विजय कुमार, कर्नल इंद्रजीत सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश चन्द भारद्वाज इत्यादि कई भूतपूर्व सैनिकों ने अंतिम संस्कार में श्रद्धांजलि देने के लिए शामिल हुए।

राष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन में कैप्टन लेखराज, विभा व शीतल का सम्मान

हस्तरेखा विशेषज्ञ कैप्टन लेखराज शर्मा को सम्मानित करते हुए।

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

शारदा ज्योतिष निकेतन, जोगिंद्रनगर के निदेशक एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ कैप्टन लेख राज शर्मा को हाल ही में पद्मेश इंस्टीट्यूट ऑफ वैदिक साइंसेज व सौमित्र दुबे फाउंडेशन द्वारा आयोजित 75वें राष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन में विशेष आमंत्रण मिला।

राज्यसभा सांसद व पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा मुख्य अतिथि रहे। इस मौके पर आचार्य इंदु प्रकाश मिश्रा, अजय भांबी, शैलेंद्र पांडे सहित सैकड़ों ज्योतिषाचार्यों ने अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों की भी मौजूदगी रही।

सम्मेलन में जोगिंद्रनगर की विभा शर्मा और सरकाघाट की शीतल शर्मा को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कैप्टन लेख राज शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है।

हाईकोर्ट ने दी सरकाघाट कॉलेज प्राचार्य को राहत

शिकायतकर्ता को 25,000 रुपए हर्जाना देने के आदेश, राज्य सूचना आयोग का आदेश भी किया निरस्त

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट के प्राचार्य डॉ. रिखी राम कौंडल को बड़ी राहत प्रदान की है। अदालत ने राज्य सूचना आयुक्त और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी द्वारा पारित आदेशों को विधि-विरुद्ध करार देते हुए निरस्त कर दिया। इसके साथ ही चम्याणु गांव के सेवानिवृत्त अधीक्षक संतोष कुमार पर 25,000 रुपये का हर्जाना लगाया गया। यह निर्णय डॉ. रिखी राम बनाम राज्य सूचना आयुक्त एवं अन्य (सीडब्ल्यूपी संख्या 4416/2025) में सुनाया गया।

मामले की पृष्ठभूमि में प्रतिवादी संतोष कुमार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत कुछ दस्तावेज़ मांगे थे। ये दस्तावेज उप निदेशक हमीरपुर कार्यालय से संबंधित थे और प्राचार्य डॉ. रिखी राम कौंडल इसी विभागीय जांच में जांच अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उच्च शिक्षा निदेशक कार्यालय के आदेशानुसार, इन दस्तावेजों

को आरटीआई के तहत उपलब्ध नहीं कराया जा सकता था। इसके बावजूद संतोष कुमार ने 5 जून 2024 को अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) के समक्ष प्रथम अपील दायर की, जिसमें 25 जून 2024 को सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

हालांकि, संतोष कुमार ने उक्त सूचना पहले ही प्राप्त कर ली थी। प्राचार्य ने उपनिदेशक हमीरपुर के दस्तावेज मंगाकर संतोष कुमार को उपलब्ध कराए। इस पर 28 फरवरी 2025 को राज्य सूचना आयोग ने प्राचार्य पर 5,000 रुपये का हर्जाना लगाया। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता कॉलेज मामलों में जन सूचना अधिकारी अवश्य थे, लेकिन विभागीय जांच में जांच अधिकारी होने के नाते उन्हें सूचना देने की बाध्यता नहीं थी। अदालत ने टिप्पणी की कि आरटीआई का दुरुपयोग कर हर प्रकार की जानकारी हासिल नहीं की जा सकती। अदालत ने यह भी पाया कि प्रथम अपीलीय प्राधिकारी और राज्य सूचना आयुक्त ने इस मूलभूत कानूनी तथ्य की अनदेखी कर गलत आदेश पारित किए।

अदालत ने आदेश दिया कि प्रतिवादी संतोष कुमार प्राचार्य डॉ. रिखी राम को 25,000 रुपये क्षतिपूर्ति अदा करें। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्राचार्य ने आरटीआई अधिनियम का कोई उल्लंघन नहीं किया था और उन्हें अनुचित रूप से दोषी ठहराया गया था।

इस निर्णय से प्राचार्य को न केवल कानूनी राहत मिली है, बल्कि उच्च न्यायालय ने आरटीआई अधिनियम के दुरुपयोग पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जो भविष्य में ऐसे मामलों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

एससीवीटी के 5349 बेरोजगार प्रशिक्षुओं को शारीरिक शिक्षक भर्ती में किया जाए शामिल

अनंत ज्ञान, नेरचौक

बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ की बैठक नेरचौक के कंसा मैदान में आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से आए लगभग 30 प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षकों ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता संघ के मुख्य सलाहकार ने की।

बैठक में सर्वसम्मति से मांग की गई कि एससीवीटी के तहत एक वर्ष का पीईटी प्रशिक्षण प्राप्त 5349 बेरोजगार प्रशिक्षुओं को शारीरिक शिक्षक भर्ती में शामिल किया जाए। शिक्षकों का कहना है कि वर्ष 2005 से 2009 के बीच कांग्रेस सरकार ने निजी संस्थानों के माध्यम से यह प्रशिक्षण शुरू किया था, जिसे हजारों युवाओं ने पूरा किया। लेकिन 2011 में बने आर एंड पी नियमों के कारण उन्हें

नेरचौक के कंसा मैदान में बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित।

न तो बैचवाइज भर्ती में शामिल किया गया और न ही आयोग की चयन प्रक्रिया में।

शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू से हस्तक्षेप कर नियम संशोधित करने की अपील की है, साथ ही चेतावनी दी कि मांगें न मानी गईं तो राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

बैठक में शामिल प्रमुख नामों में परमा राम, सन्नी डोगरा, विपिन कुमार, सुनील कुमार, कृष्ण चंद, मित्र देव, ललित कुमार, अशोक कुमार, फ़ते राम, टोडर राम, सनी, भूपेंद्र कुमार, नर्मदा देवी, बिमला देवी, जमना देवी, रंजना देवी, लता देवी और निर्मला देवी प्रमुख रूप से शामिल थे।

शिक्षकों की सुरक्षा और लंबित भुगतानों की मांग

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश राजकीय भाषाई अध्यापक संघ ने प्रदेश सरकार और शिक्षा विभाग से मांग की है कि जब भारी बारिश, भूस्खलन और खराब मौसम के कारण विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में छुट्टियां घोषित होती हैं, तो शिक्षकों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। संघ के राज्य अध्यक्ष हेमराज ठाकुर ने कहा कि ऐसे हालात में शिक्षकों का स्कूल पहुंचना जोखिमपूर्ण है और पहले भी हादसे घट चुके हैं। संघ ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि लंबित 13 प्रतिशत महंगाई भत्ता, वेतनमान वृद्धि और बकाया भुगतान शीघ्र जारी किए जाएं। ठाकुर ने कहा कि समय पर भुगतान से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रशासनिक संबंध मजबूत होंगे।

प्रशासन को तुरंत संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की दें सूचना: एसडीएम

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

एसडीएम सुंदरनगर अमर नेगी ने जानकारी दी कि सुंदरनगर निवासी उपेंद्र शर्मा पुत्र संतराम गांव हंदेटी बीबीएमबी कॉलोनी ने शिकायत दर्ज करवाई है कि हाल ही में कंट्रोल गेट के पास एक निजी कंपनी की युवती कूपन बांट रही थी और सरप्राइज गिफ्ट के नाम पर लक्की ड्रा निकालने की बात कह रही थी।

एसडीएम ने इस मामले के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए उपमंडलीय पुलिस अधिकारी सुंदरनगर को निर्देश जारी किए। इसके साथ ही जिला पर्यटन अधिकारी मंडी, खंड विकास अधिकारी सुंदरनगर, जिला खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले अधिकारी मंडी तथा वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद सुंदरनगर को

सुंदरनगर में संदिग्ध कूपन बांटने की शिकायत पर प्रशासन सख्त

भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सभी होटल प्रबंधकों, पंचायत प्रतिनिधियों, पेट्रोल पंप मालिकों और नगर परिषद पार्षदों को सूचित करें कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति को पहचान और अनुमति के बिना कोई गतिविधि या कार्यक्रम संचालित न करने दें तथा इस विषय में लोगों को भी जागरूक करें। एसडीएम ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे तो इसकी तुरंत सूचना प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

नाचन क्षेत्र में फोरलेन और सर्विस रोड बारिश से बेहाल

भीम बसेड़ू, अनंत ज्ञान

महादेव। लगातार भारी बारिश से नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फोरलेन की हालत खस्ताहाल हो गई है। गांव जरल के पास फोरलेन की उतराई से सटे सर्विस रोड पर नाली निर्माण न होने के कारण पानी जमा होकर तालाब का रूप ले चुका है। यही स्थिति गांव नौलखा-भौर वाया कनैड मार्ग पर भी देखने को मिल रही है, जहां अधूरी सर्विस रोड और निकासी व्यवस्था की कमी लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कीरतपुर-मनाली फोरलेन का निर्माण बड़े शहरों की तर्ज़ पर सुनियोजित तरीके से करने की बजाय जल्दबाजी और लापरवाही में पूरा किया है। इसका

बार-बार की मांग के बावजूद सुधार नहीं, लोगों में रोष

खामियाजा वाहन चालकों के साथ-साथ स्थानीय जनता को भी भुगतना पड़ रहा है।

लोगों ने आरोप लगाया कि भेदभावपूर्ण रवैया अपनाते हुए केंद्र सरकार ने अधूरे और घटिया निर्माण कार्यों से प्रदेश की भोली-भाली जनता को गुमराह किया है और चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है।

स्थानीय बुद्धिजीवियों व ग्रामीणों ने मंडी की सांसद कंगना रनौत और केंद्र सरकार से मांग की है कि फोरलेन और सर्विस रोड का जल्द से जल्द कायाकल्प कर लोगों की परेशानियों को दूर किया जाए।

आक्रोश स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन, 16 पद खाली

बारिश में भी जोगिंद्रनगर की सड़कों पर उतरे लोग

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर उपमंडल में पूरी तरह चरमराई स्वास्थ्य सेवाओं के खिलाफ रविवार को सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। भारी बारिश, उफनती नदियों-नालों और बंद रास्तों की परवाह किए बिना लोग पैदल चलकर विभिन्न पंचायतों से पहुंचे और सिविल अस्पताल परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह आंदोलन हिमाचल किसान सभा के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें किसान सभा कार्यकर्ताओं के साथ महिला मंडल, सेवानिवृत्त कर्मचारी और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष व जिला परिषद सदस्य कुशाल भारद्वाज ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

सरकार को चेतावनी- डॉक्टरों की नियुक्ति न हुई तो होगा तालाबंदी आंदोलन

उन्होंने कहा कि जोगिंद्रनगर में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से बदहाल हो चुकी हैं। सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर में 19 स्वीकृत डॉक्टर पदों में से 16 लंबे समय से खाली पड़े हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति भी नहीं हुई है, जिससे मरीजों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में 18 साल से सोनोग्राफर की नियुक्ति नहीं हुई है और अल्ट्रासाउंड मशीन बेकार पड़ी है। चौंतड़ा सीएचसी में गायनी विशेषज्ञ की कमी के कारण गर्भवती महिलाओं को परेशानियों से गुजरना पड़ता है, जबकि लडभड़ोल व अन्य पीएचसी में भी डॉक्टरों और स्टाफ की भारी कमी है।

सभा ने चेतावनी दी कि यदि एक महीने के भीतर सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर के खाली पड़े पदों को नहीं भरा गया, विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात नहीं किए गए और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक स्टाफ उपलब्ध नहीं कराया गया तो हजारों लोग जोगिंद्रनगर पहुंचकर अस्पताल में तालाबंदी करेंगे।

प्रदर्शन के दौरान किसान सभा के ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने कहा कि इस आंदोलन को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा और ग्राम स्तर पर बैठकें आयोजित होंगी।

सभा ने इस मुद्दे पर एक हस्ताक्षर अभियान भी शुरू कर दिया है। इसका लक्ष्य 40 हजार हस्ताक्षर एकत्र कर सरकार तक पहुंचाना है। प्रदर्शन में सुदर्शन वालिया, भगत राम, मेघ सिंह ठाकुर, भीम सिंह चौधरी, तिलक राज ठाकुर, केहर सिंह वर्मा, बालक राम, रूप सिंह, श्याम सिंह राठौर समेत महिला मंडलों की प्रधान-सचिव, नौजवान सभा के कार्यकर्ता और आम लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

अंत में प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम जोगिंद्रनगर के माध्यम से मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपा और मांगें पूरी करने की सख्त चेतावनी दी।

मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थानांतरण के विरोध में भड़का जनाक्रोश

अनंत ज्ञान, नेरचौक

मुख्यमंत्री द्वारा नेरचौक स्थित अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी को बल्ह से स्थानांतरित करने की घोषणा के बाद क्षेत्र में जनआक्रोश भड़क उठा है।

स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों ने इस निर्णय को अनुचित करार देते हुए इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस मुद्दे पर बल्ह बचाओ किसान संघर्ष समिति ने कंसा चौक में बैठक आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता प्रेम दास चौधरी ने की।

उन्होंने कहा कि बल्ह क्षेत्र में पहले से उपयुक्त भूमि उपलब्ध है, जिसे नजरअंदाज करना अन्यायपूर्ण है।

समिति ने सरकार से अपील की कि जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए यूनिवर्सिटी को बल्ह में ही स्थापित किया जाए। चेतावनी दी गई कि यदि निर्णय पर पुनर्विचार न हुआ, तो क्षेत्र की जनता बड़ा आंदोलन शुरू करेगी। बैठक में सचिव नंद लाल, बलदेव सिंह, हेम सिंह, राज पाल समेत कई लोग मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश से सड़कें ठप, करोड़ों का नुकसान, जनजीवन अस्त-व्यस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

जिले में पिछले कई घंटों से जारी मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ। आसमानी आफत ने प्रशासन के साथ-साथ लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

भारी बारिश के चलते करोड़ों की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो गया है। लगातार कई स्थानों से नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। सोमवार को उस समय बड़ा हादसा होते टल गया, जब जिला मुख्यालय के साथ आबादा बराना स्कूल के साथ एक पहाड़ी दरकने से स्कूल भवन उसकी चपेट में आ गया। उस समय अध्यापक स्कूल में थे और छात्रों को अवकाश था। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो यहां स्कूल भवन के पीछे बना सुरक्षा डंगा लगातार बारिश के दबाव में भरभराकर गिर गया। डंगे के साथ ही स्कूल का एक कमरा भी इसकी चपेट में आ गया और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के समय कक्षा में शिक्षक मौजूद थे, लेकिन उन्होंने समय रहते भागकर अपनी जान बचाई। अगर कुछ क्षण की भी देरी हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के समय बच्चे कक्षा में मौजूद नहीं थे, वरना स्थिति भयावह हो सकती थी। कमरे में रखा कीमती फर्नीचर, अलमारियां, रजिस्टर, फाइलें व अन्य सामान मलबे में दबकर पूरी तरह से नष्ट हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। विभाग ने क्षति का आकलन शुरू कर दिया है और प्रशासन को इसकी रिपोर्ट भेजने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के लगातार मिट्टी खिसकने का खतरा बना हुआ है और स्कूल भवन के अन्य हिस्सों पर भी खतरा मंडरा रहा है। जिले में कई सड़कें बंद हो गई हैं। कोटला बेला, जोल, तलमेहड़ा और पीपलू आदि में कई संपर्क मार्ग ठप हो गए। सभी विभागों को करोड़ों का नुकसान हुआ है।

सड़क पर बह रही दियोली खड्ड घरों में घुसा बरसाती पानी

अनंत ज्ञान, पंजावर। गगरेट के दियोली क्षेत्र में भारी बारिश ने एक बार फिर जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। दियोली खड्ड का पानी पलटकर मुख्य सड़क पर आ गया। इससे आवागमन बाधित हो गया। वहीं, वार्ड नंबर-3 के कई घरों में बरसाती पानी घुस गया। इससे लोगों को भारी नुकसान और परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बरसात में यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। खड्ड के तटीकरण के दौरान मुहाने को संकरा करने से जल निकासी में रुकावट आ जाती है। लोक निर्माण विभाग पुल निर्माण का दावा करता है, लेकिन अभी तक फाइलें ही अटकी हुई हैं। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की गई है।

तलमेहड़ा से जोल मार्ग जहां लहासा गिरने से मार्ग अवरुद्ध हुआ है।

नगर पंचायत गगरेट की निकासी व्यवस्था ध्वस्त

संजीव जसवाल, अनंत ज्ञान, पंजावर। सोमवार को हुई तेज बारिश ने नगर पंचायत गगरेट की निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। वार्ड नंबर-4 का मुख्य मार्ग पानी में डूबकर खड्ड में तब्दील हो गया। इससे लोगों का आवागमन पूरी तरह ठप रहा। ऊना रोड की चोई से आया पानी दुकानों और घरों में घुस गया, जिससे लाखों का नुकसान हुआ। क्लोह बैली थाना के पास कॉजवे पर पानी आने से सड़क मार्ग घंटों बाधित रहा। भरवाईं रोड और एसडीएम कार्यालय के आसपास के इलाकों में भी जलभराव ने हालात बिगाड़ दिए। पीपल का पेड़ गिरने से कई मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि नाले में तेज बहाव के कारण ऊना-गगरेट मार्ग पूरी तरह बंद रहा। स्थानीय लोग नगर पंचायत की निष्क्रियता पर सवाल उठा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि स्थायी निकासी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि हर साल यह संकट न दोहराया जाए।

तलमेहड़ा -जोल सड़क का संपर्क टूटा

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान, बड़ूही। जिला ऊना में कई हिस्सों में रविवार व सोमवार को हुई बारिश ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। इस बारिश के कारण उपमंडल बंगाणा के नलवाड़ी से जोल सड़क पर कई जगहों पर भूस्खलन हुआ और कई जगहों पर सड़क के बीच पेड़ गिर गए हैं। वहीं, तलमेहड़ा से जोल के बीच पिछले 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश से सड़क टूटने से संपर्क मार्ग बिलकुल टूट गया है। हालांकि, लोक निर्माण विभाग बंगाणा व जोल की टीमें यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से खोलने के लिए मदद कर रही हैं। लोक निर्माण विभाग जोल के एसडीओ भानु ओहरी ने बताया कि तलमेहड़ा से जोल के बीच सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है और उन्होंने बड़े वाहन चालकों से आग्रह किया है कि वह तलमेहड़ा, टकोली से वाया सोहारी होकर जोल के लिए आएं। उन्होंने बताया कि उक्त सड़क पर डायवर्जन बनाकर इमरजेंसी के लिए एंबुलेंस रोड के लिए जगह बना दी गई है, लेकिन इसमें बड़े वाहन चालक अपनी गाड़ियां न ले जाएं अन्यथा कोई भी घटना घटित हो सकती है।

थड़ा में पहाड़ी दरकी, भूस्खलन की चपेट में आया अध्यापक

अनंत ज्ञान, बड़ूही। अंब उपमंडल की पंजोआ पंचायत के थड़ा गांव में सोमवार सुबह अचानक हुई भूस्खलन की घटना में एक अध्यापक घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब सुरिंद्र शर्मा पुत्र धनीराम, निवासी नेहरियां, चौकीमनयार स्कूल (उपमंडल बंगाणा) में ड्यूटी के लिए जा रहे थे। थड़ा के समीप नेहरियां-नंदपुर सड़क पर अचानक पहाड़ी दरकने से भारी मलबा सड़क पर आ गिरा और सुरिंद्र शर्मा अपनी बाइक समेत उसकी चपेट में आ गए। धक्का लगने से वे सड़क किनारे बने डंगे से करीब 20 फुट नीचे जा गिरे, जबकि उनकी बाइक मलबे में दब गई। सूचना मिलते ही मीडिया प्रभारी अनिल तखी और विधायक सुदर्शन सिंह बबलू के निजी सचिव मौके पर पहुंचे। स्थानीय युवाओं की मदद से बाइक को मलबे से बाहर निकाला गया। सुरिंद्र शर्मा ने बताया कि बाहर से वे ठीक हैं, लेकिन उन्हें अंदरूनी चोटें आई हैं। लोगों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जहां छात्रों के लिए स्कूल बंद किए गए हैं, वहीं अब शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों को पूर्ण रूप से बंद किया जाए, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

भारी बारिश से बंगाणा में तबाही, 48 घंटे में करोड़ों का नुकसान

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा में बीते 48 घंटे से जारी भारी बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में न केवल लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि विभागीय स्तर पर भी करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। लोक निर्माण विभाग मंडल बंगाणा को अकेले 7 करोड़ रुपए का ताजा नुकसान हुआ है, जिससे इस सीजन में विभाग का कुल नुकसान 45 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। अधिशाषी अभियंता अरविंद लखनपाल के अनुसार, यह नुकसान मुख्यतः संपर्क मार्गों, पुलियों और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से हुआ है। दर्जनों स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध हो चुकी हैं, जिससे आवाजाही बंद हो गई है। जल शक्ति विभाग मंडल थानाकलां को भी करीब दो करोड़ का नुकसान हुआ है। बारिश के चलते कई पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहरा गया है। कुटलैहड़ क्षेत्र में चार दर्जन से अधिक स्थानों पर लैंड स्लाइडिंग की घटनाएं हुई हैं। कई घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा है तथा कुछ स्थानों पर मलबा घरों में घुसने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। विधायक विवेक शर्मा ने लोगों से संयम और सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन और सरकार राहत कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने को कहा है।

न्यूज ब्रीफ

मूसलाधार बारिश से रिहायशी भवन क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। मूसलाधार बारिश से प्रकाशो देवी विधवा स्वर्गीय राम प्रसाद के घर का आगे का बरामदा गिर गया। इस कारण बरामदे में खड़ी एक्टिवा भी नीचे गिर गई। इससे मकान को खतरा हो गया है और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ता सुभाष कुमार पीड़ित के घर पहुंचे और उन्होंने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह विधायक के माध्यम से प्रशासन से पीड़ित परिवार को मदद दिलवाने का प्रयास करेंगे। मूसलाधार बारिश के कारण हुए इस हादसे ने परिवार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, अब परिवार को अपने मकान की सुरक्षा की चिंता है और उन्हें प्रशासन से मदद की उम्मीद है।

ईंधन आपूर्ति बनाए रखने को सरकार से अपील

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान, अंब। हिमाचल प्रदेश में बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने जहां आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, वहीं व्यापारिक गतिविधियां भी गहरे संकट में हैं। इस परिप्रेक्ष्य में हिमाचल पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने केंद्र और राज्य सरकार से विशेष राहत पैकेज की मांग की है। प्राकृतिक आपदा के चलते राज्य के कई राजमार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ट्रांसपोर्टर, स्टोन क्रेशर, सेब कारोबार सहित अन्य व्यावसायिक क्षेत्र ठप पड़ गए हैं। इसी बीच पेट्रोलियम डीलर, जो प्रदेश की आपूर्ति श्रृंखला की रीढ़ माने जाते हैं, अपने परिचालन को सुचारू रखने में गंभीर वित्तीय कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। एसोसिएशन की मुख्य मांगें हैं कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष राहत पैकेज दिया जाए। इसी के साथ तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा दीर्घकालिक क्रेडिट सुविधा। बैंकों से सॉफ्ट लोन और विस्तारित क्रेडिट लाइन, ताकि डीलर नकदी संकट से उबर सकें। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुकुमार सिंह ने कहा, हम डीलरों ने हमेशा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी हिमाचल प्रदेश को चलायमान रखने के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति की है। इस समय हमें भी अपने परिचालन को बनाए रखने और जनता के साथ खड़े रहने के लिए समय पर सहायता की आवश्यकता है।

सतपाल रायजादा ने प्रभावित क्षेत्रों में संभाला मोर्चा

अनंत ज्ञान, ऊना। मुख्यमंत्री सुक्खू के निर्देशानुसार समूचा प्रशासनिक अमला और जनप्रतिनिधि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत, बचाव व बहाली कार्यों में सक्रियता से जुटे हुए हैं। इसी क्रम में ऊना विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सतपाल सिंह रायजादा ने सोमवार को नगर परिषद ऊना तथा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। रायजादा ने विभिन्न इलाकों में जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने उनके त्वरित समाधान और सहायता सुनिश्चित बनाने पर जोर दिया। रायजादा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू स्वयं राहत, बचाव एवं बहाली कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। राज्य सरकार और जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं।

28 अगस्त तक स्कूल बंद रखने के आदेश

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना जिले में जारी भारी वर्षा के बीच जिला प्रशासन लगातार प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहा है और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्परता से कदम उठाने में जुटा है। इसी कड़ी में डीसी जतिन लाल ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय अबादा बराना का दौरा कर क्षतिग्रस्त भवन का निरीक्षण किया तथा स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ऊना विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सतपाल सिंह रायजादा और तहसीलदार ऊना भी उनके साथ मौजूद थे। डीसी ने बताया कि विद्यालय भवन को असुरक्षित घोषित कर दिया गया है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अबादा बराना स्कूल को आगामी 28 अगस्त या आगामी आदेशों तक बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मरम्मत एवं आवश्यक कार्रवाई पूरी होने तक विद्यालय भवन का उपयोग नहीं किया जाएगा।

बारिश में डटे रहे बिजली कर्मचारी सेक्शन कोटला में बहाल की आपूर्ति

अनंत ज्ञान, बड़ूही

उपमंडल अंब के तहत सेक्शन कोटला में भारी बारिश और आपदा जैसे हालातों के बीच भी बिजली विभाग के कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर मजबूती से डटे रहे। लाइनमैन रामपाल, संजय कुमा और टीएलएम शिव कुमार लगातार दिन-रात क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल करने में जुटे रहे।

सेक्शन कोटला का कार्यक्षेत्र बहुत बड़ा है। इसमें त्याई पंचायत, रपोह मिसरा पंचायत, आधी ज्वार पंचायत, मैड़ी, पोलियां परोहतां, पंगलू और सिकरा के परों का कुछ हिस्सा शामिल है। इस क्षेत्र में कुल 30 ट्रांसफार्मर हैं और साथ ही 33 केवी सब स्टेशन कोटला भी इसी सेक्शन के अधीन आता है। इन सबकी देखरेख की जिम्मेदारी मात्र तीन कर्मचारियों पर है। भारी बारिश के चलते जगह-जगह पेड़ गिरने, लाइन टूटने और ट्रांसफार्मर खराब होने जैसी समस्याएं सामने आती रहीं, लेकिन इन कर्मचारियों ने जोखिम उठाकर हर समस्या का समाधान किया। कई बार इन्हें गहरे पानी और दलदल में उतरकर काम करना पड़ा, तो कभी तेज बारिश और अंधेरे में तार जोड़ने पड़े। इसके बावजूद कर्मचारियों ने अपने फर्ज से मुंह नहीं मोड़ा। गांव त्याई के निवासी अशोक कुमार ने कहा कि भारी बारिश और तूफान के बीच जब हर कोई घरों में दुबका हुआ था, तब ये कर्मचारी जान जोखिम में डालकर बिजली बहाली के लिए जुटे हुए थे। ये काबिले-तारीफ है। वहीं, चक्साराएं से समाजसेवी कर्ण सिंह ने कहा कि इन कर्मचारियों की मेहनत से ही अंधेरे में डूबा इलाका जल्द रोशनी से भर जाता है। कनिष्ठ अभियंता अजय कौंडल ने कहा कि कर्मचारियों की भारी कमी के बावजूद ये तीनों कर्मचारी पूरी निष्ठा और सेवा भाव से काम कर रहे हैं। हमने सरकार से मांग की है कि सेक्शन कोटला में 30 ट्रांसफार्मरों और 33 केवी सब स्टेशन की देखभाल के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तुरंत तैनाती की जाए, ताकि लोगों को और बेहतर सुविधा मिल सके।

प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई: भुट्टो

अनंत ज्ञान, बंगाणा

चताड़ा ग्राम केंद्र में भाजपा नेता देवेंद्र कुमार भुट्टो और बैठक में उपस्थित कार्यकर्ता।

भाजपा की परिकल्पना मेरा बूथ, सबसे मजबूत को साकार करने की दिशा में कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो के नेतृत्व में डेरा बाबा रूद्रानंद मंडल के मदनपुर, चताड़ा ग्राम केंद्र का रविवार देर शाम प्रवास आयोजित हुआ। भारी बरसात के बावजूद कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक शिरकत कर यह साबित किया कि भाजपा संगठन का मूल आधार उसकी कार्यकर्ता शक्ति ही है। ग्राम केंद्र प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

वहीं, पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का हर बूथ पार्टी की ताकत है। उन्होंने कहा कि भाजपा आज जिस मुकाम पर पहुंची है, वह कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और संगठन की सुदृढ़ रणनीति का परिणाम है। भुट्टो ने इस अवसर पर राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

बेरोजगार युवा आज दर-दर भटक रहे हैं, विकास कार्य ठप पड़े हैं और जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है और उसका कार्यकाल केवल घोषणाओं तक सीमित होकर रह गया है। केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आज देश की पहचान विश्व स्तर पर मजबूत हुई है, गरीबों और जरूरतमंदों के लिए योजनाओं का लाभ सीधे उनके खातों में पहुंच रहा है और सबका साथ सबका विकास की नीति पर देश आगे बढ़ रहा है।

भुट्टो ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ कुटलैहड़ की जनता को भी मिल रहा है। चाहे उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को गैस कनेक्शन देना हो, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर उपलब्ध करवाना हो या फिर किसानों के लिए किसान सम्मान निधि योजना, मोदी सरकार ने समाज के हर वर्ग तक राहत पहुंचाई है।

भाजपा संगठन में भ्रष्टाचार में संलिप्त लोग शामिल : सीमा

अनंत ज्ञान, ऊना। ऊना महिला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सीमा शर्मा ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पार्टी के संगठन में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को शीर्ष पदों पर बैठाया जा रहा है। इससे ईमानदार कार्यकर्ता हताश हैं। भाजपा नेता धर्म की आड़ में राजनीति कर रहे हैं और युवाओं को दिशाहीन करने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में एक भाजपा सांसद द्वारा हनुमान जी को अंतरिक्ष का पहला यात्री बताए जाने पर उन्होंने तंज कसा कि इस तरह के भ्रामक तथ्य नई पीढ़ी को गुमराह कर रहे हैं। सीमा ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में मुख्यातिथि का उद्देश्य बच्चों को प्रेरित करना होता है, न कि धार्मिक कथाओं से उलझाना। उन्होंने भाजपा पर सत्ता में बने रहने के लिए लोगों को बांटने का आरोप लगाया। साथ ही, कहा कि प्रदेश में आपदा के समय भी भाजपा सहयोग नहीं कर रही, बल्कि षड्यंत्र में लगी है, जो सफल नहीं होंगे।

डंगा गिरने से ढह गई पशुशाला

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। विधानसभा क्षेत्र की डुहल भटवाला पंचायत के वार्ड नंबर-3 में सोमवार को भारी बारिश के कारण कांता देवी के मकान का डंगा गिर गया।

इससे मदन लाल की पशुशाला ढह गई। इसमें दो भैंस और एक कट्टी बंधी हुई थी। हादसे में एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी भैंस बुरी तरह घायल हो गई। इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कांता देवी का मकान भी असुरक्षित हो गया है। इससे परिवार के सदस्यों की चिंता बढ़ गई है। डुहल भटवाला के पंचायत प्रधान राजेश कुमार ने बताया कि अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया गया था। इसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और मौका की रिपोर्ट तैयार की। उन्होंने जल्द राहत पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

कैंसर पीड़ित हरमन के इलाज के लिए की मदद

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

अंब। उपमंडल की अप्पर आंदौरा पंचायत के गंभीर बीमारी से पीड़ित हरमन की मदद करने के लिए दानवीरों के हाथ लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

जिले की अलग-अलग जगह से लोग उसकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव राघव राणा ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए उनके घर पहुंच कर उन्हें 51000 रुपए और घर के लिए दो सोलर लाइटें भेंट की। उनके साथ-साथ एनएसयूआई इकाई के पदाधिकारियों ने भी 20000 इकट्ठा कर हरमन के इलाज के लिए अपना योगदान दिया। इस मौके पर राघव राणा ने प्रदेश की जनता से हरमन की मदद करने के लिए बढ़-चढ़कर आगे आने की अपील की। वहीं, उन्होंने बताया कि गगरेट विधानसभा के क्षेत्र के विधायक राकेश कालिया ने हरमन के इलाज के लिए होने वाले खर्च की बात को विधानसभा में उठाया और प्रदेश के मुख्यमंत्री से चर्चा की। प्रदेश सरकार ने हरमन के इलाज के लिए होने वाले खर्च को प्रदेश सरकार की ओर से बहन करने का आश्वासन दिया। राघव राणा ने बताया कि सोमवार सुबह ही उनकी विधायक राकेश कालिया के साथ चर्चा हुई और उन्होंने सरकार द्वारा दी जाने वाली मदद के बारे में उन्हें अवगत करवाया। राघव समाज सेवा के लिए हमेशा ही बढ़-चढ़कर आगे आते रहे हैं और जरूरतमंद लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के लिए जाने जाते हैं। इस दौरान उनके साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमन जसवाल, अप्पर आंदौरा पंचायत के प्रधान हरभजन सिंह, उप प्रधान शमशेर सिंह व कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

परिवार को सौंपी 21,000 की आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान, बड़ूही। कहते हैं जिसकाकोई सहारा नहीं होता, उसका साथ स्वयं भगवान देते हैं और जरूरत पड़ने पर इंसानों को उनकी सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। अंब अंदौरा निवासी मासूम हरमन के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। चंडीगढ़ के अस्पताल में कैंसर से जूझ रहे हरमन का उपचार चल रहा है, जिसके लिए लगभग 20 लाख रुपए का भारी-भरकम खर्च सामने आया है। इस कठिन दौर में रामनगर ठठल स्थित श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट एवं इसके सेवक दल लगातार मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। रविवार देर रात ट्रस्ट के सेवादारों ने हरमन के परिवार को 21,000 रुपए की आर्थिक सहायता भेंट की। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक सहयोग का भी प्रतीक है। हरमन की बीमारी की जानकारी सामने आने के बाद से ही समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवकों और ऊना जिला से जुड़े दानवीरों की ओर से मदद का सिलसिला जारी है। अब तक करीब 15 लाख रुपए की राशि हरमन के उपचार के लिए एकत्रित की जा चुकी है।

दियाड़ा पंचायत में बैंकिंग योजनाओं की दी जानकारी

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान

बड़ूही । अंब उपमंडल की दियाड़ा पंचायत में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक की ओर से निशुल्क बैंकिंग कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप सुबह 10 बजे पंचायत घर में शुरू हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने भारी संख्या में भाग लिया।

कैंप के दौरान बैंक अधिकारियों व कस्टमर सर्विस प्वॉइंट संचालक श्याम सुंदर ने उपस्थित ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसमें जनधन खाते, आवर्ती जमा, सावधि जमा, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा विभिन्न लोन योजनाएं शामिल थीं। भारी बारिश के बावजूद ग्रामीण बड़ी संख्या में कैंप में पहुंचे और योजनाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर 20 नए जनधन जीरो बैलेंस खाते खोले गए। बैंक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समय पर बचत करने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कैंप में आए ग्रामीणों के लिए चाय-पकौड़ों की व्यवस्था भी की गई, जिससे आपसी मेलजोल और भी खुशनुमा रहा। ग्रामीणों ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंप गांव-गांव में नियमित रूप से लगाए जाने चाहिए, ताकि हर वर्ग के लोग आसानी से बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ सकें।

प्रतिबद्धता अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, 2027 विधानसभा चुनावों में हिमाचल भाजपा एकजुटता के साथ बनाएगी सरकार

भाजपा की नई टीम विकसित, भारत लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध

अनंत ज्ञान, ऊना

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भाजपा जिला कार्यालय ऊना में आयोजित भाजपा प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल भाजपा की नई टीम विकसित भारत लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है और 2027 विधानसभा चुनावों में हिमाचल भाजपा पूरी एकजुटता के साथ सरकार बनाकर जनकल्याण के कार्यों को नई गति देने का काम करेगी।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा हिमाचल प्रदेश भाजपा की नवगठित टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप विकसित भारत निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा का संगठन व कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय व स्वयं को अंत में रखते हुए नित राष्ट्र उत्थान की भावना से काम करता है। एक भाजपा कार्यकर्ता होने के नाते हमें गर्व है कि हमारा संबंध विश्व के उस सबसे बड़े राजनीतिक दल से है, जिसने अपनी स्थापना के प्रथम दिन से ही जनकल्याण व राष्ट्रनवनिर्माण के लिए कार्यरत है। अनुराग ने कहा हिमाचल भाजपा की नई टीम के सभी पदाधिकारीयों पर जिम्मेदारी है कि वो मंडल से लेकर बूथ तक पार्टी को और सुदृढ़ करने का काम करें और मुझे पूरा विश्वास है कि यह नई टीम हिमाचल में भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का गौरव प्राप्त करेगी। आज हमारे सामने हिमाचल की कांग्रेस सरकार के झूठ, फरेब व लालफीताशाही वाली सरकार का सच जनता के सामने लाना प्राथमिकता में है। हिमाचल की जनता कांग्रेस के झूठे गारंटियों और कुशासन से त्रस्त आ चुकी है।

ऊना में आयोजित भाजपा प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला में सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व प्रदेश अध्यक्ष बिंदल और अन्य।

अनर्गल बातों से प्रभावितों को नहीं मिलती राहत: जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

ऊना में मीडिया के प्रतिनिधियों से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि पूरे प्रदेश में आपदा का दायरा बढ़ रहा है। प्रदेश भर में भारी बारिश भूस्खलन और बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस कारण जान माल के नुकसान के साथ ही प्रभावितों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि सरकार आपदा को लेकर गंभीर ही नहीं है। सरकार हर बार आपदा को लेकर इधर-उधर की बातें कर रही है। मुख्यमंत्री आपदा के कारण गिना रहे हैं कि इस कारण से हुआ, या उस कारण से हुआ। आपदा के जो कारण हैं, वो हैं। कारण गिनाने के बजाय सरकार राहत और पुनर्वास के कार्यक्रम पर ध्यान दे। इसके साथ ही आपदा से होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने की दिशा में काम करना सुनिश्चित करें। जयराम ने कहा पिछले दो दिनों में सिरमौर, शिमला, कांगड़ा, धर्मशाला, कुल्लू, मंडी, चंबा, डलहौजी, रामपुर, किन्नौर, लाहौल, बारिश और बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। इससे कई जगह भूस्खलन हुआ है। ऐसे में प्रभावित लोगों को जल्द तुरंत राहत प्रदान करने की दिशा में सरकार और प्रशासन को गंभीरता से काम करे।

विवेक ने पीजीआई पहुंचकर बीमार युवक राजेंद्र का जाना हाल, दी आर्थिक मदद

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने सोमवार को मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए अपने क्षेत्र के एक बीमार युवक का हालचाल जाना।

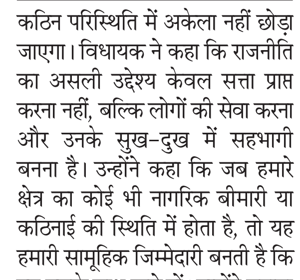

जानकारी के अनुसार पंचायत धुंधला के युवा साथी राजेंद्र कुमार, जो बीते कुछ समय से गंभीर रूप से अस्वस्थ चल रहे हैं और वर्तमान में चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित पीजीआई अस्पताल में उपचाराधीन हैं, उनसे मिलने का अवसर विवेक शर्मा को मिला। विधायक ने पीजीआई चंडीगढ़ पहुंचकर राजेंद्र कुमार के स्वास्थ्य की पूरी जानकारी ली और उनके जल्द स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर विधायक विवेक शर्मा ने परिजनों को आर्थिक मदद भी प्रदान की, ताकि उपचार में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी यदि किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता पड़ेगी, तो वे व्यक्तिगत तौर पर तथा प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव मदद उपलब्ध करवाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार को कठिन परिस्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। विधायक ने कहा कि राजनीति का असली उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि लोगों की सेवा करना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना है। उन्होंने कहा कि जब हमारे क्षेत्र का कोई भी नागरिक बीमारी या कठिनाई की स्थिति में होता है, तो यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि हम उसके साथ खड़े हों। उन्होंने बताया कि कुटलैहड़ क्षेत्र की जनता ने उन्हें विधायक बनाकर जिस विश्वास के साथ सेवा का अवसर दिया है, उस विश्वास को वे हमेशा कायम रखेंगे। कुटलैहड़ में जनसेवा का क्रम निरंतर जारी रहेगा। क्षेत्र के हर वर्ग चाहे युवा हों, बुजुर्ग हों, महिलाएं हों या बच्चे सबकी समस्याओं का समाधान करना और उन्हें समय पर सहायता पहुंचाना उनका पहला कर्तव्य है।

डीसी हमीरपुर का शिक्षा सचिव को पत्र सराहनीय : राजन

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश में इन दिनों भारी बारिश का दौर जारी है, जिसके चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के कई जिलों में शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। हालांकि, हिमाचल प्रदेश सरकार के आदेश के अनुसार शिक्षकों के लिए स्कूलों में उपस्थिति अनिवार्य ह, लेकिन भारी बारिश और खराब मौसम के कारण कई इलाकों में शिक्षकों के लिए स्कूल पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा हो गया है। इसी बीच, हमीरपुर के डीसी ने शिक्षा सचिव को एक पत्र लिखकर शिक्षकों को भी छुट्टी देने की मांग की है। डीसी ने अपने पत्र में कहा कि भारी बारिश के कारण कई शिक्षण संस्थानों तक पहुंचना शिक्षकों के लिए असुरक्षित और कठिन हो रहा है। इस पत्र को हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ ने सराहा है। संघ के मुख्य मीडिया सचिव ने उपायुक्त के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा, भारी बारिश के बीच कुछ स्थानों पर कई शिक्षक अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंच रहे हैं।

मौसम ने और बढ़ा दी कुल्लू व लाहौल में दुश्वारियां

निचले क्षेत्रों में बारिश, बारालाचा व शिंकुला सहित सभी ऊंची चोटियों पर बर्फबारी का क्रम जारी

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू/केलांग। जिला कुल्लू व लाहौल-स्पीति में बारिश का तांडव लगातार जारी है। दोनों जिलों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश का क्रम जारी है। मौसम के कारण कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में दुश्वारियां कम होने की जगह बढ़ती रही हैं। सोमवार को कुल्लू जिले में जहां बारिश के कारण जगह-जगह भूस्खलन की घटनाएं पेश आईं। वहीं, मनाली विस क्षेत्र के काथी में बादल फटने की घटना सामने आई है। हालांकि, इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन लोगों की भूमि को नुकसान हुआ है। भुंतर की शुरुड़ पंचायत में एक चार मंजिला मकान भी भूस्खलन की चपेट में आने से ताश के पत्तों की तरह गिर गया है। इसके अलावा शास्त्रीनगर में फिर से नाले का जलस्तर बढ़ गया है। इससे यहां पर सड़क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं, खोखन नाले में भी जलस्तर बढ़ने से लोगों की दुकानों में पानी घुसने से नुकसान हुआ है।

लगघाटी में सड़क में कीचड़ में फंसे वाहन को धक्का देकर निकालते लोग।

लगघाटी के लोगों की दिक्कतें भी कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उधर, मलाणा में सड़क भूस्खलन के कारण टूट गई है। इसके अलावा जिले के सैंज, बंजार व आनी में भी भारी नुकसान हुआ है। उधर, लगातार जारी बर्फबारी व बाढ़ के क्रम से मनाली लेह मार्ग अवरुद्ध हो गया है। सड़क बंद होने से जगह-जगह वाहन फंस गए हैं। लाहौल-स्पीति सहित मनाली में बर्फबारी व बारिश का कहर जारी है। शिंकुला, बारालाचा, खरदूंगला व रोहतांग में चार से आठ इंच बर्फ गिर चुकी है, जबकि क्रम जारी है। लाहौल में सुबह से ही घाटी में बारिश तो ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात का कहर जारी है। मनाली-धुंधी मार्ग पर सुबह भूस्खलन हुआ। इससे एक बड़ा पेड़ सड़क पर आ गिरा। बीआरओ ने कुछ ही घंटों में सड़क को बहाल कर दिया। दोपहर के समय भारी बारिश के कारण पागल नाले में बाढ़ आ गई। बाढ़ आने के कारण दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए। बाढ़ आने से यातायात बाधित हो गया। बीआरओ सड़क बहाली में जुटा हुआ है। मनाली-लेह मार्ग पर लाहौल शिंकुला, बारालाचा, खरदूंगला व रोहतांग में सुबह से बर्फ के फाहे गिर रहे हैं। सुबह के समय सभी दर्रों में वाहनों की आवाजाही सुचारु रही लेकिन दोपहर बाद एहतियातन तौर पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। बर्फबारी का क्रम बढ़ता देख शाम के समय मनाली से लेह जाने वाले सभी वाहन दारचा में रोक दिए हैं, जबकि लेह से मनाली आने वाले वाहन भी जगह जगह रुक गए हैं। दूसरी ओर पर्यटन नगरी मनाली में भारी बारिश का क्रम जारी है। बारिश के कारण ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ गया है। मनाली प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि धुंधी के पास भूस्खलन होने से सड़क बंद हो गई थी जिसे बहाल कर लिया गया है। पुलिस जवान ट्रैफिक सुचारु रखने के हर संभव प्रयास कर रहे हैं। केलांग डीएसपी रश्मि शर्मा ने बताया कि लाहौल के तेलिंग नाले में बाढ़ आने से सड़क बंद है, जिसे बीआरओ बहाल कर रहा है। उन्होंने बताया कि शिंकुला, बारालाचा, खरदूंगला सहित समस्त ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ गिर रही है। फिलहाल सभी दर्रों में ट्रैफिक रोक दी गई है।

> कुल्लू जिले में लगातार बारिश हो रही है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है लोगों से अपील है कि नदी-नालों से दूर रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें। जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में मंगलवार को भी अवकाश घोषित किया गया है।
>
> **तोरुल एस रवीश, डीसी कुल्लू।**

ग्रामीणों की एकजुटता से बनीं तीन अस्थायी पुलियां

अनंत ज्ञान, बंजार

बंजार उपमंडल की तीर्थन घाटी के दूरदराज क्षेत्र बठाहड़ में 13 अगस्त को घलिंगचा नाले में बादल फटने के कारण फ्लाचन नदी में आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस आपदा के कारण यहां की तीन ग्राम पंचायतें तुंग, शिल्ली और मशीयार ज्यादा प्रभावित हुई। इस कारण यहां का जनजीवन काफी अस्त-व्यस्त हो गया है।

फ्लाचन नदी में आई बाढ़ की चपेट में पांच पैदल पुल और एक बस योग्य दोगड़ा पुल बह गए। इस कारण गांव मशियार, मंझली, कमेडा, घलिंगचा और ठानेगाड के लोग मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट गए। हालांकि, कुछ दिन पहले ही कैंची मोड़ से बठाहड़ तक सड़क मार्ग को छोटे वाहन चलने योग्य चालू किया गया है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत हुई है। इस आपदा का सबसे अधिक असर स्कूल के विद्यार्थियों पर पड़ा है। बठाहड़ स्कूल और मंझली स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों का स्कूल आना-जाना लगभग बंद हो गया। लोगों ने आपसी सहयोग से तीन स्थानों पराला खड्ड घलिंगचा, फ्लाचन खड्ड दोगड़ा और फ्लाचन खड्ड टिला पुल पर अस्थायी पुलियां बनाकर फिलहाल आवागमन शुरू किया है। ग्रामीणों का

कहना है कि ये पुलियां मात्र अस्थायी समाधान हैं। यदि फिर से नदी का जलस्तर बढ़ा तो इन पुलिया के बह जाने का खतरा बना रहेगा।

आपदा की इस घड़ी में श्रमदान से पुलिया बनाने में पूर्व उपप्रधान प्रकाश ठाकुर, राम सिंह, गंगा राम, राजू राम आदि कई अन्य ग्रामीणों ने अपना भरपूर सहयोग दिया है। इस बाढ़ के कारण दोगड़ा से बठाहड़ तक की सड़क भी कई जगहों पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। तीन-चार स्थानों पर तो हालात इतने खतरनाक हैं कि एक ओर खड़ी पहाड़ी और दूसरी ओर बहती फ्लाचन नदी लोगों की जान के लिए खतरा बनी हुई है। बठाहड़ स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थी रोजाना ऐसे ही जोखिम भरे रास्तों से होकर स्कूल पहुंचते हैं। इसके अलावा मशियार, मंझली, कमेडा, घलिंगचा और ठानेगाड गांवों के लोगों को रोजमर्रा की जरूरत का सामान भी इन्हीं रास्तों से लाना पड़ता है। आने वाले दिनों में सेब का सीजन शुरू होने वाला है, जिससे लोगों की दिक्कतें और बढ़ जाएंगी। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से आग्रह किया कि मौसम ठीक होते ही मशियार पंचायत में क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में लोगों को ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

ग्राम पंचायत मशीयार की प्रधान शांता देवी ने बताया कि फ्लाचन नदी में भारी बारिश और बाढ़ आने के कारण पांच पैदल पुल, एक बस योग्य पुल और कुछ पुलियां बह गई थीं। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द ही सहयोग मांगा था, जिस पर अब एक झूला व एक पैदल पुल के लिए करीब साढ़े दस लाख की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मौसम साफ होने और सड़कें चालू होते ही इन पुलों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाएगा। इन्होंने इस कार्य के लिए कुल्लू सदर के विधायक सुंदर ठाकुर व एपीएमसी अध्यक्ष राम सिंह मियां, डीसी कुल्लू और एसडीएम बंजार का आभार प्रकट किया है।

घर से बेघर हुए, अब टेंट में भी नहीं सुरक्षित

लाहौल-स्पीति के करपट गांव में टेंट पर पत्थर गिरने के कारण फटा टेंट।

> करपट नदी के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए करपट के लोग अब टेंटों में भी सुरक्षित नहीं हैं। सरकार इन ग्रामीणों की समस्या का जल्द समाधान निकाले।
>
> **डॉ.रामलाल मार्कंडेय, पूर्व मंत्री**

> रविवार को ही बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है। टेंटों में रह रहे लोगों को आधारभूत सुविधाएं दी गई हैं। प्रदेश सरकार ग्रामीणों के साथ है। गांव वासियों को सुरक्षित जगह पर पुनर्वास के लिए उचित कदम उठाने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे।
>
> **अनुराधा राणा विधायक लाहौल-स्पीति।**

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

लाहौल-स्पीति के करपट गांव में प्रकृति का कहर जारी है। बाढ़ के बाद भूस्खलन उनकी परेशानी का कारण बन गया है।

सोमवार को पहाड़ी में भूस्खलन होने के कारण टेंटों में पत्थर गिरे। हालांकि, ग्रामीण भाग्यशाली रहे। बाढ़ से प्रभावित मियाड घाटी के करपट गांव वासी अपने घरों को छोड़कर टेंटों में रह रहे हैं, लेकिन आपदा ने यहां भी उन पर कहर बरपाया है। सोमवार दोपहर पहाड़ी से बहुत बड़ा पत्थर आने के कारण टेंट को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीण हरी, सोनम व टशी ने बताया कि गनीमत यह रही कि लोग टेंट में नहीं थे। इस कारण जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन घटना के बाद ग्रामीण सहम उठे हैं। उपरोक्त गांव हर वर्ष बाढ़ आने के कारण बिलकुल असुरक्षित हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्त गांव वासियों को सुरक्षित जगह पर पुनर्वास के लिए उचित कदम उठाना अब जरूरी है। गांव वासियों के साथ-साथ समाजसेवी हरि ठाकुर ने सरकार से मांग है कि खंजर गांव से कुछ दूरी पर पुनदग तथा थारग नामक स्थान, जो कि सुरक्षित है, वहां इन्हें बसाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द कोई निर्णय नहीं लेती है तो भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पतलीकूहल-कटराई की जनता बाढ़ के खौफ से भयभीत: देवेंद्र

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव व पंचायत प्रधान, उपप्रधान संघ के अध्यक्ष देवेंद्र नेगी ने कहा कि पतलीकूहल, कटराई बिहाली के लोग बाढ़ के खौफ से भयभीत हैं। उन्होंने कहा कि पतलीकूहल, कटराई, बिहाल, रायसन सहित दरिया ब्यास के किनारों पर रहने वाले हजारों लोगों की मांग पर विधायक भुवनेश्वर गौड़ के आग्रह पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने पहली बार करोड़ों रुपए की धन राशि दरिया ब्यास के किनारों पर आरसीसी सुरक्षा दीवार लगाने के लिए स्वीकृत की है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग द्वारा कार्य टेंडर उपरांत निर्माण कार्य भी कई महीने उपरांत शुरू किया गया। साथ ही यह भी कहा कि बरसात से पूर्व सुरक्षा दीवार का कार्य पूर्ण होना चाहिए था, लेकिन ठेकेदारों की लेट लतीफी से आज बरसात भी शुरू हो गई, लेकिन कार्य पूर्ण नहीं हुआ, अब फिर दरिया ब्यास के किनारों पर रहने वाले हजारों लोग बाढ़ के खौफ के साथ में रात गुजारने पर मजबूर हैं। सरकार व विधायक से गुहार लगाई जा रही कि दरिया ब्यास की बाढ़ से उनकी जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करें व सुरक्षा दीवार में हो रही देरी पर जल शक्ति विभाग एवं संबंधित ठेकेदारों से स्पष्टीकरण मांगा जाए। साथ ही विधायक से पतलीकूहल की जनता ने गुहार लगाई है कि पतलीकूहल में उपरी क्षेत्र में लगाई जा रही सुरक्षा दिवार उपरांत उसके नीचे खाली पड़े डेंजर जोन भूमि पर भी शीघ्र सुरक्षा वाल का कार्य शुरू किया जाए।

बारिश ने बढ़ाई सेब कारोबारियों की चिंता

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान

- ब्यास नदी उफान पर लोग हो रहे परेशान
- ऊंची पहाड़ी पर बादल फटने से फोजल नाले का जल स्तर भी बढ़ा

मनाली। कुल्लू-मनाली में पिछले दो दिनों से बारिश का दौर जारी है। इससे ब्यास नदी पूरी तरह से उफान पर है। राष्ट्रीय राज मार्ग मनाली-लेह और मनाली-मंडी के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन का दौर भी जारी है।

मनाली के निकट तिब्बती कॉलोनी में सोमवार सुबह से सड़क के साथ चट्टान से पत्थर गिर रहे हैं। इस कारण वहां पर वाहन चलाना व पैदल चलना बेहद जोखिम भरा हो गया है। मनाली पुलिस व सीमा सड़क संगठन के जवान वहां की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। यहां से गाड़ियों को एक तरफ से भेजा जा रहा है। इस बरसात में मंडी से कुल्लू सड़क बार-बार भूस्खलन होने से जहां एक ओर कुल्लू-मनाली का पर्यटन पहले ही पूरी तरह से चौपट हो गया है। वहीं, अब यहां का सेब का कारोबार भी राज्य की दूसरी मंडियों तक सेब नहीं पहुंच पा रहा है। इससे सेब उत्पादक परेशान हैं।

उनका कहना है कि उनकी आर्थिकी पूरी तरह से सेब पर निर्भर है और अगर आने वाले दिनों में स्थिति नहीं सुधरी, तो उनको जीवन यापन करना मुश्किल हो जाएगा। सेब कारोबारी सतपाल ठाकुर व ज्ञान ठाकुर का कहना है कि अभी सेब बगीचों में पड़े हैं अधिक बारिश से सेब भी काले पड़ रहे हैं। नेशनल हाईवे बार-बार बंद होने से व्यापारी भी सेब खरीद नहीं पा रहे हैं। उधर, कुल्लू-मनाली के बीच बिंदु ढांक, पतलीकूहल, रायसन समेत कई इलाकों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। बताया जा रहा है कि ऊंची पहाड़ी पर बादल फटने से फोजल नाले का जल स्तर भी बढ़ गया है। इससे रायसन से कुल्लू तक के नदी किनारे लोगों को खतरा उत्पन्न हो गया है।

रायसन में लोग घरों से पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव देविंद्र नेगी ने बताया कि मनाली विधायक भुवनेश्वर गौड़ के आग्रह पर सुक्खू ने पहली बार करोड़ों की धनराशि स्वीकार करवाई है और टेंडर भी करवाया। आज तक इन इलाकों में सुरक्षा दीवार नहीं लगाई जा सकी। जल शक्ति विभाग और ठेकेदार की लेट लतीफी के कारण हजारों लोगों की जान आज आफत में पड़ गई है। नेगी ने मांग की है कि जल शक्ति विभाग और ठेकेदार से इस विषय में जवाब मांगा जाए और जल्द सुरक्षा दीवार का कार्य शुरू किया जाए।

स्वच्छता सेवाओं को किराये पर लेने के लिए मांगे आवेदन

अनंत ज्ञान, बंजार। उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बंजार के कार्यालय द्वारा उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बंजार, भवन/परिसर, तहसील कार्यालय बंजार, भवन/परिसर और तहसील कार्यालय सैंज भवन/परिसर के लिए स्वच्छता सेवाओं को किराये पर लेने के लिए निर्धारित प्रोफार्मा पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पात्र ठेकेदारों/फर्मों को निविदा दस्तावेज में निर्धारित नियमों और शर्तों पर, इस प्रकार 9 सितंबर को सुबह 11 बजे तक या उससे पहले इस कार्यालय में पहुंचना होगा और उसी दिन दोपहर तीन बजे इच्छुक ठेकेदारों/फर्मों या उनके अधिकृत एजेंटों की उपस्थिति में खोला जाएगा, जिनकी इस अवसर पर उपस्थित होने की संभावना है। निविदा दस्तावेज उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बंजार जिला कुल्लू के कार्यालय से 1000 रुपए (गैर-वापसी योग्य) के नकद भुगतान के खिलाफ 8 सितंबर को शाम 5 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं।

विनायक नेत्रधाम ने गुलाबा में जांची 60 लोगों की आंखें

अनंत ज्ञान, मनाली

बीआरओ के गुलाबा ट्रांजिट कैंप में विनायक नेत्रधाम ने कैंप लगाकर निशुल्क आंखों की जांच की। उन्होंने 60 कर्मचारियों की आंखों की जांच की। विनायक नेत्रधाम मनाली ने मरीजों को आंखों की निशुल्क दवाइयां, आई ड्राप व चश्में भी वितरित किए।

गईं। डॉ. विनायक ने कहा कि जिन लोगों को आंखों में अधिक दिक्कत है, उन्हें अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि विनायक नेत्रधाम का उद्देश्य निशुल्क कैंप लगाकर जरूरतमंद लोगों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आगे भी जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देने का प्रयास करते रहेंगे।

उन्होंने जरूरतमंद मरीजों को आगे की जांच और इलाज के लिए विनायक नेत्रधाम मनाली के लिए रेफर किया। विनायक नेत्र धाम के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विनायक ने कहा कि बीआरओ में काम करने वाले लोगों के लिए गुलाब में आई कैंप लगाया गया। उन्होंने बताया कि कैंप में 60 लोगों की आंखों की जांच की

दो एलबीटी विफल मामलों की समीक्षा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। डीसी तोरुल एस रवीश की अध्यक्षता में इंडेम्निटी सब-कमेटी (परिवार नियोजन) की जिला टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के दो एलबीटी विफल मामलों का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में दोनों मामलों में जमा किए गए दस्तावेजों की समीक्षा की गई। कमेटी ने दोनों मामलों को राज्य स्तरीय टास्क फोर्स के पास भेजने पर सहमति दी। बैठक में सीएमओ डॉ. नागराज पवार, डीपीओ (परिवार नियोजन) डॉ. घनश्याम, एमएस डॉ. तारा चंद, सर्जन डॉ. सम्राट चक्रवर्ती, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. अनु एनेस्थीसिया डॉ. अनु गोरशी, सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

- राज्य टास्क फोर्स को भेजने की सिफारिश

332 देवी-देवताओं को दशहरा समिति ने भेजे निमंत्रण पत्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

2 से 8 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के लिए प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। देवी-देवताओं के इस महाकुंभ के लिए 332 देवी-देवताओं को दशहरा समिति के द्वारा निमंत्रण पत्र भेज दिए गए हैं। कुल्लू का अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव इस जनपद के देवी-देवताओं के समागम के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह उत्सव यहां के लोगों की आस्था व परंपराओं से जुड़ा हुआ है। हर वर्ष की भांति अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव 2025 के लिए निमंत्रण समिति ने आनी-निरमंड जैसे दुरस्थ क्षेत्रों के देवी-देवताओं सहित कुल्लू, मनाली, सैंज और बंजार क्षेत्र के देवताओं को भी निमंत्रण पत्र भेज दिए हैं।

रेवेन्यू रिकॉर्ड में दर्ज मंदिर वाले समस्त देवी-देवता को भेजा जाता है निमंत्रण

कुल्लू जिले के रेवेन्यू रिकॉर्ड में दर्ज मंदिर वाले समस्त देवी-देवता को दशहरा समिति द्वारा निमंत्रण पत्र भेजा जाता है। यह निमंत्रण पत्र तहसीलदार के माध्यम से देवी-देवताओं के मंदिरों को भेजा जाता है। आमंत्रित देवी-देवताओं के ठहरने का स्थान बिजली, पानी और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था दशहरा कमेटी द्वारा की जाती है साथ ही, सरकार द्वारा तय नियमानुसार उन्हें नजराना भी भेंट किया जाता है। ठहरने के लिए टेंट उन्हें पहले ही उपलब्ध करवा दिए हैं।

> 2 से 8 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के लिए इस बार भी दशहरा समिति की ओर से जिले के देवी-देवताओं को निमंत्रण भेज दिए हैं। इस बार दशहरा के लिए 332 देवी-देवताओं को निमंत्रण पत्र भेजे हैं। उत्सव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।
>
> **तोरुल एस रवीश, डीसी व उपाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव समिति कुल्लू।**

जिलेभर के देवी-देवता होते हैं शामिल

जिला कुल्लू की विभिन्न घाटियों से ये देवी-देवता दशहरा उत्सव में शामिल होने आते हैं। कुल्लू, मनाली, आनी, और बंजार उपमंडल के कई देवी-देवता भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। इनमें से अधिकतर देवी देवताओं को निमंत्रण भेजा जाता है लेकिन इसके अलावा भी कई देवी-देवता भी दशहरा उत्सव में शामिल होते हैं। इस बार दशहरा के लिए 332 देवी-देवताओं को निमंत्रण पत्र भेजे गए हैं। हर वर्ष निरंतर आने वाले सभी देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजा जाता है। पिछले साल 315 देवी-देवता इस महाकुंभ में शामिल हुए थे। इस बार गत वर्ष की अपेक्षा अधिक देवी-देवता के शामिल होने की उम्मीद है।

यह रहेगी नजराना पात्रता

निमंत्रण पत्र में अंकित नजराना पात्रता के अनुसार हारियानों को देवी-देवता उनके मूल स्थान से ढालपुर मैदान तक पैदल ही लाने होंगे। दो अक्तूबर की रथयात्रा शुरू होने से पहले देवी-देवताओं को ढालपुर पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा। रघुनाथ मंदिर में भी इससे पहले हाजिरी भरनी होगी। रथयात्रा में उपस्थिति, रथ को लाना जरूरी। नजराना अंतिम दिन दिया जाएगा, जिन्हें समिति की ओर से निमंत्रण दिया गया है, उन्हें ही नजराना दिया जाएगा। उपरोक्त शर्तों पर खरा न उतरने वाले देवी-देवताओं को नजराना नहीं दिया जाएगा।

देवी-देवताओं के लिए पुख्ता इंतजाम

जिला प्रशासन की ओर से कुल्लू आने वाले सभी देवी-देवताओं के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। दशहरे में आने वाले देवी-देवता कुल्लू दशहरा में आने वाले सभी देवी-देवता ढालपुर मैदान और आसपास के चिन्हित स्थानों पर अस्थाई शिविरों में ठहरेंगे। 7 दिनों तक चलने वाले इस दशहरा उत्सव के दौरान भगवान रघुनाथ भी ढालपुर में अस्थाई शिविर में रहकर उत्सव को सुशोभित करेंगे।

देवता की शरण में पहुंचे ग्रामीण बारिश से बचाने की लगाई गुहार

कुल्लू के बड़ागढ़ के निवासी अपने आराध्य देवता नाग धुंबल हलाण-2 की शरण में पहुंचे।

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

प्रदेश में जारी भारी बारिश और तबाही से राहत के लिए जिला कुल्लू के बड़ागढ़ के निवासी अपने आराध्य देवता नाग धुंबल हलाण-2 की शरण में पहुंचे।

ग्रामीणों ने देवता से इस प्राकृतिक आपदा को रोकने और उन्हें सुरक्षित रखने की गुहार लगाई, क्योंकि लगातार हो रही बारिश से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देवता नाग धुंबल ने ग्रामीणों की गुहार सुनने के बाद उन्हें बताया कि यह आपदा मनुष्य जाति के ही कर्मों का फल है। उन्होंने कहा कि इंसान ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है, देव नीति में राजनीति लाई है और देवताओं के फैसलों की अवहेलना की है। इसके अलावा, विकास की अंधी दौड़ में पेड़ों और पर्वतों का अंधाधुंध दोहन किया गया है। इस कारण आज यह विपदा आई है।

18 करड़ू की नाराजगी का अंदेशा

देवता नाग धुंबल ने कहा कि 18 करड़ू (18 करोड़ देवी-देवता) नाराज हैं। उन्होंने ग्रामीणों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इन देवी-देवताओं ने अपनी नजर फेर ली, तो इसका अंजाम और भी बुरा हो सकता है। देवता ने स्पष्ट किया कि वे 18 करड़ू के आदेशानुसार ही इस स्थिति की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। अगला आदेश देवता आज देंगे।

आदेश 15वें वित्त आयोग की अनुदान राशि जल शक्ति विभाग को देने पर होगी ग्राम सभाओं में चर्चा

जिले में 4, 5 और 6 सितंबर को होंगी ग्राम सभाएं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कैबिनेट निर्णय अनुसार ग्राम पंचायतों को जारी 15वें वित्तायोग के बंधक अनुदान की राशि जल शक्ति विभाग को, पेयजल आपूर्ति योजनाओं के संचालन व रख-रखाव के लिए हस्तांतरित करने को लेकर ग्राम सभा में चर्चा की जानी है।

इन विशेष ग्राम सभा में जल शक्ति विभाग द्वारा संबंधित ग्राम पंचायतों के लिए चिन्हित पेयजल आपूर्ति के कार्यों को ही अनुपूरक जीपीडीपी योजनाओं में शामिल कर अनुदान जल शक्ति विभाग को हस्तांतरित किया जाना है। डीसी तोरुल एस रवीश ने पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा 5(1) तथा पंचायतीराज सामान्य नियम 1997 के नियम 9(2) में अंकित प्रावधानों के तहत जिला कुल्लू की समस्त ग्राम पंचायतों में 4, 5 और 6 सितंबर को विशेष ग्राम सभा के आयोजन करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशों के अनुसार 4 सितंबर को विकास खंड आनी की ग्राम पंचायत करशैईगाड़, तलूणा, विशलाधार, रोपा, कमांद, खणी, कोहिला, शिल्ली, जाबन,

- जीपीडीपी योजनाओं में पेयजल कार्यों को किया जाएगा शामिल

खनाग, नंगोग, पलेही, 5 सितंबर को देवठी, बुच्छैर, बैहना, मुहदल, लगौटी, करशा, विणा, दलाश, फनौटी, पोखरी, टकरासी, लझेरी और 6 सितंबर को ब्यूंगल, कुर्गश, वखनाओं, चौवाई, कुठेड़, कराणा-1, डींगीधार, लफाली, कोटासेरी, कराड, बटाला, मझान, आनी में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा।

विकास खंड बंजार में 4 सितंबर को ग्राम पंचायत दुशाहड़, कोटला, मगलौर, चनौन, कलवारी, नोहण्डा, बाहु, सराज, श्रीकोट, गाडापारली, शैंशर, देहुरीधार, शांघड़, 5 सितंबर को ग्राम पंचायत बनोगी, धाउगी, चकुरठा, गोपालपुर, देउठा, तुंग, शरची, कोठी चैहणी, तांदी, शिल्ली, शिकारीघाट, बलागाड़ खाडागाड़ तथा 6 सितंबर को खाबल, सजवाड़, पेखड़ी, सुचैहण, कनौन, लारजी, प्लाहच, कंडीधार, मशियार, टील, जमद, मोहनी, थाटीबीड़ में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। भुंतर विकास खंड में 4 सितंबर को ग्राम पंचायत ब्राधा, जल्लूग्रा, वडाभूईन, बरशैणी, मणिकर्ण, पारली, भरैण, चौंग, जरी, दियार, बशौणा, भलाण-1, रैला, सचाणी, तेगुबेहड़, हुरला, 5 सितंबर को न्युल, पुन्थल, ज्येष्ठा, जिया, शमशी, बजौरा, हाट, देवगढ़ोही, जां, पराणु भलाण-2, खोखन, छलाल, तलाड़ा, दलासनी, कलैहली, शूरड तथा 6 सितंबर को मलाना, नरैश, भूईन, तलपीणी, छेहर, रैला-2, रतोचा, पीणी, दनोगी, गड़सा, शिल्लीहार, मझली, शाट, रोट, कसोल, मंशगां में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। विकास खंड कुल्लू में 4 सितंबर को ग्राम पंचायत डुगीलग, कोठीसारी, बनोगी, बंदल, ग्राहण, भूमीतीर, नेउली, बल्ह, जरड-भूटटी-कलोनी, खड़िहार, बन्द्रोल, पूईद, 5 सितंबर को माणगढ़, पीज, मांशना, डुंखरीगाहर, मझाट, चौपाडसा, ब्राह्मण, भल्याणी, चन्सारी, बाशिंग, शिल्ली राजगिर, भूलंग और 6 सितंबर को मौहल, फलाण, बुआई, बस्तोरी, चौकीढोभी, बाराहार, शिलानाल, चताणी, बल्ह-2 तलोगी, जिंदौड, सेउगी, नल्हाच में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। नगर विकास खंड के अंतर्गत 4 सितंबर को ग्राम पंचायत अरछंडी, हलाण-1, मंडलगढ़, रायसन, प्रीणी, शनाग, रियाड़, पलचान, विशिष्ठ, ब्राण, बैंची, करड्सू करजां, शलीन, हलाण-2, 5 सितंबर को जाणा, देवगढ़, नग्गर, हुरंग, डुआड़, राउगी, कटराई, बड़ग्रां, बरुआ, मनाली, काईस, सोयल, पीछलीहार, शलिंगचा, गोजरा तथा 6 सितंबर को लराकेलो, पनगां, नथान, जगतसुख, नसोगी, गाहर, शिरड, सोयल-2, चचोगा, रूमसू, सरसेई में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। निरमंड विकास खंड के अंतर्गत 4 सितंबर को ग्राम पंचायत अरसू, डीम, लोट, गडेढ, बाडी, गमोग, नोर, खरगा, कुशवा, जगातखाना, कोटी, शिशवी, 5 सितंबर को बाहवा, निशानी, शिल्ली घाट, कोट, रहाणु, दुराह, बडीधार, ब्रो, बखन तथा 6 सितंबर को बागा सराहन, भालसी, निरथ, सरगा, चायल, पोशना, त्वार, देहरा, तुनन, जुआगी में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा।

लंबित मामलों का जल्द किया जाए निपटारा: पंकज शर्मा

बैठक के दौरान अधिकारियों से चर्चा करते हुए एसडीएम बंजार पंकज शर्मा।

अनंत ज्ञान, बंजार

महिला व बाल विकास विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा बैठक उपमंडल अधिकारी बंजार के कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने की।

इस मौके पर उपमंडल अधिकारी पंकज शर्मा ने विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियां तथा लंबित मामलों के बारे में विस्तार पूर्वक जाना। एसडीएम बंजार ने निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं के तहत जो लंबित मामले हैं, उनका जल्द निपटारा किया जाए तथा इसके अलावा फोल्ड में जो भी कुछ मामले छूट रहे हैं, उन्हें भी जल्द लाभान्वित किया जाए। सुख आश्रय योजना के लाभार्थियों की वर्तमान स्थिति के बारे में सीडीपीओ बंजार चंपा शर्मा तथा सुपरवाइजर से जाना तथा उनको मिलने वाले लाभ के बारे में समीक्षा की। बाल विकास परियोजना अधिकारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सुझाव दिया गया कि सुख आश्रय योजना के अंतर्गत चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट जो भी बच्चे घोषित हैं, उनको हर संभव सहायता की जाए तथा शिक्षा के मामले में उनकी नियमित रूप से काउंसलिंग की जाए, ताकि वह मुख्य धारा से भटके न तथा सरकार द्वारा जो सहायता राशि उनको दी जा रही है उसका सदुपयोग हो सके।

उफनती नदी के साथ खाईनुमा रास्ते से गुजर रहे क्यारी गांव के स्टूडेंट्स

क्यारी व डडवा गांव के छात्र इन दिनों गिरि नदी के ऊपर से स्कूल जाने के लिए गुजर रहे।

एसपी जैरथ, अनंत ज्ञान

नाहन। सिरमौर जिला के रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र व पांवटा साहिब विकास खंड के क्यारी व डडवा गांव के छात्र इन दिनों गिरि नदी के ऊपर से गुजर रहे हैं। ढांक अथवा खाईनुमा रास्ते से जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने पर मजबूर हैं। स्थानीय नेताओं व प्रशासन व सरकार के दावों की पोल खोलती यह तस्वीरें इसलिए भी चर्चा में हैं क्योंकि 3 दिन पहले रेणुका जी के विधायक रहे हिमाचल निर्माता कहलाने वाले डॉ. यशवंत परमार के लिए भारत रतन की मांग करने संबंधी प्रस्ताव विधानसभा द्वारा पारित किया गया है। उनका यह हल्का अब तक एनएच तो दूर स्टेट हाईवे से भी नहीं जुड़ सका है। पंचायत द्वारा बनाई गई क्यारी गांव कच्ची सड़क हर बार बरसात में इस तरह टूट जाती है और फिर बजट मिलने पर काफी समय बाद इसकी मरम्मत होती है। ग्राम पंचायत छछेती के प्रधान रमेश कुमार ने बताया कि इस सड़क को पीडब्लयूडी के माध्यम से बनाने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है, जिसे मंजूरी मिलने के बाद यहां पक्की व बंद न होने सड़क बन सकेगी।

पेयजल योजनाओं में आ रही गाद शहर में पेयजल समस्या बरकरार

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन । भारी बारिश के कारण शहर की प्यास बुझाने वाली गिरि नदी व अश्वनी खड्ड में बार-बार गाद आ रही है। पानी मटमेला होने से पेयजल योजनाओं से पानी की लिफ्टिंग मुश्किल हो रही है। गिरि परियोजना से मटमैला पानी आने की शिकायत के बाद जल शक्ति विभाग टैंकों की गाद बैठने के बाद ही पानी की लिफ्टिंग कर रहा है।

इससे सोलन को मांग अनुसार पानी नहीं मिल रहा है। यदि अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में भी लोगों को सप्ताह में एक ही दिन पानी मिल पा रहा है। आमतौर पर गिरि पेयजल योजना से रोज 18 से 20 लाख गैलन पानी नगर निगम को लिफ्ट होता है पर गाद की समस्या के चलते इन दिनों मांग का 40 से 50 फीसदी पानी ही लिफ्ट हो रहा है। ऐसे में जहां नगर निगम को पानी की राशनिंग करनी पड़ रही है। वहीं, लोगों को भी मांगा अनुसार पानी नहीं मिल पाता। ऐसे में बरसात का मौसम होने के चलते लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। बहरहाल, शहर में फिर से पेयजल संकट गहरा गया है। गिरि परियोजना के वाटर पंप में खराबी आने का भी खतरा रहता है। इस कारण गिरि पेयजल योजना से सोलन के मुख्य टैंकों में मांग के मुताबिक पानी लिफ्ट करना मुश्किल हो गया है। गाद युक्त पानी से लिफ्टिंग पाइप फटने का भी खतरा रहता है। शहर में पिछले तीन दिनों से लोगों को भी को पर्याप्त पानी नहीं मिला। इसके चलते एमएसएस और पड़ग में ही पानी की सप्लाई हुई, जबकि पूरे शहर में पानी नहीं दिया गया। इससे सप्ताह भर से पानी का इंतजार कर रहे लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ा। पानी की मांग पूरी करने को लोगों को फिर से टैंकर का पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ा।

पेयजल की लिफ्टिंग हो रही प्रभावित।

नगर निगम सोलन की मेयर उषा शर्मा का कहना है कि गिरि पेयजल योजना में गाद की समस्या और वोल्टेज की कमी के चलते सोलन शहर को मांग अनुसार पानी लिफ्ट नहीं हो रहा है। पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने तक राशनिंग जारी रहेगी। उपभोक्ताओं से पानी का सदुपयोग करने का आग्रह है।

गाद की समस्या का समाधान नहीं

व्यवस्थागत खामियों के चलते यह समस्या पिछले कई वर्षों से चल रही है, मगर इसके समाधान के लिए अभी तक कोई कार्य योजना नहीं बनी। कहने को तो जल शक्ति विभाग की गिरि पेयजल योजना में गाद से निपटने को अंडरग्राउंड वाटर टैंक बने हैं, लेकिन कम क्षमता के चलते यह शहर की मांग पूरी नहीं करते। गिरि पेयजल योजना पर निर्भर शहर सहित साथ लगते सैकड़ों गांव के लोग भी इन दिनों पेयजल के लिए भटकने को मजबूर हैं।

आपात स्थिति के लिए पानी की स्टोरेज जरूरी

अश्विनी व गिरि पेयजल योजनाओं से शहर को जल शक्ति विभाग द्वारा पानी की आपूर्ति की जाती है व निगम शहर में पानी के वितरण का जिम्मा देखता है। शहर की बढ़ती आबादी के मुकाबले पानी के भंडारण की क्षमता कम है। रोजाना जल शक्ति विभाग द्वारा, जो पानी निगम को दिया जाता है। उसे निगम शहर में वितरित कर देता है। भंडारण टैंक की कमी से आपातकालीन स्थिति के लिए पानी बचाना मुश्किल हो जाता है। खासकर तब जब अश्विनी व गिरि पेयजल योजनाओं में बारिश के कारण गाद आ जाती है। शहर के टैंक रोड में अतिरिक्त टैंक बन जाने से पेयजल की कमी को हल करने में मदद मिलेगी।

सोलन जिले में बारिश से 37 मार्ग अवरुद्ध, सुचारु करने का कार्य जारी

अनंत ज्ञान, सोलन

जिला में पिछले 24 घंटो के दौरान हुई बारिश से जहां नदियां-नाले उफान पर हैं, वहीं सड़कों, पेयजल योजनाओं को भी खासा नुकसान हुआ। हालात ऐसे हैं कि जिला के विभिन्न मंडलों में भूस्खलन, डंगों के गिरने और अन्य बारिश के चलते 37 मार्ग अवरुद्ध हुए हैं, जिन्हें खोलने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है, लेकिन बार-बार हो रही बारिश इस कार्य भी बाधा बनी हुई है। बारिश ने जनजीवन को भी अस्त-व्यस्त कर दिया है और इन दो दिनों में अकेले लोनिवि को ही 4.5 करोड़ से अधिक की चपत लगी है। हालांकि, कोई बड़ा नुकसान सामने नहीं आया।

बारिश के चलते बाहरी राज्यों को जाने वाले रूटों को छोड़कर निगम के बाकि सभी रूट प्रभावित हुए हैं और कई दर्जन रूट ऐसे हैं, जो कि पूरी तरह से बंद पड़े हैं। कुछ ऐसा ही हाल पेयजल योजनाओं का भी है। नदी-नालों के उफान व भूस्खलन से पेयजल योजनाओं को भी खासा नुकसान पहुंचा है। बारिश से बिजली बोर्ड को भी नुकसान झेलना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि बरसात के इस मौसम की बारिश ने जहां जिलाभर में करोड़ों रुपए का नुकसान किया है, वहीं पिछले दो दिनों से लगातार जारी बारिश ने अपना असली रूप दिखाया है।

शिक्षण संस्थान रहे बंद

लगातार हो रही बारिश के बीच सोमवार को सभी शिक्षण संस्थान बंद रहे। रविवार दिन व रात से आरंभ हुई बारिश का क्रम सोमवार को भी जारी रहा। इस भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार को जिलोके सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश की घोषणा कर दी और सोमवार सुबह ही इस संबंध में निर्देश जारी किए। स्कूली बच्चों सहित अन्य विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए यह आदेश जारी किए गए थे। हालांकि, टीचिंग व नॉन-टीचिंग स्टाफ को नियमित तौर पर शिक्षण संस्थानों में आने के लिए कहा गया था।

न्यूज ब्रीफ

घनयार में धूमधाम से मनाया जाएगा गणेश चतुर्थी पर्व

अनंत ज्ञान, सराहां। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणपति बाबा जी के सिद्ध पीठ स्थान घनयार में 27 अगस्त दिन बुधवार को गणेश चतुर्थी पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। गणेश भगवान के पर्व पर क्षेत्र की मशहूर कीर्तन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जा रहा है। गणेश चतुर्थी का पर्व बुधवार 27 अगस्त को रात्रि में मनाया जाता है व भंडारे का आयोजन भी रात्रि समय में किया जाता है। मंदिर समिति ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि गणेश चतुर्थी के पर्व पर रिद्धि-सिद्धि के ज्ञाता विघ्न विनाशक संकट हरने वाले बाबा के सिद्ध पीठ स्थान पर आकर जरूर आशीर्वाद व प्रसाद ग्रहण करें व रात्रि कार्यक्रम में भी भाग लें।

कंसवाला स्कूल में एसएमसी सदस्यों को मिला प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला कंसवाला में अंबुजा फाउंडेशन की ओर से केंद्र कंसवाला की अधीनस्थ पाठशालाओं राप्रापा सेरा, राप्रापा सरडमरास सहित राउ पाठशाला कंसवाला की स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया। विशेषज्ञ सेवानिवृत्त अध्यापक मस्तराम शर्मा ने स्कूल विकास योजना बनाने, अनुदान का सही उपयोग करने, बच्चों का नामांकन और ठहराव को सुनिश्चित करने और विद्यालय संपत्ति की देख-रेख जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान केंद्र मुख्य शिक्षक हीरा लाल गांधी और अंबुजा फाउंडेशन की आयोजक आरती सोनी उपस्थित रहे।

भारी बारिश से कंडाघाट में जनजीवन प्रभावित

अनंत ज्ञान, कंडाघाट । पिछले दो दिनों से कंडाघाट उपमंडल में भारी बारिश का क्रम जारी होने से जनजीवन प्रभावित है। भूस्खलन के कारण यहां की दो प्रमुख सड़के वाकनाघाट-ममलीग और सोलन झाजा चायल बंद हो गई थी। इन सड़कों को लोक निर्माण विभाग ने सोमवार प्रातः बहाल कर दिया। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ शुभम अग्रवाल ने बताया कि अब उपमंडल की सभी सड़कों पर आवाजाही सामान्य है। कंडाघाट में निर्मित और निर्माणाधीन फोरलेन के कलवट का पानी पहले ही दोलग गांव में घरों और इससे स्कूल भवन को खतरा बना हुआ है। बारिश से कई जगह खेतों-रास्तों को क्षति पहुंची है, सभी खड्ड व नाले उफान पर हैं। किसानों को अपनी उपज को खेतों से मंडियों तक पहुंचाने में बाधा आ रही है। स्कूलों में छुट्टी करने के कारण विद्यार्थियों और अभिभावकों को राहत मिली।

प्राकृतिक खेती व सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

अश्वनी शर्मा, अनंत ज्ञान, कसौली। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण विभाग धर्मपुर की ओर से विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत भावगुड़ी में एक किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मास्टर ट्रेनर संजीव ठाकुर ने बताया कि इस किसान गोष्ठी में सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि विभाग से आए खंड तकनीकी प्रबंधक गौरव ठाकुर ने किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी। इसके इलावा प्राकृतिक खेती से पैदा की जाने वाली फसलों मक्की, गेहूं और कच्ची हल्दी के विक्रय मूल्य से अवगत करवाया। विशेषज्ञों ने अंत में किसानों की समस्याओं को भी सुना व उनको विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कोटबेजा, बाड़ियां व ग्राम पंचायत गोयला के किसानों ने भी अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर पंचायत भावगुड़ी की प्रधान दुर्गावती शर्मा के इलावा कृष विभाग धर्मपुर से आए खंड तकनीकी प्रबंधक गौरव ठाकुर, सहायक तकनीकी प्रबंधक संजीव चौधरी, संजीव ठाकुर, स्वाति ठाकुर, किसान हीरा लाल, दीवान चंद,ध्यान सिंह, सुरेंदर सिंह, रक्षा देवी सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

मनीष गतलोगी बने एनएसयूआई जिला सिरमौर के मीडिया को-ऑर्डिनेटर

अनंत ज्ञान, नाहन

छात्र हितों की आवाज को करेंगे बुलंद मनीष गतलोगी

श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र के गांव गतलोग ग्राम पंचायत भाटन भजोंड तहसील नोहराधार से ताल्लुक रखने वाले युवा व आम परिवार से संबंध रखने वाले मनीष गतलोगी को एनएसयूआई जिला सिरमौर का सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर का पद दिया गया है।

संगठन ने इन्हें यह जिम्मेदारी इनकी निर्भीक, निडर और समर्पित निष्ठा भाव के मद्देनजर सौंपी है। मनीष गतलोगी ने बताया कि वह संगठन के द्वारा दी गई जिम्मेदारी को इमानदारी व पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह छात्र हितों की रक्षा करेंगे और उनकी आवाज को सोशल मीडिया के माध्यम से बुलंद करेंगे। मुझे यह नवीन दायित्व पद मिलने पर धन्यवाद करता हूं। श्री रेणुका क्षेत्र के विधायक और वर्तमान में विधानसभा उपाध्यक्ष हिमाचल प्रदेश विनय कुमार व जिला सिरमौर के युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओपी ठाकुर, युवा नेता आर्य कुमार व योगी ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई हिमाचल प्रदेश सोशल मीडिया गोल्डी मेहता, एनएसयूआई सिरमौर अध्यक्ष मनदीप ठाकुर, एनएसयूआई हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक महासचिव विक्रम शर्मा और तमाम एनएसयूआई के कार्यकर्ता और पार्टी व संगठन शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

सोलर सेल निर्माता कंपनी पर लगे अनियमितताओं के आरोप

अनंत ज्ञान, सोलन

जनहित याचिकाकर्ता व सामाजिक कार्यकर्ता अधिवक्ता केतन शर्मा और परमिंदर भट्टी ने सूचना का अधिकार से जुटाई जानकारी के आधार पर बद्दी में सोलर सेल निर्माता कंपनी ज्यूपिटर इंटरनेशनल पर अवैध भू-उपयोग, भूजल लूट और खतरनाक रसायनों से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है।

सोलन में पत्रकार वार्ता करते जनहित याचिकाकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता।

इसको लेकर डीसी सोलन से की गई शिकायत में प्रदूषण बोर्ड, भूजल विभाग, टीसीपी और धारा 118 की परमिशन को लेकर स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। अधिवक्ता केतन शर्मा व परमिंदर भट्टी ने सोलन में पत्रकार वार्ता कर कंपनी प्रबंधन पर नियमों को ताक में रखकर भूजल का तय मानदंड से अधिक उपयोग करने और पर्यावरण भावी पीढ़ियों को ताक में रखकर केमिकल युक्त पानी को अवैज्ञानिक तरीके से ट्रीट करने का आरोप लगाया है। डीसी सोलन ने 25 अप्रैल को एसडीएम बद्दी और अन्य विभागों को संयुक्त निरीक्षण का आदेश दिया था, लेकिन आज तक रिपोर्ट पेश नहीं हुई। ऐसे में प्रबंधन व विभागीय मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। धारा 118 की सत्यता की जांच पूरी होने से पहले ही कंपनी को धारा 118 (एचपी किरायेदारी और भूमि सुधार अधिनियम, 1972) की परमिशन दी गई। उन्होंने कहा कि कंपनी का अधिकतम 150 लाख लीटर प्रतिदिन जल उपयोग का आंकड़ा बताया गया है, जबकि कंपनी प्रतिदिन 15 लाख लीटर पानी की खपत कर रही है। इसी तरह यह यूनिट रिहायशी बस्तियों के बिलकुल पास है। कंपनी सोलर सेल निर्माण में हाइड्रोफ्लोरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सल्फ्यूरिक एसिड, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, फॉस्फोरिक एसिड, एसीटोन, आइसोप्रोपिल अल्कोहल, सोडियम हाइड्रोक्साइड, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, टोल्यूनि, जाइलीन, ट्राई क्लोरो एथिलीन, आर्सिन, फास्फीन, सिलेन, क्लोरीन जैसे खतरनाक रसायनों का उपयोग करती है। खतरनाक रसायन वाली फैक्टिरयों को नियम के कम से कम 1 किमी के रेडियस में आबादी से दूर रखा जाना चाहिए, लेकिन यह दीवार से दीवार चिपकी हुई है। दोनों ने आशंका जताई कि यदि कंपनी के खुले नए गैस टैंकों से अगर कल कोई दुर्घटना या विस्फोट हुआ, इससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर जानलेवा असर पड़ेगा। एक सोलर सेल में औसत 25 लीटर पानी लगता है। कंपनी का लक्ष्य 4 करोड़ सेल बनाना है यानी 100 करोड़ लीटर दूषित पानी आने वाले वर्षों में बद्दी और आस-पास के लोग पानी की भीषण किल्लत और सूखे जैसे हालात झेलेंगे। कंपनी के सभी अवैध बोरवेल को तुरंत सील कर दिया गया। जनहित याचिकाकर्ता व सामाजिक कार्यकर्ता केतन शर्मा व परमिंदर भट्टी ने सरकार से कंपनी के अवैध बोरवेल सील करने, धारा 118 अनुमति की जांच और पर्यावरण प्रदूषण और भूजल चोरी के मामले की जांच के लिए एनजीटी और हाई कोर्ट की गाइड लाइन के मुताबिक उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग की है।

गोवंश की सेवा में हरिओम गोशाला ने पेश की अनूठी मिसाल

बच्चों के जन्मदिन पर गोशाला में आकर गो-पार्टी करते हैं अभिभावक

बीआर चौहान, अनंत ज्ञान

राजगढ़। हरिओम गोशाला यशवंत नगर में गोवंश की सेवा व संरक्षण करने में प्रदेश में एक अनूठी मिसाल कायम की है, जहां पर गोवंश के प्रति सेवा व समर्पण की भावना साक्षात रूप में देखने को मिलती है।

इस गोशाला में एक सौ से अधिक बेसहारा पशुओं को आश्रय मिला है। बता दें कि निजी क्षेत्र में संचालित की जा रही इस गोशाला में मवेशियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, जो कि शायद ही प्रदेश की किसी गोशाला में उपलब्ध होंगी। लोगों द्वारा गोशाला में आकर अपने अथवा बच्चों के जन्मदिन पर गो-पार्टी का आयोजन किया जाता है। ग्रहों की शांति के लिए गोशाला में यथाशक्ति दान भी दिया जाता है। बता दें कि इस समिति द्वारा दो गोशालाएं संचालित की जा रही हैं। इसमें दूसरी गोशाला कोटला बड़ोग में है।

हरिओम गोशाला के प्रधान कपिल ने बताया कि इस गोशाला में शुरूआती दौर में पशुओं के लिए चारा आदि दानी सज्जनों के सहयोग से उपलब्ध करवाया जाता है, जिस पर प्रतिमाह करीब एक लाख रुपए की राशि व्यय होती है, लेकिन अब सरकार द्वारा 16 रुपए प्रति गोवंश प्रतिदिन के हिसाब से अनुदान दिया जा रहा है। इस गोशाला के लिए नेरी जगयाला के अमर सिंह ठाकुर द्वारा साढ़े तीन बीघा भूमि दान की गई है, जिस पर हरिओम गोशाला द्वारा संचालन समिति द्वारा गोशाला का शैड तैयार किया गया है। कपिल ने बताया कि गोशाला में पशुओं को मौसम के अनुसार खनिज युक्त आहार प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए पशुपालन विभाग का सहयोग लिया जाता है। गोशाला में गोवंश की सेवा के लिए पांच कर्मचारियों को तैनात किया गया है, जिन्हें समिति द्वारा अच्छा वेतन दिया जाता है। औषधीय उपले सेनेटाईजर का कार्य करने के अलावा घर में वास्तुदोष, नकारात्मक ऊर्जा व तनाव को दूर करने तथा स्वास्थ्य के लिए काफी लाभवर्धक माने गए हैं। इस गोशाला में गोवंश की बेहतरीन देखभाल होने के फलस्वरूप वर्तमान में कई गाएं दूध देने लग गई हैं। इससे इस गोशाला में तैनात कर्मचारियों का गुजारा हो रहा है।

सीमेंट का ट्रक लेकर जा रहे एक युवक की हादसे में मौत

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

दाड़लाघाट से बिलासपुर की तरफ सीमेंट का ट्रक लेकर जा रहे एक युवक की हादसे में मौत हो गई। हादसा रात करीब ढाई बजे का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार दाड़लाघाट थाने में शिकायतकर्ता अंकुश कुमार पुत्र विनोद कुमार गांव धरोला तहसील कंडाघाट जिला सोलन ने अपनी शिकायत में कहा कि वह विगत रात को अपनी गाड़ी से शिमला से बिलासपुर जा रहा था, जब यह दाड़लाघाट से आगे डोरी की बावड़ी के पास पहुंचा, तो इसके आगे एक ट्रक नंबर एचपी-63-4036 चला था। इसका चालक इसे तेज रफ्तार व लापरवाही से चला रहा था। इससे ट्रक सड़क पर ही पलट गया। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई व ट्रक में लोड सीमेंट भी सड़क पर गिर गया। मृतक की पहचान अर्पित कुमार (21वर्ष) अनिल कुमार, गांव पोहनी, डाकघर नम्होल, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। शव का अर्की अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया का रहा है। डीएसपी संदीप शर्मा ने मामले की पुष्टि की है।

करियर संबंधित विषयों पर की चर्चा

अनंत ज्ञान, सोलन। डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी व वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी में एक कैरियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में बीएससी औद्यानिकी, वानिकी, प्राकृतिक कृषि और बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को कैरियर संबंधित विषयों पर चर्चा व सुझाव दिए गए। सेमिनार के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण डॉ. हरी पॉल संख्यान रहे। खाद्य विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा व प्लेसमेंट सेल की हेड डॉ. रश्मि चौधरी द्वारा छात्र कल्याण संगठन के साथ मिलकर आयोजित किया गया। सेमिनार में बतौर गेस्ट स्पीकर इंस्पाइअरिंग एग्रीकौन के निदेशक रेवती रमन ने छात्रों को वर्तमान समय में प्रतियोगी परीक्षाओं के ट्रेंड्स, अवसरों तथा तैयारी की रणनीतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को कैरियर की सही दिशा चुनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर इंस्पाइअरिंग एग्रीकौन टीम के सतीश ठाकुर और सौरव गौतम ने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने की रणनीतियों पर व्याख्यान दिया।

अंतरसदनीय द्विभाषीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में देवदार सदन प्रथम

पाइन ग्रोव स्कूल सुबाथू में वाद-विवाद प्रतियोगिता में अव्वल रहा देवदार सदन ट्रॉफी के साथ।

अनंत ज्ञान, सोलन

पाइन ग्रोव स्कूल सुबाथू में अंतर्सदनीय द्विभाषीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता छठी से बारहवीं कक्षा के लिए आयोजित की गई थी।

प्रत्येक वक्ता को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पक्ष और विपक्ष प्रस्तुत करने के लिए तीन-तीन मिनट का समय दिया गया था। यह प्रतियोगिता दो चरणों (प्रारंभिक और अंतिम)में आयोजित की गई। अनुसंधान, आलोचनात्मक सोच, वाक्पटुता और विचारों की स्पष्टता वाद-विवाद के प्रमुख पहलू हैं, जो सभी इस आकर्षक कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से दिखाए गए थे। द्विभाषीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा हेड ऑफ स्कूल कैप्टेन रेणु शर्मा द्वारा की गई। विजेताओं को हेड ऑफ स्कूल कैप्टेन रेणु शर्मा द्वारा मंच पर सम्मानित किया गया। प्रथम श्रेणी कक्षा (छठी-आठवीं) कक्षा सातवीं की दामिनी सिंह कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा आठवीं ई के विजेंदर राणा दूसरे स्थान पर रहे।

वरिष्ठ वर्ग(नवमीं-बारहवीं) कक्षा बारहवीं के आर्यन सिरस्वाल ने प्रथम स्थान, कक्षा ग्यारहवीं की वान्या को दूसरा स्थान, जबकि ग्यारहवीं की अलिएका शर्मा को तीसरे स्थान से संतुष्ट रहना पड़ा। द्विभाषीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुल मिलाकर देवदार सदन ने प्रथम स्थान, चिनार सदन को द्वितीय तथा ओक सदन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हेड ऑफ स्कूल कैप्टेन रेणु शर्मा द्वारा द्विभाषीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों की सराहना की गई।

आयोजन पूर्व छात्रों ने ताजा की यादें, कॉलेज के प्रति भावनात्मक जुड़ाव को साझा किया

सोलन कॉलेज में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को मिला सम्मान

अनंत ज्ञान, सोलन

राजकीय महाविद्यालय सोलन के स्थापना दिवस समारोह का भव्य कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। समापन अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मनीषा कोहली मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

यह आयोजन कॉलेज के ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। समारोह में ओएसए अध्यक्ष राजीव चोपड़ा, उपाध्यक्ष मनमोहन सिंह, पूर्व अध्यक्ष कुलराकेश पंत, महासचिव डॉ. स्नेहलता मेहता सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभू धीर नटराजन, प्रतीक गोयल, डॉ. नरेंद्र वर्मा, अश्वनी, संदीप ठाकुर, रेनुका, रीता लाल सहित कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक अन्य शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग ने भी भाग लिया। मुख्यातिथि डॉ. मनीषा कोहली ने ओएसए को इस सात कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा भविष्य में निरंतर सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने हाल ही में आयोजित परीक्षाओं विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

राजकीय महाविद्यालय सोलन का स्थापना दिवस समारोह भव्य कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इसमें पहुंचे पूर्व छात्र और अन्य।

पुरस्कृत विद्यार्थियों में रमनिक अटल, श्वेता ठाकुर, कोमल आदि शामिल रहे। समारोह में पूर्व छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें नृत्य, अंताक्षरी व अन्य रोचक गतिविधियों ने सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। पूर्व छात्रों ने इस अवसर पर अपने महाविद्यालय से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया और महाविद्यालय के प्रति भावनात्मक जुड़ाव को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष राजीव चोपड़ा, उपाध्यक्ष मनमोहन सिंह और पूर्व अध्यक्ष के कुल राकेश पंत ने सभा को संबोधित करते हुए कॉलेज के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं, महासचिव डॉ. स्नेहलता मेहता ने मुख्यातिथि सहित सभी गणमान्य जनों का स्वागत किया और मंच संचालन किया।

अंत में डॉ. अनिल ठाकुर ने ओएसए के पदाधिकारियों, शिक्षकों, गैर-शिक्षक कर्मचारियों तथा छात्रों का इस सात दिवसीय आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

खेलो इंडिया लीग में छाई लीजेंड्स मार्शल आर्ट्स बद्दी की ताईक्वांडो टीम

ओम शर्मा, अनंत ज्ञान

बद्दी। खेलो इंडिया लीग के तहत अस्मिता खेलो इंडिया ताइक्वांडो लीग में लीजेंड्स मार्शल आर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर 7 पदक हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

खेलो इंडिया नेशनल प्रोग्राम के तहत आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया ताईक्वांडो लीग का आयोजन पंजाब के फगवाड़ा में हुआ। इसमें जीनल भारद्वाज, जोयल भारद्वाज, दिव्यांशी ठाकुर और चहक बाहेती ने क्यूरुगी फाइट इवेंट में गोल्ड मेडल और सानवी डोगरा ने ब्रोंज मेडल हासिल किया। वहीं, पूमसे इवेंट में एकता शर्मा और मीमांसा चायल ने गोल्ड मेडल हासिल किया। जानकारी देते हुए टीम के कोच समीर कुमार ने बताया के इस लीग में लीजेंड्स मार्शल आर्ट अकादमी के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। बच्चों की इस उपलब्धि पर टीम कोच समीर कुमार, सहायक कोच और अकादमी के अन्य खिलाड़ियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई व सभी खिलाड़ियों को आगे ओर ऊंचाइयों को छूने के लिए मनोबल बढ़ाया। कोच समीर कुमार ने बताया के सभी मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी खेलो इंडिया लीग में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खेलो इंडिया ताईक्वांडो लीग में मेडल हासिल करने वाले खिलाड़ी कोच समीर कुमार के साथ।

न्यूज ब्रीफ

एयरफोर्स करेगी चिन्यालीसौड़, गौचर हवाई पट्टियों का संचालन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी) और गौचर (चमोली) हवाई पट्टियों का संचालन इंडियन एयरफोर्स करेगी। जबकि पिथौरागढ़ हवाई अड्डे का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा। सरकार पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार भी करने जा रही है, जिस पर 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रदेश सरकार सीमांत जनपदों में हवाई सेवाओं को विस्तार करने पर प्रस्ताव दे रही है। इससे स्थानीय निवासियों के साथ ही सामरिक जरूरतों को भी पूरा किया जा सकता है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी) और गौचर (चमोली) में स्थित हवाई पट्टियों का संचालन भारतीय एयरफोर्स के हवाले करने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है। इसी तरह प्रदेश सरकार पिथौरागढ़ एयरपोर्ट पर बढ़ती हवाई सेवाओं को देखते हुए, इसका संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के जरिए करने पर सैद्धांतिक तौर पर सहमत हो गई है। इसके लिए राज्य सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच एमओयू पर सहमति बन गई है। सरकार पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार भी करने जा रही है, जिस पर करीब 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे भी सरकार की सुरक्षा से गुंजी से आदि कैलाश क्षेत्र में हवाई सेवा शुरू करने के लिए यहां एक किमी लंबी हवाई पट्टी बनाने की तैयारी कर रही है, इस हवाई पट्टी के निर्माण में भी एयरफोर्स द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

राजीव गांधी स्टेडियम का होगा नवीनीकरण

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के रोहतक में स्थित राजीव गांधी खेल परिसर में अब खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इसके लिए सरकार ने स्टेडियम के जीर्णोद्वार के लिए 35 करोड़ का बजट तैयार किया है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को विधानसभा में स्वीकार किया कि स्टेडियम की कई सुविधाएं सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी टर्फ, वॉलीबॉल और कबड्डी कोर्ट, लॉन टेनिस ग्राउंड, शौचालय, चेंजिंग रूम और पेयजल व्यवस्था खस्ताहाल में हैं और इनकी मरम्मत बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार ने 25.76 करोड़ रुपए की योजना तैयार की है। इसमें से 17.40 करोड़ रुपये सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक के नवीनीकरण पर और 8.36 करोड़ रुपये हॉकी टर्फ पर खर्च किए जाएंगे। साथ ही, 8.81 करोड़ रुपये की लागत से फ्लड लाइट, हाई मस्ट लाइट, वॉटर कूलर और एयर कंडीशनिंग जैसी अतिरिक्त सुविधाओं की विशेष मरम्मत का प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग के पास विचाराधीन है। रोहतक विधायक भारत भूषण बतरा ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि पूर्व की हुड्डा सरकार के समय यह स्टेडियम बना था लेकिन अनदेखी के चलते इसकी जर्जर हालत हो गई है। गौरव गौतम ने कहा कि स्टेडियम में नेशनल एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किया जा चुका है। यह देश का सबसे बड़ा एक्सीलेंस सेंटर है। उन्होंने पिछले वर्षों में स्टेडियम पर खर्च का ब्यौरा भी सदन में रखा। मरम्मत और अपग्रेडेशन के बाद स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। फिलहाल कई युवा एथलीट्स को खराब ट्रैक और जर्जर सुविधाओं के कारण अभ्यास में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कुरुक्षेत्र में बनेंगी पार्किंग : कृष्ण लाल पंवार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। धर्म क्षेत्र कुरुक्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को अब जाम से निजात मिलेगी। प्रदेश सरकार ने नए पार्किंग स्थल बनाने की योजना तैयार की है। शहर के सेक्टर-10 में पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। थानेसर से कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने मानसून सत्र के दौरान सदन में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान जाम की स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से जवाब मांगा कि बढ़ते ट्रैफिक और जाम की स्थिति को देखते हुए यातायात प्रबंधन को सुधारने के लिए क्या योजना तैयार की गई है। पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने जवाब दिया कि गीता महोत्सव में बढ़ रही पर्यटकों की तादाद को देखते हुए पार्किंग स्थल बनाए जा रहे हैं। आगामी वर्ष तक पार्किंग स्थल बनकर तैयार हो जाएंगे। पंचायत मंत्री के जवाब पर विधायक अशोक अरोड़ा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सेक्टर-10 की दूरी ब्रह्मसरोवर से तीन से चार किलोमीटर है। पार्किंग स्थल सेक्टर-10 की बजाय ब्रह्मसरोवर के आसपास बनाए जाने चाहिए, इस पर पंचायत मंत्री ने जवाब दिया कि ब्रह्मसरोवर के नजदीक ही नई अनाज मंडी हैं, जहां पर दो हजार बसें और चार से पांच हजार छोटे वाहनों को खड़े करने की व्यवस्था है। पंचायत मंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र शहर में रिंग रोड और बाईपास परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही यमुनानगर-कुरुक्षेत्र-लाडवा-पिहोवा मार्ग को फोरलेन बनाया जाएगा। बाकायदा, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा इसकी घोषणा की जा चुकी है।

जालंधर में अमोनिया गैस लीक से हड़कंप, फैक्टरी में फंसे 30 मजदूर

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

दीवार को तोड़कर क्रेन की मदद से निकाले मजदूर

पंजाब के जालंधर में बड़ी घटना हुई है। यहां एक फैक्टरी में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ है। घटना सोमवार शाम की है। जालंधर में सर्जिकल कंप्लेक्स में स्थित मैट्रो मिल्क फैक्टरी में अचानक अमोनिया गैस का रिसाव होने से हड़कंप मच गया।

इसके बाद फैक्टरी की दीवार तोड़कर कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। क्रेन की सहायता से 30 मजदूरों को निकाला गया है जिनको इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

जानकारी के अनुसार गैस लीक होने के बाद फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। बताया जा रहा है कि उस समय फैक्टरी के अंदर करीब 30 से 40 लोग मौजूद थे, जो गैस रिसाव के कारण अंदर ही फंस गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए राहत-बचाव दल को तुरंत मौके पर बुलाया गया राहत कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया। फैक्टरी की दीवार को तोड़कर क्रेन की मदद से अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

गैस के रिसाव के कारण आसपास के इलाकों में भी लोगों को सतर्क कर दिया गया है ताकि किसी भी तरह की जनहानि न हो। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के उच्च अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। मेडिकल टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी घायल को तुरंत उपचार मिल सके। फिलहाल गैस रिसाव के कारणों का पता लगाया जा रहा है और हालात पर काबू पाने की कोशिशें जारी हैं। मैट्रो दूध व दही की बड़ी फैक्टरी है जहां से पंजाब के कई हिस्सों में दूध व दही सप्लाई होता है।

हरियाणा सरकार का दावा एक साल में सात गैंगस्टर मारे

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान विपक्ष जहां कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर मुखर हो रहा है वहीं सरकार भी बचाव की मुद्रा में आ गई है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर मंगलवार को काम रोको प्रस्ताव के तहत चर्चा होगी।

इससे पहले सोमवार को कालांवाली से विधायक शीशपाल केहरवाला के अतारांकित सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इनेलो से लेकर कांग्रेस के शासन में जहां एफआइआर दर्ज नहीं की जाती थी, वहीं भाजपा सरकार में गैंग चलाने वाले गैंगस्टर मौत के घाट उतारे जा रहे हैं। वर्ष 2024 में बदमाशों के साथ 42 पुलिस मुठभेड़ हुई। जिसमें सात गैंगस्टर मौत के घाट उतार दिए गए। जबकि 57 घायल हुए। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वर्ष 2017 में संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के गठन के बाद अपराधी हरियाणा छोड़ रहे हैं। अपराध रोकथाम के लिए मानक संचालक प्रक्रिया (एसओपी) का गठन किया जा रहा है।

बस क्यू शेल्टर्स पर क्यूआर कोड आधारित जर्नी प्लानिंग की शुरुआत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

बसों के अपेक्षित आगमन और सुगम यात्रा योजना की जानकारी होगी उपलब्ध

चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग ने शहरी परिवहन और यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए अंतरराज्यीय टर्मिनलों और शहरभर के बस क्यू शेल्टर्स पर क्यूआर कोड आधारित जर्नी प्लानिंग सुविधा की शुरुआत की है। इस नवाचार का उद्देश्य यात्रियों को बसों के अपेक्षित आगमन समय और सुगम यात्रा योजना की जानकारी सीधे उनके स्मार्टफोन पर उपलब्ध कराना है।

अब किसी भी निर्धारित बस क्यू शेल्टर पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन करने पर यात्री सीधे एक वेब पेज पर पहुंचेंगे, जहां वे अपना गंतव्य दर्ज कर वास्तविक समय में बसों के आगमन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही उन्हें अपने गंतव्य तक जाने वाले मार्गों एवं अन्य संबंधित जानकारी भी उपलब्ध होगी। यह विशेष प्लेटफॉर्म एक संपूर्ण सूचना केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिसमें बस मार्ग, समय-सारिणी और अपेक्षित आगमन समय जैसी आवश्यक जानकारियां शामिल होंगी। इस तकनीक का समावेश चंडीगढ़ निवासियों और शहर में आने वाले आगंतुकों के लिए सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को उपयोग में लेने के तरीके को पूरी तरह बदलने वाला साबित होगा।

विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल्स निखारने की जरूरत : राजीव

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

एमसीएम में एमबीए रुझानों पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग और कैरियर काउंसिलिंग सेल ने 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एमबीए' विषय पर एक ज्ञानवर्धक और संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। हिटबुल्सआई में सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट, राजीव मार्कंडेय, इस सत्र में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए।

उन्होंने छात्राओं को दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता के लिए कैरियर योजना और कौशल विकास के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने इमोशनल इंटेलिजेंस में दक्षता, वैश्विक दृष्टिकोण का विकास और संचार, समस्या-समाधान, सहयोग तथा अनुकूलन जैसी सॉफ्ट स्किल्स को निखारने पर जोर दिया, जो आज की गतिशील व्यावसायिक दुनिया में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

श्री मार्कंडेय ने छात्राओं को स्नातकोत्तर स्तर पर उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया, जिनमें एमबीए और विदेशों में अन्य मास्टर्स कार्यक्रम शामिल हैं। कार्यवाहक प्राचार्या नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना की और इस बात पर बल दिया कि महाविद्यालय छात्राओं को प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिदृश्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईएएस और एचसीएस अधिकारियों के तबादले

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से आठ आईएएस और 12 एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। राज्य सरकार द्वारा सोमवार को जारी किए गए आदेशों के अनुसार, आईएएस अधिकारी अपराजिता को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) का मिशन निदेशक नियुक्त किया गया है। अंकिता चौधरी को नगर निगम गुरुग्राम में अतिरिक्त आयुक्त लगाया गया है।

नूंह के अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी प्रदीप सिंह को जिला परिषद नूंह और डीआरडीए नूंह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है।

पुनर्जीवन न्यूरोथैरेपी दवाओं से मुक्ति की नई दिशा : मीना

अनंत ज्ञान, पंचकूला

पंचकूला में पुनर्जीवन न्यूरोथैरेपी एवं वेलनेस सेंटर की शाखा की शुरुआत

प्राकृतिक उपचार की दिशा में एक नया कदम उठाते हुए न्यूरोथैरेपिस्ट एवं योग विशेषज्ञ मीना कुमारी बांगड़ ने पंचकूला में पुनर्जीवन न्यूरोथैरेपी एवं वेलनेस सेंटर की पहली शाखा की शुरुआत की। इस शाखा का उद्घाटन जेवेलर्स एसोसिएशन चंडीगढ़ के अध्यक्ष महेन्दर सिंह बरेटा, समाजसेवी डॉ. अमर नाथ गर्ग व डॉ. एसएस काहलों ने किया।

मीना बांगड़ के अनुसार, यह विधि शरीर की आंतरिक ऊर्जा को संतुलित कर, दवा व ऑपरेशन के बिना शरीर की ग्रंथियों को सक्रिय करती है, जिससे रोगों का प्राकृतिक उपचार संभव होता है। यह पद्धति उन्हें उनके गुरु लाजपतराय मेहरा से प्राप्त हुई है।

उन्होंने बताया कि इस विधि से लकवा, सेरेब्रल पाल्सी, माइग्रेन, डायबिटीज, थायरॉयड, हार्मोनल असंतुलन, मिर्गी, रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा, फेशियल पैरालिसिस जैसे सामान्य से लेकर जटिल न्यूरोलॉजिकल रोगों का सफल उपचार किया गया है।

अधिकतर रोगियों में 7 से 15 दिन में सुधार दिखने लगता है। मीना बांगड़ देश-विदेश में ऑनलाइन परामर्श भी देती हैं और सेंटर द्वारा नि:शुल्क इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत हेल्थ प्रोफेशनल्स को प्रशिक्षित किया जाता है। उनका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा को हर व्यक्ति तक पहुँचाना है। इस अवसर पर अनूप सरीन, शकुंतला रानी, केवल भर्ती व जितेन्द्र पाल सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

देश-विदेश

जेल को सीएम-पीएम हाउस बनाना चाहता है विपक्ष : अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक पर विपक्ष के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा कि क्या कोई मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री या मंत्री जेल से सरकार चला सकता है। वे चाहते हैं कि उन्हें जेल से सरकार चलाने का विकल्प मिले। शाह ने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा, खुद की गिरफ्तारी, संसद में विपक्ष के विरोध पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, 'कभी देश का प्रधानमंत्री जेल जाए तो क्या जेल से प्रधानमंत्री सरकार चलाए, वो क्या ठीक है? कोई मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाए, ये क्या ठीक है? जिस भी दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति शासन चलाएगा। आपकी बेल हो जाए तो आप फिर पद संभाल लीजिए।' (अनंत ज्ञान)

राहुल ने अध्यादेश क्यों फाड़ा था

शाह ने कहा कि लालू यादव को बचाने के लिए मनमोहन सिंह सरकार अध्यादेश लाई थी। उसे राहुल गांधी ने क्यों फाड़ा, क्या औचित्य था? क्योंकि आप लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं। दरअसल, 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति में अपराधियों की एंट्री रोकने के लिए एक फैसला सुनाया था। इसमें राजनेताओं की सदस्यता रद्द और 6 साल तक चुनाव न लड़ने का फैसला सुनाया गया था। मनमोहन सरकार ने फैसले के खिलाफ अध्यादेश लाई। राहुल ने सड़क पर ही अध्यादेश फाड़ने की बात कही।

खड़गे बोले-भाजपा की वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी में लगी है।

भाजपा विपक्षी सरकारें गिराने की साजिश कर रही

लोकसभा में पेश पीएम-सीएम की बर्खास्तगी का बिल विपक्षी सरकारों को 30 दिन में गिराने और लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि यह बिल नागरिकों से अपनी चुनी हुई सरकार बनाने या हटाने का अधिकार छीन लेगा।

ये लोग (केंद्र सरकार) ईडी-सीबीआई जैसी एजेंसियों को अधिकार सौंप देते हैं। ऐसा होना लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है। खड़गे ने कहा कि मोदी जिन लोगों को पहले भ्रष्ट कहते थे, आज उन्हें मंत्री बना दिया। 193 केसों में इडी ने विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की, लेकिन सिर्फ 2 में ही सजा हुई। (अनंत ज्ञान)

रेड्डी पर शाह की टिप्पणी को 18 जजों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया

एजेंसी, नई दिल्ली। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी की रिटायर्ड जजों ने आलोचना की है। शाह ने रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया है, जिसे पूर्व जजों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

उपराष्ट्रपति पद का सम्मान करना ही बुद्धिमानी होगी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों के समूह में पूर्व जज जस्टिस कुरियन जोसेफ, जस्टिस मदन बी लोकुर और जस्टिस जे चेलमेश्वर समेत 18 जज शामिल हैं। सलवा जुडूम फैसला स्पष्ट या परोक्ष रूप से नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन नहीं करता। उन्होंने कहा किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना करने से बचना चाहिए।(अनंत ज्ञान)

गाजा में हॉस्पिटल पर इसराइल का मिसाइल हमला, 15 लोगों की मौत

एजेंसी, गाजा

मरने वालों में अल जजीरा और रॉयटर्स के तीन पत्रकार

गाजा के हेल्थ मंत्रालय के मुताबिक, सोमवार को दक्षिणी गाजा में नासर हॉस्पिटल की चौथी मंजिल पर इसराइली मिसाइल हमले में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन पत्रकार शामिल हैं। मरने वालों में अल जजीरा और रॉयटर्स के पत्रकार थे।

हेल्थ मंत्रालय ने बताया कि यह हमला एक डबल-टैप हमला था, जिसमें लगातार दो मिसाइल हमले हुए। इससे रेस्क्यू का काम और ज्यादा खतरनाक हो गया। इसराइली सेना ने इस हमले पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, इजराइल ने पहले अस्पतालों पर हमलों को यह कहकर जायज ठहराया है कि वहां हमास के आतंकवादी कमांड और कंट्रोल सेंटर चला रहे थे। कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स के मुताबिक, इजराइल-हमास संघर्ष अब तक कुल 192 पत्रकार मारे गए हैं। जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 200 से ज्यादा पत्रकारों के मारे जाने की कही गई है। इस जंग के मुकाबले अब तक रूस-यूक्रेन वॉर में सिर्फ 18 पत्रकारों की मौत हुई है। गाजा के हेल्थ मंत्रालय ने बताया कि इस जंग में अब तक 62,686 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। अनुमान के मुताबिक मरने वालों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं। (अनंत ज्ञान)

लुधियाना में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

एजेंसी, लुधियाना। पंजाब के लुधियाना के श्री गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। एक महिला ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपने कपड़े उतारकर फेंक दिए। वहां अरदास करने पहुंचे लोगों ने किसी तरह उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और हंगामा करती रही। इसके बाद संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। घटना श्री गुरुद्वारा साहिब में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। इसका वीडियो सामने आने के बाद संगठन अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सदस्य जसवंत सिंह चीमा की शिकायत पर थाना साहनेवाल की पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महिला ने ऐसा क्यों किया। (अनंत ज्ञान)

चीन में टेलिग्राम पर महिलाओं की निजी तस्वीरें लीक

एजेंसी, बीजिंग। चीन में महिलाओं की प्राइवेसी से जुड़ा बड़ा स्कैंडल सामने आया है। टेलिग्राम पर चल रहे एक सीक्रेट चैनल मास्क पार्क ट्रीहोल फोरम में हजारों महिलाओं की इंटिमेट फोटो और वीडियो शेयर किए जा रहे थे। सीएनएन की खबर के मुताबिक, चैनल के 1 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर थे। चीन में सिर्फ वीपीएन के जरिए चैनल को एक्सेस किया जा सकता था। पीड़ितों में शामिल एक महिला ने बताया कि उनके एक्स बॉयफ्रेंड ने उनकी निजी तस्वीरें लीक कर दी हैं। उसे इसकी जानकारी तब मिली जब एक अनजान शख्स ने सबूत भेजकर बताया कि उसकी सोशल मीडिया डिटेल्स और वीडियो इस चैनल पर घूम रहे हैं। जब उसने एक्स बॉयफ्रेंड से पूछा तो उसने 3 लोगों को तस्वीरें भेजने की बात मानी, लेकिन असल में लीक कहीं ज्यादा बड़ा था। (अनंत ज्ञान)

सोना 987 और चांदी 2,627 रुपए महंगी

एजेंसी, नई दिल्ली। सोमवार को चांदी ने ऑलटाइम हाई बनाया है। सोमवार को एक किलो चांदी की कीमत 2,627 रुपए महंगी होकर 1,16,533 रुपए हो गई है। शुक्रवार को चांदी 1,13,906 रुपए प्रति किलो थी। इससे पहले 23 जुलाई को चांदी ने 1,15,850 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम सोने का भाव 987 रुपए चढ़कर 1,00,345 रुपए पर पहुंच गया है। शुक्रवार को यह 99,358 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 8 अगस्त को गोल्ड ने 1,01,406 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। मार्केट एक्सपर्ट केडिया कमोडिटी के अनुसार, 2025 के आखिर तक एक किलो चांदी की कीमत 1.30 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। मनीकंट्रोल अनुमान है कि चांदी में 34 की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे कीमत 1,46,000 प्रति किलोग्राम तक जा सकती है। (अनंत ज्ञान)

रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत : विनय कुमार

एजेंसी, मॉस्को

कहा- जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहीं से लेंगे

रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां उन्हें सबसे अच्छा सौदा मिलेगा। उन्होंने भारत पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ को बेबुनियाद बताया। विनय कुमार ने कहा कि ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू हो जाएगा।

बता दें कि भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2 प्रतिशत (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इंपोर्ट करता था।

मई 2023 तक यह बढ़कर 45 प्रतिशत (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है। (अनंत ज्ञान)

राजस्थान के सीकर स्टेशन पर पानी में डूबा रेलवे ट्रैक

एजेंसी, नई दिल्ली/जयपुर

राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 2 दिन से भारी बारिश हो रही है। जयपुर, सीकर के कई इलाकों में पानी भर गया है। सीकर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक डूब गया। उदयपुर में खेरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग पर सोम नदी का पानी आने से रास्ता बंद है। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर 23 अगस्त से पानी भरा हुआ है। सवाई माधोपुर में बारिश के बाद करीब 50 फुट जमीन धंस गई।

वहीं, बिहार के पटना में सोमवार सुबह मूसलाधार बारिश हुई। इससे कुर्जी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना जंक्शन, गांधी मैदान, खेतान मार्केट, जेपी गंगा पथ समेत कई इलाकों में 2 से 3 फुट तक पानी भर गया है। वहीं, झारखंड में हो रही बारिश के कारण नालंदा में नदियों का जलस्तर बढ़ने बाढ़ के हालात हैं। यूपी में बारिश से चंदौली में घाघरा नदी पर बना मुसाहिबपुर बांध अचानक टूट गया। इसका पानी 5 गांवों में घुस गया है। फर्रुखाबाद का भुड़िया भेड़ा गांव गंगा नदी की बाढ़ से टापू बन गया है। इसके चलते लोग नाव से आ-जा रहे हैं। वहीं, उत्तराखंड में यमुनोत्री नेशनल हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गया है। यह भूस्खलन बाणस के पास हुआ, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। (अनंत ज्ञान)

खुलासा प्रवर्तन निदेशालय के कस्टोडियन भूमि हड़पने के मामलों की जांच में खुलासा

जम्मू में 500 कनाल भूमि पर अफसरों ने कराया कब्जा

एजेंसी, जम्मू

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), जम्मू उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने गत 22 अगस्त से जम्मू और उधमपुर के विभिन्न स्थानों पर कस्टोडियन भूमि हड़पने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी अभियान जेएंडके सरकार में विभिन्न पटवारियों, तहसीलदारों, बिचौलियों और भूमि हड़पने वालों के खिलाफ चलाया गया।

आरोप है कि ये लोग कस्टोडियन भूमि (निष्कासित लोगों द्वारा छोड़ी गई भूमि, जो पहले पाकिस्तान चले गए थे) से संबंधित धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में लिप्त थे। वह भूमि लगभग 502.5 कनाल थी। उस पर अवैध कब्जा करा दिया गया। ईडी ने एसीबी, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी को मालूम चला कि इस धोखाधड़ी के मामले में सरकारी अधिकारी भी मिले हुए हैं। इनमें राजस्व महकमे के तहसीलदार और पटवारी भी शामिल हैं। इनके अलावा कई निजी व्यक्ति भी इस केस में शामिल रहे हैं।

जांच एजेंसी के मुताबिक, राजस्व अधिकारियों को मालूम था कि यह जमीन उन लोगों की है, जो अब पाकिस्तान जा चुके हैं। इस जमीन पर कब्जा कराने के लिए निजी व्यक्तियों और भूमि हड़पने वालों से संपर्क किया गया। इस केस में कुछ बिचौलिये भी शामिल रहे हैं। इन सब लोगों ने आपसी मिलीभगत से जम्मू और उसके आसपास स्थित लगभग 502.5 कनाल सरकारी कस्टोडियन भूमि को धोखाधड़ी से हड़प लिया। उक्त भूमि का मूल्य लगभग 20 करोड़ रुपए है। 2022 से जाली पिछली तारीख के म्यूटेशन रिकॉर्ड, पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री विलेख और आधिकारिक राजस्व अभिलेखों में झूठी प्रविष्टियां बनाकर भूमि पर अवैध कब्जा किया गया। धोखाधड़ी से हड़पी गई सरकारी संरक्षक भूमि को बाद में जाली दस्तावेजों के माध्यम से बेच दिया गया। बिक्री से प्राप्त राशि (अपराध की आय) को आरोपी व्यक्तियों से संबंधित कई खातों के माध्यम से निजी उपयोग के लिए स्थानांतरित कर दिया गया। तलाशी के परिणामस्वरूप संपत्ति, राजस्व रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य से संबंधित विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं। मामले की जांच जारी है। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 329 अंक चढ़कर 81,636 के स्तर पर बंद

एजेंसी, मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ।। निफ्टी में भी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में तेजी और 7 में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 में तेजी और 15 में गिरावट रही। वहीं, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे गिरकर 87.58 (अनंतिम) पर बंद हुआ। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई नए प्रायोजक की तलाश में

एजेंसी, नई दिल्ली। फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल प्रायोजक नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और बीसीसीआई विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिए नए टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है।(अनंत ज्ञान)

प्रज्ञानानंदा संयुक्त दूसरे स्थान पर गुकेश को संयुक्त चौथा स्थान

एजेंसी, सेंट लुइस (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर के सिनक्यूफील्ड कप के छठे दौर में पोलैंड के जान क्रिस्टोफ डुडा से ड्रॉ खेलकर संयुक्त दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। प्रज्ञानानंदा का यह लगातार पांचवां ड्रॉ था। अब उनके छह मुकाबलों में 3.5 अंक हैं। अमेरिका के फेबियानो कारूआना चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा के साथ अमेरिका के लेवोन आरोनियन भी दूसरे स्थान पर हैं। विश्व चैंपियन डी गुकेश, अमेरिका के वेसली सो और सैमुअल सेवियान, फ्रांस के अलीरजा फिरोजा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।(अनंत ज्ञान)

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप: नीरज चोपड़ा समेत 15 भारतीय दावेदार

एजेंसी, नई दिल्ली। अगले महीने टोक्यो में होने वाली एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में लगभग 15 भारतीय खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है, जबकि हंगरी में 2023 विश्व चैंपियनशिप में देश के 28 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। बुडापेस्ट में 2023 में हुए विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में स्वर्ण जीता था। 28 अगस्त को भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन टीम चयन को लेकर बैठक करेगा। वहीं चोपड़ा के अलावा केवल पारुल चौधरी (महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज), गुलवीर सिंह (पुरुष 5,000 मीटर) और प्रवीण चित्रवेल (पुरुषों की त्रिकूद) ने स्वतः क्वालिफिकेशन मार्क पार किया है। क्वालिफिकेशन हासिल करने वाले अविनाश साबले चोट और उसके बाद की सर्जरी के कारण बाहर हो गए हैं। विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दावेदारी में शामिल भारतीय खिलाड़ियों में अन्नू रानी (महिला भाला फेंक), प्रियंका गोस्वामी (महिला 35 किमी रेस वॉक), अनिमेष कुजुर (पुरुष 200 मीटर), अब्दुल्ला अबूबकर (पुरुष त्रिकूद), सेर्विन सेबेस्टियन और अक्षदीप सिंह (दोनों पुरुष 20 किमी रेस वॉक), राम बाबू (पुरुष 35 किमी रेस वॉक), सचिन, यशवीर और रोहित (सभी पुरुष भाला फेंक) के नाम शामिल है। (अनंत ज्ञान)

खूबसूरत अंदाज में होली फर्लिंग

होली फर्लिंग एक महिला क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 2013 में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए खेलना शुरू किया था। 2013 में डेब्यू के बाद उन्होंने 2016 में अपना अंतिम मैच खेला था। फर्लिंग अब मेलबर्न स्टार्स और क्वींसलैंड फायर के लिए घरेलू क्रिकेट खेलती हैं।

शाकिब टी20 में 500 विकेट लेने वाले बांग्लादेश के पहले खिलाड़ी बने

एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। शाकिब टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले बांग्लादेश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। शाकिब ने एंटिगा एंड बारबुडा फैलकॉन्स के लिए खेलते हुए सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिएट्स के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। वह मैच में एक विकेट लेते ही टी20 में 500 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। 2006 में टी20 डेब्यू करने के बाद से ही शाकिब का खेल के छोटे प्रारूप में काफी प्रभाव रहा है। शाकिब दुनियाभर की फ्रेंचाइजी लीग का भी हिस्सा हैं और आईपीएल में वह 2012 और 2014 में खिताब जीतने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा रहे थे और उन्होंने दोनों ही बार टीम की जीत में योगदान दिया था। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में भी वह अपना दम दिखाने में सफल रहे हैं। शाकिब 149 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और उनके नाम दो खिताब भी हैं। सीपीएल में भी शाकिब का योगदान महत्वपूर्ण रहा है, जो 2013 में उनके पदार्पण सत्र से शुरू होता है जब वे टूर्नामेंट के दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। शाकिब इसके साथ ही उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने टी20 में 500 या इससे अधिक विकेट लिए हैं। टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के राशिद खान के नाम है जिन्होंने 660 विकेट लिए हैं। वहीं, वेस्टइंडीज के ही सुनील नरेन 590 विकेट के साथ तीसरे और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर 554 विकेट के साथ सूची में चौथे स्थान पर हैं। शाकिब ने अब तक टी20 में 502 विकेट लिए हैं।(अनंत ज्ञान)

महिला विश्व कप 15 सदस्यीय टीम भारत से 15 अक्तूबर को भिड़ेगी

फातिया सना को पाक टीम की कमान

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है, जिसकी मेजबानी पूरी तरह से भारत के पास है। टीम इंडिया ने कुछ ही दिन पहले अपने इस महिला वनडे विश्व कप के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान किया था। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 25 अगस्त को अपने स्क्वाड का ऐलान किया है। टीम में कुल 15 खिलाड़ियों को मौका मिला है। (अनंत ज्ञान)

इस दिन होगा टीम इंडिया से मुकाबला

पाकिस्तान की महिला टीम वनडे विश्व कप के लीग स्टेज के दौरान कुल 7 मुकाबले खेलेगी। उनकी पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 2 अक्तूबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान को इस दौरान भारतीय महिला टीम के खिलाफ भी मुकाबला खेलना है। भारत से उनका यह मैच 05 अक्टूबर को होगा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ भी उन्हें मैच खेलना है।

सिर्फ 585 रन बनाने वाली को बनाया कप्तान

पाकिस्तान की महिला टीम ने वनडे वर्ल्ड कप के लिए जो टीम का ऐलान किया है, उसकी कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। फातिमा सना की कप्तानी में पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान की टीम ने कुछ खास कमाल नहीं किया है, फिर भी वह लगातार टीम की कप्तानी कर रही हैं। बतौर कप्तान तो उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा ही है, इसके अलावा वह बतौर खिलाड़ी भी कुछ खास कमाल नहीं कर सकी हैं। फातिमा सना, जो एक बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में 63 विकेट और 585 रन दर्ज हैं।

महिला विश्व कप के लिए पाकिस्तान का स्क्वाड

फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली (उपकप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शावाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), सैयदा अरूब शाह।

नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व

गुल फिरोजा, नजीहा अल्वी, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी, वहीदा अख्तर।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन का धमाका

42 गेंदों में शतक के साथ ठोंका प्लेइंग 11 के लिए दावा

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। नौ सितंबर से टूर्नामेंट का आगाज होगा जबकि भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से करेगी। इससे पहले भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन ने धमाकेदार प्रदर्शन के साथ सनसनी फैला दी है। उन्होंने 42 गेंदों में शतक लगाकर प्लेइंग 11 के लिए दावा मजबूत किया है। (अनंत ज्ञान)

सैमसन का तूफानी शतक

इन दिनों सैमसन केरल क्रिकेट लीग में कोचि ब्लू टाइगर्स के लिए खेलते नजर आ रहे हैं। रविवार को एरीज कोल्लम सेलर्स के खिलाफ मैच में स्टार बल्लेबाज ने 51 गेंदों में 121 रन बनाए और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अपनी इस पारी के दौरान दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 14 चौके और छह छक्के लगाए और 237 रनों के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

गिल-सैमसन टीम में

भारत ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए हाल ही में 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी जिसमें गिल को भी मौका दिया गया था। दरअसल, शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी से संजू सैमसन का प्लेइंग 11 में जगह बना पाना मुश्किल माना जा रहा है। गिल को अभिषेक के साथ ओपनिंग करते देखा जा सकता है, जबकि विकेटकीपर के तौर पर 15 सदस्यीय स्क्वॉड में जितेश शर्मा को शामिल किया गया है।

मनु भाकर महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में संयुक्त चौथे स्थान पर

एजेंसी, शिमकेंट

दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में सोमवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही।

मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता।

भारतीय जूनियर महिलाओं ने मारी बाजी

इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया। कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। ईशा शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी। (अनंत ज्ञान)

एरिना सबालेंका यूएस ओपन के दूसरे दौर में

रादुकानू ने 2021 के बाद टूर्नामेंट में पहला मैच जीता

रादुकानू ने पहला मैच जीता

अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा रादुकानू ने पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना स्निबाहारा को 6-1, 6-2 से मात दी। चार साल पहले खिताब जीतकर सभी को चौंका देने वाली राडुकानू 2022 में पहले दौर में हार गई।

एजेंसी, न्यूयॉर्क

गत चैंपियन एरिना सबालेंका ने स्विट्रलैंड की रेबेका मासारोवा से मिली कड़ी चुनौती का सामना करके 7-5, 6-1 से जीत के साथ अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका इस साल पहले तीन ग्रैंडस्लैम में खिताब नहीं जीत सकी हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं सत्र का समापन ग्रैंडस्लैम खिताब और नंबर वन रैंकिंग के साथ करना चाहती हूं।' अब उनका सामना पोलिना मुदेरमेतोवा से होगा जिन्हें फरवरी में दुबई में वह हरा चुकी हैं ।(अनंत ज्ञान)

गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी से हारे मेदवेदेव, रेफरी से बहस

एजेंसी, नई दिल्ली

रविवार से शुरू हुए यूएस ओपन 2025 में सोमवार को बड़ा बवाल हो गया। पहले दौर के एक मुकाबले में 2021 संस्करण के चैंपियन डेनियल मेदवेदेव का सामना गैरवरीयता प्राप्त फ्रांस के बेंजामिन बोन्ज़ी से हुआ। इस मुकाबले में एक फोटोग्राफर की वजह से इतना बवाल हुआ कि मेदवेदेव रेफरी से भिड़ गए और बाद में उन्होंने अपना रैकेट गुस्से तोड़ दिया। दरअसल जब तीसरे सेट का खेला जा रहा था और पहले दो सेट मेदवेदेव गंवा चुके थे। तभी एक फोटोग्राफर कोर्ट से बाहर जाने लगा। यहीं से पूरा विवाद शुरू हुआ। (अनंत ज्ञान)

हार से तिलमिलाकर डेनियल मेदवेदेव तोड़ा रैकेट

पहले दोनों सेट हारे थे डेनियल मेदवेदेव

दरअसल रविवार को फ्रांस के बोन्ज़ी एक उलटफेर करने की ओर बढ़ रहे थे। उन्होंने पहला सेट 6-3 और दूसरा सेट 7-5 के अंतर अपने नाम कर लिया था। इसके बाद तीसरे सेट में भी बेंजामिन बोन्ज़ी 5-4 से आगे चल रहे थे। इस दौरान उनकी सर्विस में गेंद नेट से टकरा गई। उसी दौरान फोटोग्राफर कोर्ट के पीछे से बाहर जाने की कोशिश कर रहा था। टेनिस में बढ़त बना ली और अपनी दूसरी सर्विस कर रहे थे, लेकिन तभी उनकी सर्विस नेट पर लग गई।

क्या है टेनिस का नियम

टेनिस का नियम कहता है कि जब अपना पहला सर्विस करते हैं और गेंद नेट से टकरा जाती है और दूसरी ओर नहीं जा पाती तो आपको एक और सर्विस करने का मौका मिलता है। दूसरी सर्विस में भी अगर गेंद नेट से टकरा जाती है तो वहं आप अंक गंवा देते हैं। हालांकि रेफरी ने अपने फैसले से चौका दिया और बेंजामिन बोन्जी को फिर से पहली सर्विस करने के लिए कहा। इसपर मेदवदेव भड़क गए और उन्होंने रेफरी से काफी देर तक बहस की।

इंग्लैंड दौरे पर मौके को तरसे थे अर्शदीप सिंह

नई दिल्ली। पंजाब के गेंदबाजी कोच गगनदीप सिंह ने खुलासा किया है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका न मिलने पर भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बेचैन हो गए थे। उन्होंने कहा कि 'वो बेसब्र हो रहा था कि उसे मौका नहीं मिल रहा था। मैंने उससे बस इतना कहा– तुम्हें अपने समय का इंतजार करना होगा। इंग्लैंड दौरे के लिए पहली बार अर्शदीप सिंह को टेस्ट टीम में शामिल किया गया। केंट के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने का अनुभव होने के बावजूद उन्हें किसी भी मैच के लिए प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं बनाया गया।

गगनदीप ने कहा कि टीम प्रबंधन को अर्शदीप पर भरोसा नहीं था, इसलिए उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 21 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और 30.37 की औसत से 66 विकेट लिए हैं, जिसमें दो पांच विकेट हॉल भी शामिल हैं। गगनदीप ने कहा, 'कुछ महीने पहले जब वह इंग्लैंड में थे, मैंने उनसे बात की थी। वह इस बात से बेचैन हो रहे थे कि उन्हें मौका नहीं मिल रहा है। मैंने उनसे बस इतना कहा, 'तुम्हें अपने समय का इंतजार करना होगा।' मुझे लगता है कि उन्हें इंग्लैंड में खिलाना चाहिए था क्योंकि वह एक स्विंग गेंदबाज हैं और लंबे हैं, सब कुछ ठीक है।

मुझे टीम संयोजन नहीं पता, शायद कोच (गौतम गंभीर) और कप्तान (शुभमन गिल) को उन पर भरोसा नहीं था। पंजाब के गेंदबाजी कोच ने अर्शदीप को अपनी स्विंग और सटीकता पर काम करने और अपने गेंदबाजी में अधिक विविधता लाने का सुझाव दिया। अब अर्शदीप एशिया कप में खेलते नजर आएंगे। (अनंत ज्ञान)

गोल्फर अदिति अशोक संयुक्त 36वें स्थान पर

एजेंसी, मिसिसॉगा (कनाडा)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक सीपीकेसी महिला ओपन में चार दिन में तीसरी बार इवन पार 71 के स्कोर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर रही। कनाडा की ब्रूक हेंडरसन ने आस्ट्रेलिया की मिंजी ली को एक स्ट्रोक से हराकर दूसरी बार खिताब जीता। उनका चार अंडर 68 और कुल स्कोर 15 अंडर 269 रहा। जापान की माओ साइगो तीसरे स्थान पर रही। वहीं नवंबर 2021 में, अदिति ने 22वें स्थान से ऊपर उठकर संयुक्त 14वें स्थान पर रहीं। उसी टूर्नामेंट में, उनकी साथी गोल्फर त्वेसा मलिक ने 55वें स्थान से संयुक्त 36वां स्थान हासिल किया था। (अनंत ज्ञान)

प्रणवी हिल्स ओपन में 21वें स्थान पर रही

एजेंसी, गोटेनबर्ग (स्वीडन)। आखिरी दौर में डबल बोगी करने से भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स की शीर्ष 15 में रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया और वह हिल्स ओपन में संयुक्त 21वें स्थान पर रही। चोट के बाद वापसी कर रही प्रणवी ने दो अंडर 69 स्कोर किया। भारत की हिताषी बख्शी संयुक्त 41वें स्थान पर रही जबकि स्नेहा सिंह संयुक्त 47वें स्थान पर रही।

अहलावत बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स में 54वें स्थान पर रहे

सुटोन कोल्डफील्ड (इंग्लैंड)। भारत के वीर अहलावत आखिरी दौर में दो ओवर 74 के खराब स्कोर के साथ बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 54वें स्थान पर रहे। भारत के दूसरे खिलाड़ी शुभंकर शर्मा कट में प्रवेश नहीं कर सके थे। पीजीटीआई आर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर रहे अहलावत ने एक ओवर से 73-71-71-74 स्कोर किया।

वुमंस दिल्ली प्रीमियर लीग दिल्ली क्वींस ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर बनाए 120 रन

सुपरस्टार्स ने 1 रन से जीता डीपीएल का खिताब

एजेंसी, नई दिल्ली

वुमंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार रात साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और सेंट्रल दिल्ली क्वींस के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 121 रन बनाए।

इसके जवाब में सेंट्रल दिल्ली क्वींस निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी। इस तरह सांस रोक देने वाले इस रोमांचक मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने महज एक रन से जीत दर्ज करते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया।

सुपरस्टार्स को मिली अच्छी शुरुआत

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टीम ने 8 विकेट खोकर 121 रन बनाए। तनिष्का सिंह ने शिवि शर्मा के साथ 3.5 ओवरों में पहले विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी की। तनिष्का 13 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुई, जिसके बाद शिवि शर्मा ने तनीषा सिंह के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 रन जुटाए।

श्वेता सहरावत ने खेली कप्तानी पारी

तनीषा सिंह 23 गेंदों में चार चौकों की मदद से 28 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि शिवि शर्मा ने 36 गेंदों में एक छक्के और दो चौकों के साथ 29 रन बनाए। कप्तान श्वेता सहरावत चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरीं। उन्होंने 24 गेंदों में 34 रन की पारी खेलते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। विपक्षी टीम की ओर से निधि महतो, प्रिया मिश्रा और साची ने दो-दो शिकार किए।

क्वींस को मिली खराब शुरुआत

122 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली क्वींस निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी। खिताबी मुकाबले में टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सोनिया खत्री (1) उस वक्त आउट हुई, जब टीम 1.2 ओवरों में सिर्फ 2 रन ही बना सकी थी।

जीत बेहद करीब आकर चूकी क्वींस

साची 22 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुई, जबकि दीक्षा ने 26 गेंदों में 23 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, मोनिका ने 33 रन, जबकि रिया ने 28 रन की पारी खेली, लेकिन टीम जीत बेहद करीब आकर ट्रॉफी से चूक गई। विजेता टीम की तरफ से मेधावी बिधूड़ी ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि हिमाक्षी चौधरी को दो सफलताएं हाथ लगीं। इनके अलावा, दीक्षा नागर, तनीषा सिंह और श्वेता सहरावत ने एक-एक विकेट हासिल किया। (अनंत ज्ञान)

एशियाई चैंपियन हेप्टाथलीट नंदिनी विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

एशियाई चैंपियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा ने कहा कि मई में लगी कोहनी की चोट के कारण वह अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगी जबकि उन्होंने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है। 22 वर्षीय नंदिनी को मई में दक्षिण कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में हेप्टाथलीट का स्वर्ण पदक जीतने के कारण 13-21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए अस्थायी स्थान मिला है।

नियमों के अनुसार एथलीट टोक्यो विश्व चैंपियनशिप के लिए सभी व्यक्तिगत स्पर्धाओं (मैराथन को छोड़कर) में क्षेत्रीय चैंपियन के रूप में क्वालिफाई कर सकते हैं, बशर्ते कि उसी स्पर्धा में क्वालिफाई कर सकते हैं कि उसी स्पर्धा में उसी क्षेत्र से किसी अन्य एथलीट की (विश्व रैंकिंग के अनुसार) कोई बेहतर प्रविष्टि नहीं हो। चूंकि रविवार तक विश्व एथलेटिक्स सूची (रोड टू टोक्यो) में कोई अन्य एशियाई एथलीट नहीं है जो कि क्वालिफिकेशन के लिए अंतिम तारीख है, इसलिए नंदिनी को वैश्विक संस्था से आमंत्रण मिलने की उम्मीद है। हालांकि, राष्ट्रीय महासंघ (एएफआई) के पास अपने चयन मानदंडों के आधार पर उनका नाम दर्ज करने या नहीं करने का अंतिम अधिकार होगा, लेकिन नंदिनी ने कहा कि एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान लगी चोट के कारण उन्हें अब भी बाईं कोहनी में दर्द महसूस हो रहा है। नंदिनी ने बताया, 'एशियाई चैंपियनशिप के दौरान लगी चोट के बाद मैं अब भी रिहैब पर हूं। मुझे अब भी अपनी बाईं कोहनी में दर्द महसूस हो रहा है। इसलिए टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। (अनंत ज्ञान)